website: www.royalpatrika.com
G-mail: royalpatrika@gmail.com
Yahoo: royal_patrika@yahoo.com

R.N.I. No. RAJHIN/2012/48736

दैनिक रॉयल पत्रिका

वर्ष : 14 | अंक : 133 | पेज: 8 | जयपुर, गुरुवार, 23 अप्रैल 2026 | मूल्य: 1.50 रुपये

संक्षिप्त समाचार

खरगे के बयान पर EC सख्त, 24 घंटे में जवाब तलब

नई दिल्ली। चुनाव आयोग ने मल्लिकार्जुन खरगे को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर दिए गए विवादित बयान को लेकर कड़ी चेतावनी जारी की है। आयोग ने कांग्रेस अध्यक्ष से 24 घंटे के भीतर

स्पष्टीकरण देने को कहा है। यह कार्रवाई भारतीय जनता पार्टी के एक उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल की शिकायत के बाद की गई, जिसमें निर्मला सीतारमण, किरन रिजिजू और अर्जुन राम मेघवाल शामिल थे। प्रतिनिधिमंडल ने आयोग से सख्त कार्रवाई की मांग की थी। दरअसल, खरगे ने 21 अप्रैल को चेन्नई में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान AIADMK की आलोचना करते हुए प्रधानमंत्री मोदी को लेकर आपत्तिजनक टिप्पणी की थी, जिससे सियासी विवाद खड़ा हो गया। हालांकि बाद में उन्होंने सफाई भी दी, लेकिन बयान पर बवाल थम नहीं सका। बीजेपी ने इस बयान की कड़ी निंदा करते हुए इसे प्रधानमंत्री के साथ-साथ देश के नागरिकों का अपमान बताया है। मामला अब तूल पकड़ता जा रहा है और सभी की नजरें खरगे के जवाब पर टिकी हैं।

गृहमंत्री सुधन गुरुंग का 26 दिन में इस्तीफा

नई दिल्ली (एजेंसी)। नेपाल की राजनीति में बड़ा घटनाक्रम सामने आया है, जहां गृहमंत्री सुधन गुरुंग ने पद संभालने के महज 26 दिनों के भीतर ही इस्तीफा दे दिया। उन्होंने बुधवार (22 अप्रैल 2026) को फेसबुक पोस्ट के जरिए अपने इस्तीफे

की जानकारी दी और कहा कि उन पर लगे आरोपों की निष्पक्ष जांच सुनिश्चित करने के लिए उन्होंने यह कदम उठाया है। गुरुंग पर विवादास्पद कारोबारी दीपक भट्टा के साथ व्यापारिक संबंध और माइक्रो इंश्योरेंस कंपनियों में संदिग्ध निवेश के आरोप लगे थे। भट्टा पर मनी लॉन्ड्रिंग के गंभीर आरोप हैं और उनके खिलाफ जांच जारी है। इन आरोपों के बाद सरकार और जनता के बीच आलोचना तेज हो गई थी। अपने बयान में गुरुंग ने कहा कि पद पर रहते हुए हितों के टकराव से बचना जरूरी है और जांच प्रक्रिया पर किसी भी तरह का प्रभाव नहीं पड़ना चाहिए। उन्होंने जोर देकर कहा कि उनके लिए नैतिकता किसी भी पद से ऊपर है और जनता का विश्वास सर्वोपरि है। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि नेपाल में चल रहा Gen Z आंदोलन सुशासन, पारदर्शिता और जवाबदेही की मांग कर रहा है, जो लोकतंत्र के लिए अहम संकेत है। गुरुंग ने भरोसा दिलाया कि वह जांच में पूरी तरह सहयोग करेंगे और सभी निर्णय सबूतों के आधार पर होने चाहिए, न कि अफवाहों या भावनाओं के आधार पर।

'बंगाल किसी की जागीर नहीं': राहुल गांधी की रैली को अनुमति न मिलने पर कांग्रेस का ममता सरकार पर हमला

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव से ठीक पहले सियासी घमासान और तेज हो गया है। कांग्रेस ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली सरकार पर गंभीर आरोप लगाए हैं, क्योंकि कोलकाता में पार्टी नेता राहुल गांधी की प्रस्तावित रैली को प्रशासन ने अनुमति नहीं दी। समाचार एजेंसी ANI के हवाले से कांग्रेस सूत्रों का कहना है कि स्थानीय प्रशासन और पुलिस राज्य सरकार के दबाव में काम कर रहे हैं। पार्टी के मुताबिक उन्होंने रैली की अनुमति के लिए शाम 6 बजे तक इंतजार किया, लेकिन अनुमति नहीं मिलने के कारण अंतिम समय में कार्यक्रम की तैयारियां संभव नहीं हो सकीं। कांग्रेस अब 25 या 26 अप्रैल के लिए नई तारीखों के साथ संशोधित आवेदन देने की तैयारी में है। पश्चिम बंगाल कांग्रेस अध्यक्ष शुभंकर सरकार ने दावा किया कि मालदा और मुर्शिदाबाद में राहुल

गांधी की रैलियों में उमड़ी भीड़ से तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) और भाजपा दोनों घबरा गई हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि इसी वजह से अब रैलियों के लिए अनुमति देने में बाधाएं खड़ी की जा रही हैं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'X' पर कांग्रेस ने तीखा हमला बोलते हुए कहा, "बंगाल ममता बनर्जी या टीएमसी की निजी जागीर नहीं है। राहुल गांधी की रैली रोकना राजनीतिक असुरक्षा का संकेत है। अगर जनसमर्थन मजबूत है, तो एक जनसभा से डर कैसा?" पार्टी ने यह भी कहा कि बंगाल को "पुलिस नियंत्रित राजनीति" नहीं, बल्कि वास्तविक लोकतंत्र चाहिए। वहीं, तृणमूल कांग्रेस की ओर से मंत्री शशि पांजा ने इन आरोपों को सिरे से खारिज किया। उन्होंने कहा कि राज्य में चुनाव आचार संहिता लागू है और इस दौरान किसी भी रैली की अनुमति चुनाव आयोग के नियमों के तहत दी जाती है। उन्होंने स्पष्ट किया कि 'सुविधा पोर्टल' के जरिए 2 से 7 दिन पहले आवेदन करना अनिवार्य है और यह नियम सभी दलों पर समान रूप से लागू होता है। यह विवाद ऐसे समय सामने आया है जब पश्चिम बंगाल में कड़ा चुनावी मुकाबला देखने को मिल रहा है। 294 सीटों वाली विधानसभा के लिए दो चरणों में मतदान होना है—पहला चरण 23 अप्रैल और दूसरा 29 अप्रैल को होगा, जबकि मतगणना 4 मई को की जाएगी। कांग्रेस इस बार टीएमसी और भाजपा के बीच मुकाबले को त्रिकोणीय बनाने की कोशिश में जुटी है।

केदारनाथ धाम के कपाट खुले, सीएम धामी ने की पूजा-अर्चना

नई दिल्ली । केदारनाथ धाम के कपाट बुधवार को विधि-विधान और वैदिक मंत्रोच्चार के साथ श्रद्धालुओं के लिए खोल दिए गए। इस अवसर पर पूरे धाम में श्रद्धा, आस्था और भक्ति का अद्‌त संगम देखने को मिला। कपाट खुलते ही पूरा परिसर "हर-हर महादेव" के जयघोष से गूंज उठा और वातावरण भक्तिमय हो गया। इस पावन अवसर पर पुष्कर सिंह धामी स्वयं केदारनाथ धाम पहुंचे और भगवान बाबा केदारनाथ की विशेष पूजा-अर्चना की। उन्होंने पूरे विधि-विधान के साथ पूजा कर प्रदेश की सुख-समृद्धि और कल्याण की कामना की। मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नाम से प्रथम पूजा अर्पित की और उनके मार्गदर्शन के लिए आभार भी जताया। कपाट खुलने के ऐतिहासिक क्षण के साक्षी बनने के लिए देश-विदेश से हजारों श्रद्धालु धाम पहुंचे। श्रद्धालुओं में भारी उत्साह और आस्था देखने को मिली। सीएम धामी ने कहा कि चारधाम यात्रा उत्तराखंड की आध्यात्मिक पहचान है और राज्य सरकार तीर्थयात्रियों की सुरक्षा, सुविधा और सुगम यात्रा के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने अधिकारियों को यात्रा मार्ग, स्वास्थ्य सेवाओं, पेयजल, स्वच्छता और सुरक्षा व्यवस्थाओं को उच्च स्तर पर बनाए रखने के निर्देश दिए। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने सभी श्रद्धालुओं को शुभकामनाएं दीं और कहा कि बाबा केदार का आशीर्वाद सभी पर बना रहे।

गाजीपुर में सपा प्रतिनिधिमंडल पर हमला

अखिलेश यादव ने कहा—'BJP राज में न गांव सुरक्षित, न शहर'

यूपी। उत्तर प्रदेश के गाजीपुर जिले में एक युवती की संदिग्ध मौत के मामले ने अब राजनीतिक रंग ले लिया है। करंडा क्षेत्र के कटारिया गांव में पीड़ित परिवार से मिलने जा रहे समाजवादी पार्टी (सपा) के प्रतिनिधिमंडल पर हमला होने के बाद सियासत तेज हो गई है। इस घटना को लेकर सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने प्रदेश की कानून-व्यवस्था पर गंभीर सवाल उठाए हैं। बताया जा रहा है कि कटारिया गांव में विश्वकर्मा समाज की एक युवती की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई थी। 15 अप्रैल को उसकी लाश गंगा नदी में मिली थी। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में डूबने से मौत की पुष्टि हुई, लेकिन परिजनों ने मामले को संदिग्ध बताते हुए शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने तहरीर के आधार पर केस दर्ज कर एक आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। इसी बीच सपा का एक प्रतिनिधिमंडल पीड़ित परिवार से मिलने गांव पहुंच रहा था। आरोप है कि गांव के कुछ लोगों ने उन्हें रोक लिया और विवाद बढ़ने पर पथराव शुरू हो गया। इस हमले में सपा के कई कार्यकर्ता

घायल हो गए, जिनमें पूर्व मंत्री राम आसरे विश्वकर्मा भी शामिल बताए जा रहे हैं। घटना के दौरान पुलिस पर भी पथराव और हमले की खबर सामने आई है। इस पूरे घटनाक्रम पर प्रतिक्रिया देते हुए अखिलेश यादव ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा कि यह हमला सिर्फ सपा प्रतिनिधिमंडल पर नहीं, बल्कि पीडीए (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) समाज पर हमला है। उन्होंने आरोप लगाया कि सत्ता पोषित वर्चस्ववादी ताकतें प्रदेश में कानून-व्यवस्था को कमजोर कर रही हैं। सपा प्रमुख ने दोषियों की तत्काल गिरफ्तारी और सख्त कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने कहा कि भाजपा शासन में न तो गांव सुरक्षित हैं और न ही शहर, और उत्तर प्रदेश अराजकता के सबसे खराब दौर से गुजर रहा है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी है और गांव में तनाव को देखते हुए अतिरिक्त बल तैनात किया गया है। प्रशासन का कहना है कि दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा और कानून के अनुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी।

'हमारा एक ही पड़ोसी गड़बड़': रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की पाकिस्तान को कड़ी चेतावनी

नई दिल्ली । पहलगाम आतंकी हमले की बरसी पर भारत ने एक बार फिर आतंकवाद के खिलाफ अपना सख्त रुख दोहराया। इस मौके पर जर्मनी दौरे पर मौजूद रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने पाकिस्तान को सीधी चेतावनी देते हुए कहा कि भारत के सभी पड़ोसी देशों से संबंध सामान्य हैं, लेकिन "एक पड़ोसी गड़बड़" है। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि अगर किसी ने भारत के साथ छेड़खानी की, तो उसे करारा जवाब दिया जाएगा। रक्षा मंत्री ने कहा कि भारत की सैन्य ताकत अब पहले से कहीं ज्यादा मजबूत हो चुकी है। उन्होंने 'ऑपरेशन सिंदूर' का जिक्र करते हुए कहा कि भारतीय सेना ने जो पराक्रम दिखाया, वह देश की क्षमता और संकल्प का प्रमाण है। उन्होंने यह भी कहा कि अब भारत रक्षा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बन रहा है और पहले की तरह आयात पर निर्भर नहीं है। राजनाथ सिंह के अनुसार, भारत ने इस वर्ष लगभग 39,000 करोड़ रुपये के रक्षा उपकरणों का निर्यात किया है, जो देश की बढ़ती रक्षा क्षमता और वैश्विक स्तर पर उसकी साख को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि यह बदलाव भारत के लिए एक बड़ी उपलब्धि है और आने वाले समय में रक्षा उत्पादन और निर्यात में और वृद्धि होगी। गौरतलब है कि 22 अप्रैल 2025 को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले में 26 निर्दोष लोगों की हत्या कर दी गई थी, जिनमें 25 पर्यटक शामिल

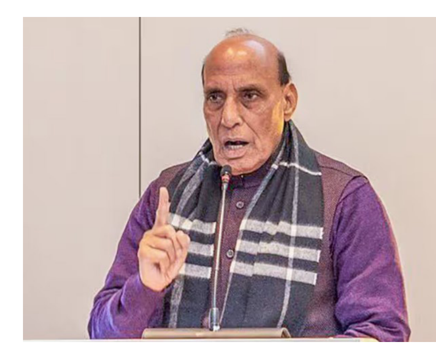

थे। इस घटना ने पूरे देश को झकझोर दिया था और लोगों में भारी आक्रोश देखने को मिला था। इस हमले के बाद भारतीय सेना ने जवाबी कार्रवाई करते हुए 'ऑपरेशन सिंदूर' चलाया, जिसके तहत पाकिस्तान और पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में मौजूद कई आतंकी ठिकानों को नष्ट कर दिया गया। बड़ी संख्या में आतंकवादियों को भी मार गिराया गया। इसके साथ ही 'ऑपरेशन महादेव' के तहत सेना ने करीब 93 दिनों तक आतंकियों का पीछा किया और 28 जुलाई 2025 को इस अभियान को सफलतापूर्वक पूरा किया। रक्षा मंत्री ने कहा कि यह कार्रवाई केवल सैन्य जवाब नहीं थी, बल्कि यह भारत के साहस, संयम और आतंकवाद के खिलाफ जीरो टॉलरेंस नीति का प्रतीक है।

'बंगाल की अस्मिता से खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं': सीएम योगी का ममता सरकार पर तीखा हमला

लखनऊ । पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के बीच उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर तीखा हमला बोला है। कोलकाता के जोरासांको विधानसभा क्षेत्र में आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए योगी ने कहा कि "कोई माई का लाल बंगाल की अस्मिता से खिलवाड़ नहीं कर सकता" और 4 मई को राज्य में "भगवा लहराने" का दावा किया। सीएम योगी ने इशारों में ममता बनर्जी और अभिषेक बनर्जी पर निशाना साधते हुए उन्हें "बुआ-भतीजा" करार दिया और आरोप लगाया कि वे बंगाल की पहचान को कमजोर कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि कुछ लोग बंगाल की संस्कृति और पहचान से खिलवाड़ कर रहे हैं, जिसे जनता बर्दाश्त नहीं करेगी। मतदाताओं से अपील करते हुए उन्होंने कहा कि लोकतंत्र ने जो ताकत दी है, उसका इस्तेमाल वोट के जरिए सही दिशा में

करना चाहिए। योगी आदित्यनाथ ने दावा किया कि पहले चरण के चुनाव में भाजपा को भारी समर्थन मिल रहा है और 80 प्रतिशत सीटें जीतने जा रही हैं। उन्होंने कहा कि चुनाव परिणाम आने के बाद बंगाल "सोनार बांग्ला" के रूप में नई पहचान स्थापित करेगा। उन्होंने बड़ा बाजार क्षेत्र का जिक्र करते हुए इसे व्यापार, कला, संस्कृति और धार्मिक विरासत का केंद्र बताया। अपने भाषण में योगी ने रवींद्रनाथ ठाकुर की विरासत का भी उल्लेख किया और आरोप लगाया कि उनके पैतृक स्थान पर भारत माता की जगह तृणमूल कांग्रेस के लोगों ने ममता बनर्जी की तस्वीर लगा दी, जो बंगाल की अस्मिता का अपमान है। उन्होंने राज्य में बेरोजगारी और उद्योगों के बंद होने का मुद्दा उठाते हुए कहा कि कभी पूरे देश के लोग रोजगार के लिए बंगाल आते थे, लेकिन अब यहां के युवा बेरोजगारी के अंधकार में भटक रहे हैं। योगी ने आरोप लगाया कि पहले कांग्रेस, फिर वामपंथियों और अब टीएमसी ने राज्य को आर्थिक रूप से कमजोर किया है। उत्तर प्रदेश का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि वहां "रामराज्य" जैसा माहौल है, जहां कानून-व्यवस्था मजबूत है और त्योहार शांति से मनाए जाते हैं। उन्होंने कहा कि यूपी में "नो कर्फ्यू, नो दंगा" की स्थिति है और माफियाओं पर सख्त कार्रवाई की जा रही है। अंत में योगी आदित्यनाथ ने विभिन्न विधानसभा क्षेत्रों में भाजपा उम्मीदवारों के पक्ष में मतदान की अपील करते हुए कहा कि बंगाल की अस्मिता और विकास के लिए परिवर्तन जरूरी है।

दिल्ली में बिना PUC नहीं मिलेगा ईंधन

नई दिल्ली। रेखा गुप्ता ने राजधानी में बढ़ते वायु प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए सख्त कदम उठाया है। अब दिल्ली में केवल उन्हीं वाहनों को पेट्रोल, डीजल, सीएनजी या एलपीजी मिलेगा, जिनके पास वैध पॉल्यूशन अंडर कंट्रोल (PUC) प्रमाणपत्र होगा। बिना PUC वाले वाहनों को किसी भी पेट्रोल पंप पर ईंधन नहीं दिया जाएगा। इस संबंध में सभी पेट्रोल पंप संचालकों को स्पष्ट निर्देश जारी कर दिए गए हैं।

प्रदूषण नियंत्रण के लिए सख्त फैसला

मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया के जरिए कहा कि वायु प्रदूषण दिल्ली की सबसे बड़ी समस्याओं में से एक है और इसे कम करने के लिए सख्ती जरूरी है। उन्होंने चेतावनी दी कि नियमों के पालन में किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं होगी। विशेषज्ञों का मानना है कि यह फैसला वाहन प्रदूषण कम करने में कारगर साबित होगा, क्योंकि कई वाहन बिना जांच के सड़कों पर चलते हैं। अब वाहन चालकों को समय-समय पर PUC बनवाना अनिवार्य होगा, जिससे राजधानी की हवा में सुधार की उम्मीद है।

पहलगाम हमले की बरसी पर उमर अब्दुल्ला का संदेश: 'पाकिस्तान चाहे भी तो अब ऐसे हमले नहीं होने देंगे'

श्रीनगर । जम्मू-कश्मीर के पहलगाम आतंकी हमले की पहली बरसी पर मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने पीड़ित परिवारों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की और आतंकवाद के खिलाफ सख्त संकल्प दोहराया। उन्होंने कहा कि यह दिन आज भी सभी के लिए बेहद दर्दनाक है और उस घटना को याद करते हुए दिल भारी हो जाता है, जिसमें निर्दोष लोगों की जान चली गई थी। सीएम ने कहा कि पहलगाम में मारे गए लोग आम पर्यटक थे, जो छुट्टियां मनाने आए थे, लेकिन आतंकियों ने उन्हें निशाना बनाकर उनकी जिंदगी छीन ली। उन्होंने कहा, "हम आज भी उन परिवारों के गम में बराबर के हिस्सेदार हैं और यह हमारी जिम्मेदारी है कि ऐसी घटनाएं दोबारा न हों।" आतंकवाद पर सख्त रुख अपनाते हुए उमर अब्दुल्ला ने कहा कि सरकार और सुरक्षा एजेंसियां पूरी तरह सतर्क हैं। उन्होंने पाकिस्तान का जिक्र करते हुए कहा कि "अगर पाकिस्तान चाहे भी, तो हम ऐसे हमलों को दोबारा होने की इजाजत नहीं देंगे।" उन्होंने भरोसा जताया कि सभी मिलकर हालात को बेहतर बनाएंगे और जम्मू-कश्मीर में शांति बनाए रखेंगे। पर्यटन पर पड़े असर को लेकर उन्होंने स्वीकार किया कि पिछले साल के मुकाबले कुछ असर जरूर पड़ा है, लेकिन जैसे-जैसे सीजन आगे बढ़ रहा है, हालात

सुधर रहे हैं। उन्होंने उम्मीद जताई कि बड़ी संख्या में श्रद्धालु और पर्यटक जम्मू-कश्मीर आएंगे—चाहे माता वैष्णो देवी के दर्शन हों, अमरनाथ यात्रा हो या सामान्य पर्यटन। अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर भी सीएम ने अपनी राय रखी। ईरान और अमेरिका के बीच बढ़ते तनाव पर उन्होंने कहा कि जंग किसी समस्या का हल नहीं है और इसे तुरंत खत्म किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि इस संघर्ष का असर पूरी दुनिया पर पड़ रहा है, खासकर तेल की कीमतों और सप्लाई पर। अब्दुल्ला ने यह भी कहा कि भारत की स्थिति अन्य देशों के मुकाबले बेहतर है और देश इस तरह के वैश्विक संकटों का मजबूती से सामना कर रहा है। उन्होंने अंत में दोहराया कि जम्मू-कश्मीर में शांति, सुरक्षा और विकास उनकी सरकार की प्राथमिकता है।

बंगाल चुनाव: केजरीवाल का ममता बनर्जी को समर्थन, मोदी पर निशाना

नई दिल्ली । पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव से पहले सियासी माहौल काफी गरमा गया है। इसी बीच आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी से फोन पर बातचीत कर उन्हें खुला समर्थन दिया है। केजरीवाल ने कहा कि ममता बनर्जी एक बेहद मुश्किल लड़ाई लड़ रही हैं, जो भारतीय लोकतंत्र के लिए अहम मानी जा सकती है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर केजरीवाल ने लिखा कि उन्होंने ममता दीदी से बात कर उनके प्रति एकजुटता जताई है। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार और संस्थानों का गलत इस्तेमाल किया जा रहा है, लेकिन इसके बावजूद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को बंगाल में हार का सामना करना पड़ेगा। बता दें कि पश्चिम बंगाल में पहले चरण के लिए 23 अप्रैल को मतदान होना है, जिसमें 152 सीटों पर वोट डाले जाएंगे। वहीं दूसरे चरण का मतदान 29 अप्रैल को 142 सीटों पर होगा।

राज्य की कुल 294 विधानसभा सीटों के लिए चुनाव हो रहे हैं, जिसे लेकर सभी दलों ने पूरी ताकत झोंक दी है। इधर, केजरीवाल ने दक्षिण भारत में भी अपनी राजनीतिक सक्रियता बढ़ाते हुए तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन का समर्थन किया। चेन्नई दौरे के दौरान उन्होंने स्टालिन की तारीफ करते हुए कहा कि पिछले पांच वर्षों में राज्य में उल्लेखनीय विकास हुआ है और राष्ट्रीय मुद्दों पर उनकी आवाज मजबूत रही है। बीजेपी पर निशाना साधते हुए केजरीवाल ने कहा कि तमिलनाडु के लोग बीजेपी की राजनीति को पसंद नहीं करते, इसी कारण पार्टी राज्य में मजबूत पकड़ नहीं बना सकी है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि एआईएडीएमके पर बीजेपी का प्रभाव है और अगर बीजेपी को मौका मिला तो वह राज्य में सरकार बनाने की कोशिश कर सकती है, जिससे विकास कार्य प्रभावित हो सकते हैं।

रॉयल पत्रिका

संपादकीय....

सुरक्षा और सामान्य जीवन के बीच संतुलन ही असली चुनौती

पहलगाम हमले की पहली बरसी हमें सिर्फ एक दर्दनाक याद नहीं दिलाती, बल्कि यह देश की सुरक्षा नीति की गंभीर परीक्षा का भी मौका है। 22 अप्रैल 2025 को बैसरन घाटी में हुई आतंकी घटना ने पूरे देश को झकझोर दिया था। एक साल बाद हालात अपेक्षाकृत शांत जरूर हैं, लेकिन असली चुनौती इस शांति को स्थायी सुरक्षा और सामान्य जीवन में बदलने की है। पिछले एक साल में, इक्का-दुक्का घटनाओं को छोड़ दें तो घाटी में शांति बनी रही है। यह सुरक्षा एजेंसियों और सेना की सतर्कता का परिणाम है, जिन्होंने बड़े हमलों को रोकने में सफलता हासिल की। इससे यह साफ होता है कि मजबूत सुरक्षा तंत्र ही स्थायी शांति की नींव बन सकता है। लेकिन यह भी उतना ही जरूरी है कि सुरक्षा के नाम पर आम लोगों के जीवन और आजीविका पर अनावश्यक पाबंदियां न लगें। बैसरन घाटी जैसे पर्यटन क्षेत्रों का लंबे समय तक बंद रहना स्थानीय अर्थव्यवस्था पर सीधा असर डाल रहा है। पर्यटकों की संख्या में 30-40 प्रतिशत तक की गिरावट ने लोगों की आजीविका को प्रभावित किया है, जिससे नाराजगी भी बढ़ रही है। ऐसे में जरूरी है कि सरकार चरणबद्ध तरीके से इन क्षेत्रों को फिर से खोले, ताकि आर्थिक गतिविधियां बहाल हो सकें और लोगों का भरोसा भी मजबूत हो। संतुलित रणनीति का अर्थ यही है कि सुरक्षा केवल दिखे ही नहीं, बल्कि लोगों में भरोसा भी पैदा करे। इसके लिए आधुनिक तकनीक का उपयोग, खुफिया तंत्र की मजबूती, स्थानीय समुदाय की भागीदारी और सीमित लेकिन प्रभावी सुरक्षा बलों की तैनाती बेहद जरूरी है। जब स्थानीय लोग खुद को सुरक्षित महसूस करेंगे और पर्यटक बिना डर के आएंगे, तभी वास्तविक सामान्य स्थिति बहाल हो सकेगी। सुरक्षा का दायरा केवल जम्मू-कश्मीर तक सीमित नहीं है। देश के अन्य हिस्सों में भी सतर्कता उतनी ही जरूरी है। हाल ही में राजस्थान की एक रिफाइनरी में लगी आग की जांच राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) द्वारा की जा रही है। यदि इसमें किसी साजिश के संकेत मिलते हैं, तो यह खतरे के व्यापक स्वरूप की ओर इशारा करता है। वहीं, अगर यह एक दुर्घटना भी है, तब भी सुरक्षा मानकों की समीक्षा अनिवार्य हो जाती है। आतंकवाद के खिलाफ सख्ती जरूरी है, लेकिन इसका उद्देश्य केवल खतरे को खत्म करना नहीं, बल्कि सामान्य जीवन को बहाल करना भी होना चाहिए। जिस तरह नक्सलवाद के खिलाफ बहुआयामी रणनीति अपनाई गई, उसी तरह आतंकवाद के खिलाफ भी सुरक्षा, विकास और विश्वास—इन तीनों स्तंभों को साथ लेकर चलना होगा। अंततः, सही रणनीति वही होगी जो सुरक्षा और सामान्य जीवन के बीच संतुलन बनाए रखे। यही संतुलन देश को न केवल सुरक्षित बनाएगा, बल्कि स्थायी शांति और विकास की राह भी सुनिश्चित करेगा।

ट्रैक से संसद तक

क्यों भारत के भविष्य का नेतृत्व महिलाओं को करना चाहिए

डॉ. पी टी ऊषा

मैंने अपना पूरा जीवन भागदौड़ में ही बिताया है, पहले केरल की कच्ची सड़कों पर, फिर वैश्विक मंचों पर और अब सार्वजनिक जीवन के गलियारों में। हर कदम पर मुझे कई मुश्किलो का सामना करना पड़ा है, कुछ प्रत्यक्ष और कुछ अनकही बाधाओं का भी, जिन्होंने महिलाओं को यह बताया कि उनका यहाँ कोई स्थान नहीं है। मैंने यह भी देखा है कि जब ये बाधाएं टूटने लगती हैं तो क्या होता है। अवसर परिणामों को बदल देता है और इससे भी ज़रुरी बात यह है कि यह लोगों की सोच को बदल देता है। यही कारण है कि संविधान (एक सौ अट्ठाईसवाँ संशोधन) विधेयक, 2023–नारी शक्ति वंदन अधिनियम–केवल एक विधायी उपलब्धि नहीं है। यह एक लंबे समय से प्रतीक्षित संरचनात्मक सुधार है। लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में एक तिहाई सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित करना न तो कोई रियायत है और न ही दिखावा। यह अधिक प्रतिनिधि और प्रभावी लोकतंत्र की दिशा में एक ज़रुरी कदम है। जब मैंने 1984 के लॉस एंजिल्स ओलंपिक में हिस्सा लिया और कुछ ही सेकंड के अंतर से पदक से चूक गई, तब बहुत कम भारतीय लड़कियां थीं, जो वैश्विक मंच पर खुद को देख पाती थीं। लेकिन पिछले कई दशकों में यह स्थिति बदली है। प्रशिक्षण, बुनियादी ढांचे और पहचान तक पहुंच में सुधार के साथ, भारतीय महिलाएं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रमुखता हासिल करने लगीं है।

पी.वी. सिंधु, मीराबाई चानू, विनेश फोगाट और मैरी कॉम जैसी एथलीटें अकेले नहीं उभरीं। वे एक ऐसी व्यवस्था का परिणाम हैं, जिसने धीरे-धीरे ही सही, पहुंच को व्यापक बनाना शुरू किया। प्रतिनिधित्व आकांक्षाएं पैदा करता है और आकांक्षा, जब समर्थित होती है, तो उपलब्धि दिलाती है। सबक साफ है। जब महिलाओं को स्थान दिया जाता है, तो वे व्यवस्था में केवल भाग नहीं लेतीं, वे शानदार प्रदर्शन भी कर दिखाती हैं। भारत में जमीनी स्तर पर महिलाओं के नेतृत्व का प्रभाव पहले ही देखा जा चुका है। 73वें संवैधानिक संशोधन द्वारा पंचायती राज संस्थाओं में महिलाओं के लिए आरक्षण लागू किए जाने के बाद से, विभिन्न राज्यों में किए गए कई अध्ययनों से पता चला है कि महिला प्रतिनिधियों के नेतृत्व वाले क्षेत्रों में पेयजल, स्वच्छता, शिक्षा और प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल तक पहुंच में सुधार हुआ है। ये महज़ महिलाओं के मुद्दे नहीं हैं, बल्कि ये राष्ट्रीय प्राथमिकताएं हैं। महिला नेता अक्सर सुरक्षित सार्वजनिक स्थान, सुचारू रूप से चलने वाले स्कूल, पोषण और स्वास्थ्य सेवाओं जैसी शासन से जुड़ी उन रोजमर्रा की चुनौतियों पर ध्यान केंद्रित करती हैं, जो परिवारों और समुदायों को सीधे तौर पर प्रभावित करती हैं। इस प्रतिनिधित्व को राज्य विधानसभाओं और संसद तक विस्तारित करना केवल निष्पक्षता की बात नहीं है। यह शासन की गुणवत्ता में सुधार से जुड़ा है। भारत में महिला श्रम बल की भागीदारी विश्व में सबसे कम है, जो लगभग 25 प्रतिशत के आसपास है। यह केवल एक सामाजिक चिंता नहीं, बल्कि एक आर्थिक समस्या भी है विधानसभाओं में महिलाओं का अधिक प्रतिनिधित्व उन नीतियों को प्राथमिकता देने में मदद कर सकता है, जो इस अप्रयुक्त क्षमता को उजागर करती हैं, जैसे किफायती बाल देखभाल, सुरक्षित कार्यस्थल, ऋण तक पहुंच और महिला उद्यमियों के लिए समर्थन। मैकिन्से ग्लोबल इंस्टीट्यूट का अनुमान है कि लैंगिक समानता को बढ़ावा देने से भारत की जीडीपी में 700 बिलियन डॉलर तक की वृद्धि हो सकती है। अधिक समावेशी संसद न केवल एक लोकतांत्रिक आवश्यकता है, बल्कि एक आर्थिक अनिवार्यता भी है। भारत भर में लाखों महिलाओं के लिए, सार्वजनिक जीवन में भागीदारी अभी भी सुरक्षा, भेदभाव और असमान पहुंच की चिंताओं से प्रभावित है। चाहे खेल हो, शिक्षा हो या कार्यस्थल, ये समस्याएं हमारे समाज में गहराई से जड़ें जमा चुकी हैं। संसद में अधिक महिलाओं का मतलब है कि कानून और नीतियां महज़ समझ से नहीं, बल्कि वास्तविक जीवन की हकीकत से आकार लेती हैं। इसका मतलब है प्रवर्तन के लिए मजबूत वकालत, सहायता प्रणालियों के लिए संसाधनों का बेहतर आवंटन और एक न्याय ढांचा, जो उत्तरदायी और सुलभ हो। शासन तभी अधिक प्रभावी होता है, जब वह उन लोगों के अनुभवों को दर्शाता है, जिनकी वह सेवा करता है। भारत में

विभिन्न राज्यों में किए गए कई अध्ययनों से पता चला है कि महिला प्रतिनिधियों के नेतृत्व वाले क्षेत्रों में पेयजल, स्वच्छता, शिक्षा और प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल तक पहुंच में सुधार हुआ है। ये महज़ महिलाओं के मुद्दे नहीं हैं, बल्कि ये राष्ट्रीय प्राथमिकताएं हैं। महिला नेता अक्सर सुरक्षित सार्वजनिक स्थान, सुचारू रूप से चलने वाले स्कूल, पोषण और स्वास्थ्य सेवाओं जैसी शासन से जुड़ी उन रोजमर्रा की चुनौतियों पर ध्यान केंद्रित करती हैं, जो परिवारों और समुदायों को सीधे तौर पर प्रभावित करती हैं। इस प्रतिनिधित्व को राज्य विधानसभाओं और संसद तक विस्तारित करना केवल निष्पक्षता की बात नहीं है। यह शासन की गुणवत्ता में सुधार से जुड़ा है। भारत में महिला श्रम बल की भागीदारी विश्व में सबसे कम है, जो लगभग 25 प्रतिशत के आसपास है। यह केवल एक सामाजिक चिंता नहीं, बल्कि एक आर्थिक समस्या भी है विधानसभाओं में महिलाओं का अधिक प्रतिनिधित्व उन नीतियों को प्राथमिकता देने में मदद कर सकता है, जो इस अप्रयुक्त क्षमता को उजागर करती हैं, जैसे किफायती बाल देखभाल, सुरक्षित कार्यस्थल, ऋण तक पहुंच और महिला उद्यमियों के लिए समर्थन। मैकिन्से ग्लोबल इंस्टीट्यूट का अनुमान है कि लैंगिक समानता को बढ़ावा...

सत्ता की छवि लंबे समय से मुख्य रूप से पुरुष प्रधान रही है। उस छवि को बदलना केवल प्रतीकात्मक नहीं है, बल्कि यह एक बदलावकारी प्रक्रिया है। जब मणिपुर, झारखंड, राजस्थान या भारत के किसी भी हिस्से की कोई युवती अपने जैसी दिखने वाली, अपने जैसी बोलने वाली और समान पृष्ठभूमि से आने वाली किसी महिला को देश के कानूनों को आकार देते हुए देखती है, तो यह सिर्फ प्रेरणा ही नहीं देता, बल्कि यह संभावनाओं के प्रति उसके विश्वास को भी बदल देती है। आकांक्षा ही सामाजिक परिवर्तन का आधार है। विधानसभाओं में आरक्षण से स्तर कम नहीं होता, बल्कि अवसरों का दायरा बढ़ता है। भारत की महिलाओं ने खेल जगत, सशस्त्र बलों, विमानन और व्यावसायिक पदों पर पहले ही कई बाधाओं को पार कर लिया है। विधायी प्रतिनिधित्व इस यात्रा का स्वाभाविक अगला कदम है। राज्यसभा में सेवा करने का सौभाग्य प्राप्त करने के बाद, मैंने प्रत्यक्ष रूप से देखा है कि कैसे विविध दृष्टिकोण बहस और निर्णय लेने की प्रक्रिया को मजबूत बनाते हैं। फिर भी, आज लोकसभा में महिलाओं की हिस्सेदारी केवल लगभग 15 प्रतिशत है, जो वैश्विक औसत से काफी कम है। नारी शक्ति वंदन अधिनियम पारित हो चुका है। अब बस इसे पूरी तरह, निष्ठापूर्वक और बिना देर किए लागू करने की राजनीतिक इच्छाशक्ति की ज़रुरत है। भारत अपनी आधी आबादी को सर्वोच्च निर्णय लेने वाले निकायों में कम प्रतिनिधित्व देते हुए, विकसित राष्ट्र बनने की आकांक्षा नहीं रख सकता। आधी प्रतिभा को दरकिनार करके विकसित भारत का निर्माण नहीं किया जा सकता, न ही आधी आवाज़ पर सच्चा लोकतंत्र फल-फूल सकता है।

विश्व पृथ्वी दिवस

रोहित कौशिक

हमारी समझदारी से ही बच सकेगी पृथ्वी

एक नए अध्ययन में बताया गया है कि महासागरों के तेजी से गर्म होने के कारण मौसम के चक्र में बदलाव का अनुमान है। वर्तमान में हिंद महासागर और इसके आसपास के देश वैश्विक स्तर पर प्राकृतिक आपदाओं के सबसे अधिक खतरे वाले क्षेत्र के रूप में उभरे हैं। यह दुर्भाग्यपूर्ण ही है कि आज पृथ्वी को बचाने के लिए भाषणबाजी तो बहुत होती है, लेकिन धरातल पर काम नहीं हो पाता है। यही कारण है कि पर्यावरण की स्थिति बद से बदतर होती जा रही है। इस दौर में जिस तरह से मौसम का चक्र बिगड़ रहा है, वह हम सबके साथ-साथ समाज के उस वर्ग के लिए भी चिन्ता का विषय है जो ग्लोबल वार्मिंग पर चर्चा करने को एक फैशन मानने लगा था। दरअसल इन दिनों सम्पूर्ण विश्व में पृथ्वी और पर्यावरण बचाने के नारे जोर-शोर से सुने जा सकते हैं, लेकिन जब नारे लगाने वाले ही इस अभियान की हवा निकालने में लगे हुए हों तो पृथ्वी और पर्यावरण पर संकट के बादल मंडराने तय हैं। आज विभिन्न देशों में अनेक मंचों से जो पर्यावरण बचाओ आन्दोलन चलाया जा रहा है, उसमें एक अजीब विरोधाभास दिखाई दे रहा है। पर्यावरण सभी बचाना चाहते हैं, लेकिन अपने त्याग की कीमत पर नहीं बल्कि दूसरों के त्याग की कीमत पर। स्थायी विकास एग्रीन इकोनॉमी और पर्यावरण सम्बन्धी विभिन्न चुनौतियों पर चर्चा जरूरी है, लेकिन इसका फायदा तभी होगा, जब हम व्यापक दृष्टि से सभी देशों के हितों पर ध्यान देंगे। गौरतलब है कि ग्रीन इकोनॉमी के तहत पर्यावरण को नुकसान पहुंचाए बिना सभी वर्गों की तरक्की वाली अर्थव्यवस्था का निर्माण करना शामिल है, लेकिन दुर्भाग्यपूर्ण यह है कि हरित अर्थव्यवस्था के उद्देश्यों के क्रियान्वयन के लिए विकसित देश विकासशील देशों की अपेक्षित सहायता नहीं करते हैं। स्पष्ट है कि विकसित देशों की हठधर्मिता की वजह से पर्यावरण के विभिन्न मुद्दों पर कोई स्पष्ट नीति नहीं बन पाती है। दरअसल इस दौर में पर्यावरण की स्थिति किसी से छिपी नहीं है। हालात यह है कि मौसम का समस्त चक्र भी अनियमित हो गया है। वैज्ञानिकों का मानना है कि मौसम की यह अनिश्चितता और तापमान का उतार-चढ़ाव जलवायु परिवर्तन के कारण है। जलवायु परिवर्तन के कारण एक ही ऋतु में किसी एक जगह पर ही मौसम में उतार-चढ़ाव या परिवर्तन हो सकता है।

वास्तव में हम पिछले अनेक दशकों से भ्रम में ही जी रहे हैं। यही कारण है कि पर्यावरण के अनुकूल तकनीक के बारे में सोचने की फुर्सत किसी को नहीं है। पुराने जमाने में पर्यावरण के हर अवयव को भगवान का दर्जा दिया जाता था। इसीलिए हम पर्यावरण के हर अवयव की इज्जत करना जानते थे। नए जमाने में पर्यावरण के अवयव वस्तु के तौर पर देखे जाने लगे और हम इन्हें मात्र भोग की वस्तु मानने लगे। उदारीकरण की आंधी ने तो हमारे समस्त ताने-बाने को ही नष्ट कर दिया। इस प्रक्रिया ने पर्यावरण के अनुकूल समझ विकसित करने में बाधा पहुंचाई। यह समझ विकसित करने के लिए एक बार फिर हमें नए सिरे से सोचना होगा। हमें यह मानना होगा कि जलवायु परिवर्तन की यह समस्या किसी एक शहर, राज्य या देश के सुधरने से हल होने वाली नहीं है। पर्यावरण की कोई ऐसी परिधि नहीं होती है कि एक जगह प्राकृतिक संसाधनों का दोहन या प्रदूषण होने से उसका प्रभाव दूसरी जगह न पड़े। इसीलिए इस समय सम्पूर्ण विश्व में पर्यावरण के प्रति चिन्ता देखी जा रही है। हालांकि इस चिन्ता में खोखले आदर्शवाद से लिपटे हुए नारे भी शामिल हैं। जलवायु परिवर्तन पर होने वाले सम्मेलनों में हम इस तरह के नारे अक्सर सुनते रहते हैं। सवाल यह है कि क्या खोखले आदर्शवाद से जलवायु परिवर्तन का मुद्दा हल हो सकता है। यह सही है कि ऐसे सम्मेलनों के माध्यम से विभिन्न बिन्दुओं पर सार्थक चर्चा होती है और कई बार कुछ नई बातें भी निकलकर सामने आती हैं। यदि विकसित देश एक ही लीक पर चलते हुए केवल अपने स्वार्थों को तरजीह देने लगें तो जलवायु परिवर्तन पर उनकी बड़ी-बड़ी बातें बेमानी लगने लगती हैं। दरअसल जब हम प्रकृति का सम्मान नहीं करते हैं तो वह प्रत्यक्ष रूप से तो हमें हानि पहुंचाती ही है, परोक्ष रूप से भी हमारे सामने कई समस्याएं खड़ी करती है। ज्यादातर विकासशील देशों में जलवायु परिवर्तन के प्रति सफलतापूर्वक अनुकूलन के लिए आर्थिक एवं प्रोद्यौगिकीय स्त्रोतों का अभाव है। दरअसल हरेक परिस्थितिक तंत्र के लिए अनुकूलन विशिष्ट होता है। गौरतलब है कि विभिन्न तौर-तरीकों से जलवायु परिवर्तन को नियंत्रित किया जा सकता है। इन तौर-तरीकों में ऊर्जा प्रयोग की उन्नत क्षमता एवनों के काटने पर नियंत्रण और जीवाष्म इंधन का कम से कम इस्तेमाल जैसे कारक प्रमुख हैं।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

हमें वैराग लेकर भगवान को नहीं पाना है

संकलित

दर्शन

परिवार में कोई बीमार हो तो दूसरे व्यक्ति के शरीर पर भी असर होता है। अगर बच्चों का विवाह नहीं हुआ है, अच्छा लड़का या लड़की नहीं मिली है, पढ़ाई ठीक से नहीं कर पाए हैं तो इन पर ध्यान दिया जाना जरूरी है। हमें वैराग लेकर भगवान को नहीं पाना है। बल्कि हम जहां हैं, वहां रहकर भगवान को ऊपर से नीचे उतारना है। भगवान उतरते हैं। दशरथ के घर उतरे हैं, वासुदेव की जेल में उतरे हैं। हम वैराग लेकर उन्हें ऊपर खोजने जाएं, यह भी एक गति है, लेकिन क्यों न हम एक एक पारिवारिक दायित्व पूरा करते-करते उन्हें नीचे बुला लें। हम नरसिंह मेहता नही है। हम मीरा और भर्तृहरि नहीं हैं। मनु और शतरूपा ने वैराग का पथ लिया तो भी परिवारिक दायित्व को पूरा किया। भजन का मतलब यह नहीं कि आप सबको नजरअंदाज करें, सबकी उपेक्षा करें। भजन में पारिवारिक स्वास्थ्य आवश्यक है। आत्मा की तंदुरुस्ती के विषय में मैं खुलासा कर दूं कि आत्मा बीमार नहीं है। मन बीमार हो सकता है, आत्मा कहां बीमार होती है। जैसे सूरज तंदुरुस्त है, लेकिन बादल से आवृत्त होने पर सूरज दिखना बंद हो जाता है। वैसे ही स्थिति हमारी आत्मा की है। जैन परंपरा कहती है कि आत्मा पर कई तरह के कशाय के बादल छा जाते हैं। इसी रूप में आत्मा अस्वस्थ नहीं हो सकती। आत्मा बूढ़ी नहीं हो सकती। शरीर जन्म लेता है, आत्मा जन्म नहीं लेती। ये तो सीधी-सी बात है।

मानव धर्म ही सर्वोपरि

संकलित

प्रेरणा

एक राजा था। उसने एक सपना देखा। सपने में उससे एक परोपकारी साधु कह रहा था कि, बेटा! कल रात को तुम्हें एक विषैला सांप काटेगा और उसके काटने से तुम्हारी मृत्यु हो जाएगी। वह सर्प अमुक पेड़ की जड़ में रहता है। वह तुमसे पूर्व जन्म की शत्रुता का बदला लेना चाहता है। सुबह हुई। राजा सोकर उठा। और सपने की बात को लेकर विचार करने लगा। सोचते- सोचते राजा इस निर्णय पर पहुंचा कि मधुर व्यवहार से बढ़कर शत्रु को जीतने वाला और कोई हथियार इस पृथ्वी पर नहीं है। उसने सर्प के साथ मधुर व्यवहार करके उसका मन बदल देने का निश्चय किया। शाम होते ही राजा ने उस पेड़ की जड़ से लेकर अपनी शय्या तक फूलों का बिछौना बिछवा दिया, सुगन्धित जलों का छिड़काव करवाया, मीठे दूध के कटोरे जगह जगह रखवा दिये और सेवकों से कह दिया कि रात को जब सर्प निकले तो कोई उसे किसी प्रकार कष्ट पहुंचाने की कोशिश न करें। राजा के पलंग तक जाने तक सांप का निश्चय पूरी तरह से बदल दिया। उधर समय से कुछ देर बाद सांप राजा के शयन कक्ष में पहुंचा। सांप ने राजा से कहा, राजन! मैं तुम्हें काटकर अपने पूर्व जन्म का बदला चुकाने आया था, परन्तु तुम्हारे सौजन्य और सद्व्यवहार ने मुझे परास्त कर दिया। अब मैं तुम्हारा शत्रु नहीं मित्र हूं। मित्रता के उपहार स्वरूप अपनी बहुमूल्य मणि मैं तुम्हें दे रहा हूं।

अंतर्मन

आज की पाती

भीषण गर्मी का प्रकोप, तपते शहर

उत्तर भारत से लेकर पश्चिम और मध्य भारत तक इन दिनों गर्मी ने अपना विकराल रूप दिखाना शुरू कर दिया है। तापमान लगातार नए रिकॉर्ड की ओर बढ़ रहा है और आम जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हो रहा है। सड़कों पर निकलना मुश्किल हो गया है, हवा में तपिश घुली हुई है और दोपहर का समय तो जैसे आग उगलता प्रतीत होता है। हालात ऐसे हैं कि लोग जरूरी कामों के अलावा घर से बाहर निकलने से बच रहे हैं। जो निकल भी रहे हैं, वे छाता, गमछा या कपड़े से खुद को ढककर ही बाहर कदम रख रहे हैं। बच्चे, बुजुर्ग और मजदूर वर्ग इस भीषण गर्मी की सबसे ज्यादा मार झेल रहे हैं। मौसम विभाग के अनुसार यह तापमान सामान्य से कई डिग्री अधिक है, जिससे गर्मी की तीव्रता और भी अधिक महसूस हो रही है। *– कांतिलाल मांडोत, सूरत*

X ट्रेंड

कांग्रेस का असली चेहरा

जब कांग्रेस पार्टी मुद्दों पर घिर जाती है, तो उसके नेताओं की भाषा उनका असली चेहरा उजागर कर देती है। प्रधानमंत्री के विरुद्ध अपशब्दों का प्रयोग यह दर्शाता है कि विपक्ष के पास न कोई नीति है, न संकल्प।
- शिवराज सिंह चौहान, कृषिमंत्री

मासूम की जागरूकता

एक आठ वर्षीय मासूम बच्ची की जागरूकता ने 1098 पर एक कॉल करके बाल विवाह को रोक दिया और एक बच्ची का बचपन बचा लिया। एक सही कदम बड़ा बदलाव ला सकता है। बाल विवाह एक अपराध है: सतर्क रहें, 1098 का उपयोग करें।
-अन्नपूर्णा देवी, केंद्रीय महिला विकास मंत्री

'मुन्ना' का निधन दुःखद

उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पूर्व अध्यक्ष अरुण कुमार सिंह 'मुन्ना' के निधन की खबर अत्यंत दु:खद है। उन्होंने अपना पूरा जीवन जनसेवा और कांग्रेस पार्टी के मूल्यों के लिए समर्पित कर दिया। दुख की इस घड़ी में, मेरी गहरी संवेदनाएं उनके परिवार और समर्थकों के साथ हैं।
-राहुल गांधी, सांसद, कांग्रेस

ममता को भय का सहारा

एनडीए 20 राज्यों में सत्ता में है, लेकिन कहीं भी किसी के बोलने, खाने या पूजा करने पर प्रतिबंध नहीं है। ममता बनर्जी पिछले 15 वर्षों में कोई उपलब्धि हासिल नहीं कर पाई हैं, इसलिए वे भय, भ्रम और अफवाहें फैलाने का सहारा ले रही हैं।
-अनुराग ठाकुर, सांसद, भाजपा

रॉयल पत्रिका

करंट अफेयर

घर के आंगन में उतरा हॉट बलून, 13 लोग थे सवार

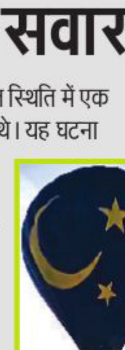

दक्षिणी कैलिफोर्निया में एक हॉट एयर बलून को आपात स्थिति में एक घर के परिसर में उतारना पड़ा, जिसमें 13 लोग सवार थे। यह घटना शनिवार को हुई जब एक विशाल हॉट एयर बलून, जिसमें पायलट और यात्री सवार थे, टेमेकुला के एक घर की संकरी घास वाली पट्टी पर बिल्कुल सही तरीके से उतारा गया। घर के मालिक हंटर पेरिन के मुताबिक उन्हें इन मेहमानों के आने की सूचना तब मिली जब एक पड़ोसी ने इसकी जानकारी दी। पेरिन ने 'केएबीसी–टीवी' को बताया, मैंने स्लाइडिंग कांच का दरवाजा खोला और पाया कि मेरे घर के आंगन में 13 लोगों से भरी एक टोकरी है! उसने कहा, पायलट बहुत माहिर था। बलून न तो किसी चीज से टकराया, न ही कोई घायल हुआ। ब्रियाना अवालोस, जो अपने पति के साथ शादी की दसवीं सालगिरह मनाने के लिए बलून पर सवार हुई थीं, ने बताया कि पायलट ने यात्रियों को सूचित किया कि कम ईंधन और कमजोर हवाओं के कारण उसे आपातकालीन लैंडिंग करनी पड़ेगी।

ऑफ बीट

रात में पसीना आने के कई कारण हो सकते हैं

पसीना आना शरीर की शीतलन प्रणाली का एक सामान्य हिस्सा है, जो गर्मी छोड़ने और शरीर के इष्टतम तापमान को बनाए रखने में मदद करता है। लेकिन नियमित रूप से रात में जागना, अत्यधिक पसीने से भीगना सही नहीं है। मस्तिष्क में स्थित हाइपोथैलेमस, अंत:स्रावी तंत्र का हिस्सा है और शरीर के लिए तापमान नियंत्रण केंद्र है। इसमें तापमान सेंसर होते हैं जो केंद्रीय रूप से (अंगों में) और परिधीय रूप से त्वचा में स्थित तंत्रिका कोशिकाओं (थर्मोरिसेप्टर्स) से जानकारी प्राप्त करते हैं। थर्मोरिसेप्टर्स शरीर के तापमान में बदलाव का पता लगाते हैं, हाइपोथैलेमस को वापस संकेत भेजते हैं। ये संकेत या तो शरीर को ठंडा करने के लिए पसीने को सक्रिय करेंगे या शरीर को गर्म करने के लिए कंपकंपी को सक्रिय करेंगे। उम्र या लिंग कोई भी हो, किसी को भी रात में पसीना आने का अनुभव हो सकता है। लेकिन पुरुषों की तुलना में महिलाओं को रात में पसीना अधिक आता है, इसका मुख्य कारण रजोनिवृत्ति और संबंधित बदलते हार्मोन स्तर हैं। ऐसा माना जाता है कि एस्ट्रोजन के स्तर में बदलाव से नॉरपेनेफ्रिन और सेरोटोनिन के स्तर पर प्रभाव पड़ता है।

हमारी सरकार सैनिक कल्याण के लिए प्रतिबद्ध- भजनलाल शर्मा

- मुख्यमंत्री ने लेफ्टिनेंट जनरल सगत सिंह राठौड़ की मूर्ति का किया अनावरण

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राजस्थान वीरों एवं रणबांकुरों की धरती है। यहां के सपूतों ने अनेक युद्धों में वीरता एवं शौर्य का परिचय दिया है। उन्होंने लेफ्टिनेंट जनरल सगत सिंह राठौड़ को नमन करते हुए कहा कि वीर भूमि के इस सपूत ने मातृभूमि की रक्षा के लिए अपना सर्वस्व समर्पण कर साहस का अप्रतिम उदाहरण पेश किया। उन्होंने कहा कि इन युगपुरूषों से युवाओं को दिशा मिलती है तथा इनकी शौर्य गाथाएं आने वाली पीढ़ियों को प्रेरणा देने का काम करेंगी। शर्मा बुधवार को चूरू में आयोजित लेफ्टिनेंट जनरल सगत सिंह राठौड़ के मूर्ति अनावरण एवं 'शौर्य के साथ संकल्प दिवस' कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि लेफ्टिनेंट जनरल सगत सिंह ने 19 साल की उम्र में बीकानेर रियासत की सेना में सैन्य जीवन से शुरूआत की। उन्होंने भारत के पहले हेलीकॉप्टर सैन्य अभियान सहित कई सफल नवाचार भी किए। भारत-चीन युद्ध और बांग्लादेश मुक्त करने के संघर्ष में उनका योगदान युवाओं को साहस और युद्ध कौशल की प्रेरणा देता है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने पद्म भूषण और परम विशिष्ट सेवा मेडल से सम्मानित लेफ्टिनेंट जनरल सगत सिंह राठौड़ के सम्मान में चूरू स्टेडियम का नाम सगत सिंह राठौड़ स्टेडियम किया है।

सैनिक कल्याण के लिए निरन्तर हो रहे कार्य

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार सैनिक कल्याण के लिए सजग होकर निरन्तर कार्य कर रही है। डीडवाना-कुचामन में राजस्थान के पहले एकीकृत सैनिक कल्याण परिसर की स्थापना की तथा नवीन जिला सैनिक कल्याण कार्यालय खोले जा रहे हैं। साथ ही, आरटीडीसी के सभी होटलों और गेस्ट हाउसों में वीरांगनाओं को 50 प्रतिशत और सेवारत एवं पूर्व सैनिकों को 25 प्रतिशत की छूट का प्रावधान किया गया है। उन्होंने कहा कि विभिन्न विभागों में राजस्थान एक्स सर्विसमेन कॉर्पोरेशन के जरिए कार्यरत पूर्व सैनिकों के मानदेय वृद्धि, द्वितीय विश्व युद्ध के पूर्व सैनिकों को मिलने वाली पेंशन में बढ़ोतरी, पुलिस, जेल गार्ड, अग्निशमन सहित कई सेवाओं में अग्निवीरों के लिए आरक्षण सहित विभिन्न कदम सैनिक हित में उठाए गए हैं।

प्रधानमंत्री ने मेक इन इंडिया से सेना के आधुनिकीकरण पर दिया बल

मुख्यमंत्री ने कहा कि राजनीतिक स्वार्थ के कारण सेना के बलिदान की अनदेखी कर वन रैंक वन पेंशन को दशकों तक लटकाए रखा गया। यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इसे लागू कर भूतपूर्व सैनिकों को सम्मान दिया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में मेक इन इंडिया के माध्यम से सेना के आधुनिकीकरण पर बल दिए जाने से भारतीय सेना का विश्व में मान बढ़ा है। प्रधानमंत्री ने युवाओं को विकास से जोड़ा और सशस्त्र बलों की अनुशासित कार्यवाही से नक्सलवाद की समस्या का समाधान हो गया है। शर्मा ने कहा कि हमारी डबल इंजन की सरकार पिछले सवा दो साल में प्रदेश के विकास का रोडमैप बनाकर काम कर रही है। संकल्प पत्र के 74 प्रतिशत वादे पूरे कर लिए गए हैं तथा संकल्प पत्र में किए गए सभी वादों को पूरा किया जाएगा। उन्होंने कहा कि पानी की उपलब्धता बढ़ाने के लिए ईआरसीपी, यमुना जल समझौता, इंदिरा गांधी नहर, देवास, माही, ब्राह्मणी सहित विभिन्न परियोजनाओं पर भी तेजी से कार्य किया जा रहा है। यमुना जल समझौते से शेखावाटी को पर्याप्त मात्रा में जल की आपूर्ति होगी जो इस क्षेत्र की तस्वीर और तकदीर बदल देगी। उन्होंने पूर्व विधायक राजेन्द्र राठौड़ को जन्मदिवस की बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि लेफ्टिनेंट जनरल सगत सिंह राठौड़ ने भारत-चीन युद्ध में अदम्य शौर्य, वीरता एवं अदम्य साहस दिखाया। शेखावाटी की धरती पर पैदा हुए इस अजेय योद्धा ने देश की सेवा का संकल्प लिया। इन्होंने गोवा मुक्ति संग्राम में भी योगदान दिया। उन्होंने कहा कि लेफ्टिनेंट जनरल की प्रतिमा अनावरण से नौजवानों को नई दिशा मिलेगी एवं आगामी पीढ़ी इससे प्रेरणा लेकर राष्ट्र निर्माण में अहम भूमिका निभाएगी। सिक्किम के राज्यपाल ओम माथुर ने लेफ्टिनेंट जनरल सगत सिंह राठौड़ के बलिदान एवं साहस का जिक्र करते हुए कहा कि भारत-चीन युद्ध में नाथूला बॉर्डर पर उन्होंने दुश्मनों से डटकर मुकाबला किया। उन्होंने आजाद भारत की सेना में विभिन्न पदों पर अपना कौशल सिद्ध किया। चूरू में जन्मे सिंह का जीवन हम सभी के लिए प्रेरणा का स्रोत है। उन्होंने कहा कि उनके साहसिक सैन्य अभियान के कारण सिक्किम की जनता 11 सितम्बर को नाथूला विजय दिवस मनाती है। इस दौरान मुख्यमंत्री ने लेफ्टिनेंट जनरल सगत सिंह राठौड़ के मूर्ति अनावरण एवं उनकी जीवनी पर आधारित शिलापट का अवलोकन किया। उन्होंने वॉर मेमोरियल का उद्घाटन भी किया।

राजस्थान में वसुंधरा राजे के नाम से फर्जी पत्र वायरल, तीन कांग्रेस कार्यकर्ता गिरफ्तार

जयपुर। राजस्थान में राजनीतिक हलचल उस समय तेज हो गई जब पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे के नाम से एक फर्जी पत्र सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। इस मामले में पुलिस ने कार्रवाई करते हुए तीन लोगों को गिरफ्तार किया है, जिन्हें कांग्रेस की आईटी सेल से जुड़ा बताया जा रहा है। जानकारी के अनुसार, 18 अप्रैल को यह फर्जी पत्र वायरल हुआ था, जिसमें दावा किया गया था कि यह पत्र राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (RSS) प्रमुख मोहन भागवत के नाम लिखा गया है। पत्र सामने आने के बाद राजनीतिक माहौल गर्म हो गया और इसे लेकर भाजपा और कांग्रेस के बीच आरोप-प्रत्यारोप शुरू हो गए। मामले के तूल पकड़ने के बाद वसुंधरा राजे ने खुद सोशल मीडिया पर पोस्ट कर स्पष्ट किया कि यह पत्र पूरी तरह फर्जी है। इसके बाद पुलिस ने जांच शुरू की और मामला ज्योति नगर थाना में दर्ज किया गया। पुलिस ने इस मामले में तीन आरोपियों—निखिल, बिलाल और ईनाम—को गिरफ्तार किया है। आरोप है कि ये तीनों कांग्रेस आईटी सेल से जुड़े हुए हैं और फर्जी पत्र को सोशल मीडिया पर वायरल करने में उनकी भूमिका सामने आई है। गिरफ्तारी के बाद तीनों को जयपुर लाया गया है, जहां उनसे गहन पूछताछ की जा रही है। भाजपा ने इस पूरे मामले को गंभीर बताते हुए जांच की मांग की है। प्रदेश भाजपा प्रभारी राधा मोहन दास अग्रवाल ने कहा कि पार्टी इस मामले की तह तक जाएगी और यह पता लगाएगी कि आखिर यह पत्र किसके इशारे पर वायरल किया गया। वहीं, कांग्रेस की ओर से मध्य प्रदेश प्रभारी हरीश चौधरी ने आरोपों को राजनीतिक साजिश बताया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के आईटी सेल कार्यकर्ताओं को फंसाया जा रहा है और पार्टी इस गिरफ्तारी को अदालत में चुनौती देगी। चौधरी ने यह भी दावा किया कि भाजपा के भीतर चल रही अंदरूनी राजनीति का जल्द खुलासा किया जाएगा। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है और यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि फर्जी पत्र बनाने और फैलाने के पीछे असली साजिश क्या थी।

गहलोत का BJP सरकार पर हमला, रिफाइनरी हादसे से महिला आरक्षण तक उठाए कई सवाल

जयपुर। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने मंगलवार (21 अप्रैल) को जयपुर में प्रेस वार्ता कर भारतीय जनता पार्टी सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार जनता के मुद्दों पर ध्यान देने के बजाय केवल बयानबाजी कर रही है। गहलोत ने सबसे पहले पचपदरा रिफाइनरी में आग लगने की घटना का जिक्र करते हुए कहा कि नई रिफाइनरी में ऐसी घटना सामान्य नहीं है। उन्होंने आशंका जताई कि या तो सुरक्षा मानकों में चूक हुई है या फिर काम जल्दबाजी में पूरा करने का दबाव था। उन्होंने कहा कि सियासी कारणों से जल्दबाजी दिखाने की कोशिश ने इस तरह की स्थिति पैदा की है। पूर्व मुख्यमंत्री ने अपनी "इंतजार शास्त्र" सीरीज का हवाला देते हुए सरकार की कार्यशैली पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि सरकार यह स्पष्ट नहीं कर पा रही है कि लंबित प्रोजेक्ट कब पूरे होंगे। उन्होंने PHED विभाग में करीब 4500 करोड़ रुपये के भुगतान अटकने का मुद्दा उठाते हुए कहा कि ठेकेदार अब "काम नहीं तो भुगतान नहीं" की चेतावनी दे रहे हैं, जिससे हालात गंभीर हो सकते हैं। गहलोत ने RGHS योजना की स्थिति पर भी सवाल उठाए और आरोप लगाया कि सरकार इसे सही ढंग से लागू नहीं कर रही, जिससे पेंशनर्स और मेडिकल स्टोर्स परेशान हैं। उन्होंने किसानों के मुद्दे पर कहा कि किसान इस समय दबाव में हैं और पिछली कांग्रेस सरकार की तरह कर्जमाफी की जरूरत है। साथ ही मुख्यमंत्री के बयान को उन्होंने किसानों का अपमान बताया।महिला आरक्षण कानून को लेकर गहलोत ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी जनता में भ्रम फैला रही है, जबकि यह कानून पहले ही 2023 में पास हो चुका है और मामला परिसीमन से जुड़ा है। पंचायत और निकाय चुनावों में देरी को उन्होंने संविधान के खिलाफ बताया। आदर्श क्रेडिट घोटाले पर भी गहलोत ने सरकार पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि मामले में कार्रवाई नहीं हो रही और सरकार की भूमिका संदिग्ध है। उन्होंने कहा कि सरकार को राजनीति से ऊपर उठकर जनता के मुद्दों पर जवाब देना चाहिए।

कौशल शिक्षा का उपयोग राष्ट्र के सर्वांगीण विकास के लिए होना चाहिए- राज्यपाल

-विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय का द्वितीय दीक्षांत समारोह आयोजित

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने कहा कि कौशल शिक्षा का उपयोग राष्ट्र के सर्वांगीण विकास के लिए होना चाहिए। उन्होंने कहा कि जिसके पास अच्छा कौशल है, उसे सभी स्थानों पर काम मिलता है। वह कभी भूखा नहीं रहता। उन्होंने कौशल शिक्षा के साथ विश्वविद्यालयों में नैतिक शिक्षा को बढ़ावा दिए जाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि नैतिक मूल्यों की शिक्षा से भौतिक विकास की गुणवत्ता में वृद्धि होती है। राज्यपाल बागडे बुधवार को विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय के द्वितीय दीक्षांत समारोह में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने विश्वविद्यालय द्वारा प्रति वर्ष दीक्षांत समारोह आवश्यक रूप से किए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि दीक्षांत समारोह भले ही छोटे स्तर पर ही हो, परंतु नियमित होना चाहिए। जो विद्यार्थी विश्वविद्यालय में पढ़ते हैं, उन्हें समय पर डिग्री मिलनी चाहिए। इससे उन्हें दिशा मिलती है। बागडे ने कहा कि प्रतिभाशाली राष्ट्र के लिए कौशल विकास के साथ विद्यार्थियों को नैतिकता का पाठ भी पढ़ाया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि बच्चों की बौद्धिक क्षमता बढ़ाने के साथ उन्हें नकल करने की प्रवृत्ति से रोके जाने की शिक्षा दी जाए। उन्होंने इसके लिए शिक्षकों को स्वयं को अपडेट रखते हुए शिक्षा का प्रभावी विकास करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि नई शिक्षा नीति में अच्छा नागरिक बनाने के साथ आदर्श आचरण पर विशेष जोर दिया गया है। बागडे ने कहा कि 2 फरवरी 1835 में लॉर्ड मैकाले ने जो उद्बोधन दिया, उसमें कहा था कि भारत को अब और अधिक गुलाम नहीं रखा जा सकेगा। उन्हें यदि गुलाम रखना है तो उनकी शिक्षा पद्धति बदलनी होगी। अंग्रेजों ने यही किया। इसी से देश लंबे समय तक गुलाम था। राज्यपाल ने कहा कि आजादी से पहले देश में आठ लाख से अधिक गुरुकुल थे। इनमें सभी तरह की शिक्षा दी जाती थी। अंग्रेजों ने भारत की इस शिक्षा को बदल कर गुलाम मानसिकता की शिक्षा प्रदान की। राज्यपाल ने कहा कि आजादी मिली तब आचार्य विनोबा भावे ने कहा था कि जिस तरह से यूनियन जैक बदलकर तिरंगा किया गया, वैसे ही देश की शिक्षा पद्धति बदली जानी चाहिए थी पर ऐसा नहीं हुआ। आजादी के बाद अब "नई शिक्षा नीति 2020" पूरी तरह से भारतीय परिपेक्ष्य में बनी है। इसमें विद्यार्थियों की बौद्धिक क्षमता बढ़ाए जाने के साथ उनके सर्वांगीण विकास पर ध्यान दिया गया है। बागडे ने विश्वकर्मा को देवताओं के शिल्पकार बताते हुए कहा कि वह ब्रह्मांड के प्रथम इंजीनियर थे। उन्होंने एम. विश्वेश्वरैया को याद करते हुए उनके अभियांत्रिकी कौशल और समय पाबंदी से सीख लेने का आह्वान किया। उद्योग एवं वाणिज्य, युवा मामले एवं खेल विभाग मंत्री कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने कहा कि जो कुछ विद्यार्थी सीखे उसका दायरा सीमित नहीं रखें। उन्होंने विद्यार्थियों को सृजनात्मक रहने, निरंतर दूसरों से सीखते हुए अपने कौशल से दुनिया को बदलने, विकसित किए जाने का आह्वान किया। उन्होंने पीयूष पांडे की चर्चा करते हुए कहा कि वह जीवन में जो देखते उसे याद रखते बेहतरीन रचते थे। उन्होंने युवाओं को अपने लक्ष्य उच्च रखने और हमेशा अपने आपको आगे रखने पर जोर देते हुए कहा कि रचनात्मकता की कोई सीमा नहीं है। दुनिया में क्या हो रहा है, इसकी जानकारी रखें और उसके अनुकूल अपने आपको ढालते हुए युवाओं को सफलता के मुकाम छूने का प्रयास करें। विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. देवस्वरूप ने सभी का स्वागत करते हुए विश्वविद्यालय द्वारा कौशल विकास के लिए किए जा रहे कार्यों के बारे में जानकारी दी। इससे पहले विश्वविद्यालय के बारे में फिल्म का भी प्रदर्शन किया गया। राज्यपाल ने इससे पहले विद्यार्थियों को डिग्री और पदक प्रदान किए।

जयपुर में अतिक्रमण पर कार्रवाई, 2 केन्टर सामान जब्त

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। नगर निगम जयपुर आयुक्त ओम कसेरा के निर्देषानुसार एवं पूर्व से प्राप्त शिकायतों पर उपायुक्त सतर्कता के नेतृत्व में बुधवार को सतर्कता शाखा की द्वारा नगर निगम जयपुर क्षेत्राधिकार में विद्याधर नगर, गांधी नगर रेलवे स्टेशन गेट नं. 01 एवं मोती डूंगरी गणेश मन्दिर से अस्थाई अतिक्रमण करने वालों के विरुद्ध कार्रवाई करते हुये 02 केन्टर सामान जब्त किया गया। उपायुक्त सतर्कता ने बताया कि नगर निगम जयपुर क्षेत्राधिकार में विद्याधर नगर, गांधी नगर रेलवे स्टेशन गेट नं. 01 एवं मोती डूंगरी गणेश मन्दिर से अस्थाई अतिक्रमण हटवाया गया। उपरोक्त कार्यवाही के दौरान 02 केन्टर सामान जब्त कर गोदाम में भिजवाया गया दौरे के दौरान कार्यवाही सतर्कता टीम द्वारा मौके पर समझाइष करते हुए मौखिक पाबंद करवाया कि भविष्य में अस्थाई अतिक्रमण समय से हटा ले अन्यथा नगर निगम जयपुर के क्षेत्राधिकार में अवैध अतिक्रमण करने वालों के विरुद्ध भारी चालान या प्रभावी कार्रवाई अमल में लाई जायेगी।

जयपुर का The Indian Public Secondary School ने जीता नेशनल अवॉर्ड

- 4000 स्कूलों में बनाई खास पहचान, रिजल्ट 100% रहा

जयपुर । जयपुर के The Indian Public Secondary School, करबला रामगढ़ मोड़ ने शिक्षा के क्षेत्र में बड़ी उपलब्धि हासिल करते हुए नेशनल अवॉर्ड अपने नाम किया है। करीब चार हजार स्कूलों के बीच इस स्कूल ने बेहतरीन प्रदर्शन कर खास मुकाम हासिल किया। इस सम्मान के लिए स्कूल को दिल्ली बुलाया गया, जहां राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित किया गया। यह उपलब्धि पूरे क्षेत्र के लिए गर्व की बात है।

स्कूल की स्थापना और उद्देश्य

स्कूल की हेडमिस्ट्रेस काउसर के अनुसार, इस विद्यालय की शुरुआत साल 1999 में इस सोच के साथ की गई थी कि हर बच्चे को अच्छी और बेसिक शिक्षा मिले। शुरुआत से ही स्कूल ने क्वालिटी एजुकेशन पर ध्यान दिया और बच्चों को मजबूत नींव देने का काम किया, जिससे वे भविष्य में आगे बढ़ सकें।

टेक्नोलॉजी से बदलती पढ़ाई

विद्यालय में पढ़ाई को आसान और प्रभावी बनाने के लिए आधुनिक टेक्नोलॉजी का उपयोग किया जा रहा है। हर क्लासरूम में एलईडी और स्मार्ट टीवी लगाए गए हैं, जिससे बच्चे पढ़ाई को देख और समझकर सीखते हैं। इससे उनकी सोचने की क्षमता और क्रिएटिविटी में काफी सुधार हुआ है। नई शिक्षा नीति के तहत यह तरीका बच्चों के लिए फायदेमंद साबित हो रहा है।

रिजल्ट और छात्रों की सफलता

विद्यालय का परीक्षा परिणाम 100% रहा है, जो इसकी शिक्षा गुणवत्ता को दर्शाता है। वहीं, छात्रा अम्शा ने 94.67% अंक हासिल कर विद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त किया। इस सफलता से छात्रों का आत्मविश्वास बढ़ा है और अभिभावकों का भरोसा भी मजबूत हुआ है। स्कूल प्रबंधन का कहना है कि आगे भी इसी तरह बेहतर शिक्षा और सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी।

चिलचिलाती धूप में पैदल भ्रमण कर शिक्षा मंत्री ने परखी सफाई व्यवस्था

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। शिक्षा एवं पंचायती राज मंत्री मदन दिलावर बुधवार को श्रीगंगानगर जिले के दौरे पर रहे। इस दौरान उन्होंने विभिन्न ग्राम पंचायतों में गलियों का पैदल भ्रमण किया और भीषण गर्मी के बीच स्वयं सफाई व्यवस्था का जायजा लिया। मंत्री मदन दिलावर ने 3 एचएच राजकीय विद्यालय के औचक निरीक्षण के बाद अपनी कार छोड़कर गांव में मौजूद ग्रामीण महिला एवं पुरुषों से संवाद कर पंचायत द्वारा करवाई जा रही सफाई व्यवस्था की जानकारी ली। इस दौरान ग्रामीणों ने मंत्री को बताया कि ग्राम पंचायत स्तर पर नियमित रूप से सफाई नहीं करवाई जा रही है, जिससे गांव में गंदगी की स्थिति बनी हुई है। इस पर मंत्री ने नाराजगी जताते हुए संबंधित अधिकारियों को तुरंत सुधार के निर्देश दिए। इसके पश्चात शिक्षा मंत्री पंचायत समिति श्रीगंगानगर की ग्राम पंचायत गणेशगढ़ के गांव 22 एमएल पहुंचे। यहां उन्होंने स्थानीय महिलाओं से गांव में झाड़ू लगाने, कचरा संग्रहण एवं साफ-सफाई की व्यवस्थाओं के बारे में जानकारी प्राप्त की। मंत्री ने जिला परिषद अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि सफाई कार्य में किसी प्रकार की ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी और जिम्मेदार कार्मिकों के विरुद्ध आवश्यक कार्रवाई की जाए। दौरे के दौरान उन्होंने पंचायत एवं शिक्षा विभाग के अधिकारियों की बैठक लेकर विभिन्न व्यवस्थाओं की समीक्षा की तथा जनहित से जुड़े कार्यों को प्राथमिकता से पूर्ण करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर जिला परिषद के अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी हरिराम चौहान सहित मौजूद रहे।

24 घंटे में चोरी का खुलासा: कालवाड़ थाना पुलिस ने शातिर चोर को दबोचा

जयपुर। पुलिस थाना कालवाड़ (जयपुर पश्चिम) ने त्वरित कार्रवाई करते हुए चोरी के एक मामले का 24 घंटे के भीतर खुलासा कर शातिर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस उपायुक्त (पश्चिम) प्रशांत किरण ने बताया कि शहर में बढ़ती चोरी और नकबजनी की वारदातों पर अंकुश लगाने के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी के तहत अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त राजेश गुप्ता और सहायक पुलिस आयुक्त आलोक कुमार सैनी के सुपरविजन में थानाधिकारी सुरेश सिंह के नेतृत्व में एक विशेष टीम गठित की गई।

क्या था मामला

परिवादी हीरालाल यादव ने 21 अप्रैल 2026 को रिपोर्ट दर्ज करवाई कि उनकी हाथोज स्थित जे.के. मोटर्स सर्विस सेंटर पर एक अज्ञात व्यक्ति गाड़ी की जानकारी लेने के बहाने आया और मौका पाकर ऑफिस में रखे कपड़ों की जेब से 50 हजार रुपये नकद चोरी कर फरार हो गया।

ऐसे पकड़ा गया आरोपी

पुलिस टीम ने तुरंत सक्रियता दिखाते हुए सीसीटीवी फुटेज खंगाले और मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर आरोपी की पहचान कर उसे उसी दिन गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपी की पहचान सतवीर सिंह (34) निवासी बिराणा, सीकर (हाल निवास मुरलीपुरा, जयपुर) के रूप में हुई है।

शातिर अपराधी निकला आरोपी

पुलिस पूछताछ में सामने आया कि आरोपी नशे और जुए का आदी है और सुनसान जगहों पर बंद मकानों, दुकानों और वर्कशॉप को निशाना बनाता है। आरोपी के खिलाफ पहले भी चोरी के कई मामले दर्ज हैं। उसने सिरसी रोड, रेनवाल और जोबनेर क्षेत्र में वर्कशॉप से नकदी चोरी की वारदातें कबूल की हैं। फिलहाल पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है और चोरी की रकम बरामद करने के प्रयास जारी हैं। पुलिस की इस त्वरित कार्रवाई से क्षेत्र में सुरक्षा को लेकर भरोसा बढ़ा है।

जिला कलेक्टर की पहल से 34 RTE विद्यार्थियों को मिली राहत, पोदार वर्ल्ड स्कूल में हुआ पुन: प्रवेश

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। जिला कलेक्टर संदेश नायक ने बुधवार को सराहनीय पहल करते हुए ट्री हाउस स्कूल, श्यामनगर (सोडाला) के अचानक बंद हो जाने के कारण आरटीई योजना के अंतर्गत अध्ययनरत 34 विद्यार्थियों की पढ़ाई में अचानक आई बाधा को ध्यान में रखते हुए सभी विद्यार्थियों का प्रवेश चैरिटी के माध्यम से भामाशाह एवं समाजसेवी विनय चैरडिया द्वारा संचालित गैर-सरकारी पोदार वर्ल्ड स्कूल, कमला नेहरू नगर, जयपुर में कराया है। अतिरिक्त जिला कलक्टर (चतुर्थ) आशीष कुमार ने बताया कि इस त्वरित एवं अभिभावकों की इच्छा के अनुरूप किए गए समाधान से सभी अभिभावकों में अत्यंत खुशी का माहौल है। बच्चों की शिक्षा निरंतर जारी रहने से उन्हें बड़ी राहत मिली है। जिला कलेक्टर द्वारा भामाशाह एवं समाजसेवी विनय चैरडिया को उनके इस सराहनीय सहयोग के लिए कलेक्ट्रेट में आमंत्रित कर सम्मानित भी किया गया। सभी अभिभावकों ने इस अभिनव पहल के लिए जिला कलेक्टर, अतिरिक्त जिला कलक्टर (चतुर्थ), मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी मुकुल कविया, जिला शिक्षा अधिकारी माध्यमिक सूनिल कुमार सिंघल एवं समाजसेवी विनय चैरडिया के प्रति आभार व्यक्त किया है।

आवश्यक नम्बर

रॉयल पत्रिका

बिजली फॉल्ट के लिए

टोल फ्री नंबर	18001806507
वॉट्सएप नंबर	9414037085
कस्टमर केयर	2203000
आईवीआरएस	1912

कचरा गाड़ी के लिए

ग्रेटर	2747400
सीवरेज लीकेज	2607500
हेरिटेज	2607500
टोल फ्री नंबर	14420

पुलिस की मदद के लिए

साइबर क्राइम	1930/2360094
कंट्रोल रूम	2388435/36/37/38
ट्रैफिक कंट्रोल रूम	2565630
चाइल्ड हेल्पलाइन	1098
महिला हेल्पलाइन	1090
मुख्यमंत्री पोर्टल	181

पानी के लिए

जलदाय कार्यालय	2706624
फायर ब्रिगेड	2747400

मेडिकल इमरजेंसी के लिए

एंबुलेंस	102/108
एसएमएस इमरजेंसी	2518333
महिला चिकित्सालय	22610616
जनाना हॉस्पिटल	22378721
SDMH	22574189
SMS ब्लड बैंक	22518222
कल्याण ब्लड बैंक	22721771

घायल पशुओं के लिए

नगर निगम	2747400
बर्ड बाइक	9887345580
हेल्प इन सफरिंग	8107299711
जनमंच ट्रस्ट	7230055800
पशु चिकित्सालय	2747400

जनगणना प्रथम चरण फील्ड ट्रेनर्स का प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन

शब्बीर हुसैन

बारां (रॉयल पत्रिका) । जनगणना 2027 के पहले चरण मकान सूचीकरण व मकानों की गणना के लिए प्रमुख जनगणना अधिकारी एवं जिला कलक्टर भंवरलाल जनागल की अध्यक्षता में जिला स्तर पर फील्ड ट्रेनर्स का तीन दिवसीय कार्यक्रम 16 से 18 अप्रैल एवं 20 से 22 अप्रैल 2026 का कार्यालय उप जिला जनगणना अधिकारी एवं उप निदेशक आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग में समापन हुआ। जिला कलक्टर जनागल के निर्देशन में जनगणना कार्य निदेशालय से नियुक्त मास्टर ट्रेनर्स विश्वनाथ प्रताप गुर्जर एवं संदीप बुगालिया ने सभी फील्ड ट्रेनर्स को प्रशिक्षित किया। मास्टर ट्रेनर्स ने प्रशिक्षणार्थियों को डिजिटल जनगणना के संपूर्ण प्रबंधन और नियंत्रण के लिए सीएमएमएस पोर्टल, मकान सूचीकरण एवं मकान गणना के लिए एचएलओ एप एवं आम नागरिकों के लिए स्व गणना की सुविधा के लिए समर्पित वेब पोर्टल, मकानों की गणना के प्रपत्रों को सही से भरने तकनीकी एवं डिजिटल उपकरणों के उपयोग और फील्ड में आने वाली व्यवहारिक चुनौतियों के समाधान के बारे में विस्तार से जानकारी दी। जिला कलक्टर ने सभी फील्ड ट्रेनर्स को निर्देशित करते हुए कहा कि प्रशिक्षण के दौरान प्राप्त निर्देशों का पूर्णतः पालन करने एवं अपना शत-प्रतिशत देकर कार्य करें। अधिक से अधिक संख्या में अधिकारी, कर्मचारी एवं आमजन को स्वगणना के लिए प्रेरित एवं

जागरूक करें। जनागल द्वारा प्रशिक्षणार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि भारत की जनगणना केवल प्रशासनिक दायित्व नहीं है यह राष्ट्र निर्माण की वह आधारशिला है, जिस पर भविष्य की विकास योजनाएं, सामाजिक न्याय की नीतियां एवं संसाधनों का न्यायसंगत वितरण आधारित होता है। जनगणना 2027 देश की प्रथम पूर्णतः डिजिटल जनगणना के रूप में हमें एक ऐतिहासिक अवसर प्रदान करती है कि हम इसे जन सहभागिता के सर्वोच्च स्तर तक ले जाए। बारां जिले जैसे गतिशील एवं अग्रणी जिले में यह अपेक्षित है प्रत्येक नागरिक स्वयं को इस राष्ट्रीय कर्तव्य का सक्रिय भागीदार अनुभव करें। प्रशिक्षण कार्यक्रम में उप जिला जनगणना अधिकारी रामप्रसाद बैरवा एवं जनगणना कार्य निदेशालय द्वारा नियुक्त जिला समन्वयक निशा मीणा, जिले के मास्टर ट्रेनर्स बुगालिया एवं गुर्जर तथा जिला स्तर पर जनगणना कार्य संपादन के लिए नियुक्त जितेन्द्र कुमार मीणा, मधुसूदन बलाई एवं जिला जनगणना सेल के कार्मिक एवं प्रशिक्षणार्थी उपस्थित रहे।

गुजरात दौरे के दौरान इंजीनियर इंसाफ अली आज़ाद द्वारा कॉरपोरेटर चुनाव हेतु मुख्य चुनाव कार्यालय का उद्घाटन

बनासकांठा/डीसा (रॉयल पत्रिका) । सुप्रीम कोर्ट के अधिवक्ता, अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (AICC) के राष्ट्रीय संयोजक एवं अनुशासनात्मक समिति के सदस्य तथा गुजरात प्रदेश के प्रभारी इंजीनियर इंसाफ अली आज़ाद के निजी सचिव द्वारा 22 अप्रैल 2026 को एक प्रेस विज्ञप्ति जारी कर अवगत कराया गया कि इंजीनियर इंसाफ अली आज़ाद द्वारा गुजरात दौरे के अंतर्गत आगामी म्युनिसिपल चुनाव के मद्देनज़र कॉरपोरेटर चुनाव हेतु मुख्य चुनाव कार्यालय का विधिवत उद्घाटन किया गया। यह उद्घाटन कार्यक्रम गुजरात प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अल्पसंख्यक विभाग के प्रदेश अध्यक्ष वजीर खान पठान के संयोजन में आयोजित हुआ। कार्यक्रम में नासिर खान पठान, रियाज खान लोहानी, जाकिर चौहान, हारून दाईमा, शम्शु भाई दुक्का, नजीर खान, प्रकाश, विप्लव, सुरेश पटेल एवं इमरान सहित गुजरात प्रदेश कांग्रेस कमेटी अल्पसंख्यक विभाग के समस्त पदाधिकारी उपस्थित रहे। साथ ही बनासकांठा जिले के डीसा क्षेत्र के नगर पालिकाओं के कांग्रेस प्रत्याशी, वरिष्ठ पदाधिकारी, स्थानीय कार्यकर्ता, समाज के गणमान्य नागरिक एवं बड़ी संख्या में युवा साथियों की उल्लेखनीय उपस्थिति

रही। इस अवसर पर उपस्थित सभी जनों ने एकजुट होकर आगामी चुनाव में कांग्रेस पार्टी को मजबूती प्रदान करने तथा जनहित के मुद्दों को प्राथमिकता देने का संकल्प लिया। उद्घाटन के पश्चात कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए नेतृत्व द्वारा संगठन को और अधिक सशक्त बनाने, घर-घर तक पहुंचकर जनसमस्याओं को समझने तथा कांग्रेस की नीतियों एवं विचारधारा को आमजन तक पहुंचाने का आह्वान किया गया।

165 रोगियों की जांच कर 55 को ऑपरेशन के लिए चुना लायन्स क्लब का 32 वां नेत्र चिकित्सा शिविर

सुजानगढ़ (रॉयल पत्रिका)। लायन्स क्लब सुजानगढ़ एवं जिला अंधता निवारण समिति जयपुर के संयुक्त तत्वावधान में भामाशाह सीताराम मौसूण, पवन कुमार मौसूणके सहयोग से बुधवार को माहेश्वरी सेवा सदन में 32वां नेत्र चिकित्सा शिविर आयोजित किया गया। शिविर का शुभारंभ मुख्य अतिथि भामाशाह विनोद शर्मा, जोन चेयरपर्सन एमजेएफ लॉयन कमल तापड़िया, क्लब अध्यक्ष लॉयन प्रशांत पारीक, सचिव अशोक जाजू एवं शंकरा आई हॉस्पिटल की डॉ. आशना द्वारा दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। मुख्य अतिथि विनोद शर्मा ने लायन्स क्लब के सेवा प्रकल्पों की सराहना करते हुए कहा कि नेत्र चिकित्सा शिविरों के माध्यम से लोगों को पुनः दृष्टि प्रदान करना अत्यंत पुण्य का काम और मानवता की सच्ची सेवा है। कैंप के दौरान पीएलवी विजयपाल द्वारा विधिक

जागरूकता सत्र के माध्यम से लोगों को उपयोगी जानकारी दी। शिविर में मेडिकल टीम द्वारा 165 रोगियों की जांच की गई, जिनमें से 55 रोगियों का मोतियाबिंद ऑपरेशन हेतु चयन किया गया। साथ ही 11 नेत्रदान रजिस्ट्रेशन भी हुए। क्लब पारीक ने बताया कि शिविर में रोगियों को निःशुल्क दवाइयां एवं चश्मे वितरित किए गए। शिविर में एमजेएफ लॉयन कमल तापड़िया, देवेंद्र बेदी, मुरली राठी, संजय गोयल, रुपेश शर्मा, सुषमा मूंदड़ा, सुनीता रावतानी, सुनीता तापड़िया, चित्रा जगवानी, मोनिका सोनी सहित अनेक सदस्यों एवं सहयोगियों मोहम्मद अनवर मौलानी, गोपालचंद सोनी, गिरधारी प्रजापत, मालाराम प्रजापत, जावेद पलंबर, आदिल भाटी ने सेवाएं दी। माहेश्वरी सेवा सदन के महावीर शर्मा, पवन शर्मा, विकास एवं टीम ने भी सहयोग किया।

एन एस एस इकाइयों द्वारा विश्व पृथ्वी दिवस मनाया गया

बारां (रॉयल पत्रिका) । राजकीय महाविद्यालय बारां की एन एस एस इकाइयों द्वारा विश्व पृथ्वी दिवस के उपलक्ष में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। महाविद्यालय परिसर में वृक्षारोपण, पूर्व में लगाए गए पौधों की सार संभाल, साफ सफाई, प्लास्टिक मुक्त कैंपस के लिए शपथ इत्यादि कार्यक्रम आयोजित किए गए। साथ ही छात्र छात्राओं नें महाविद्यालय परिसर में जगह जगह परिंडे लगाए। प्राचार्य प्रोफेसर मुनेश चंद्र शर्मा ने कहा कि मानव जीवन के लिए पर्यावरण का स्वच्छ होना बेहद जरूरी है। एनएसएस प्रभारी प्रो सांवरा राम, चंदनमल, शुभांगी जैन ने विधार्थियों से पर्यावरण की देख़भाल के प्रति गंभीर होने का आह्वान किया । इस अवसर पर प्रोफेसर रामकेश मीणा, प्रो विवेक कुमार नागर, डॉ. खुशबू नियरता, प्रो. रामकुमार प्रोफेसर संकेत कुमार, डॉ. शमशाद अली, हंसराज, आदित्य कुमार, डॉ. रमन गुप्ता, रवींद्र बादल, केदार प्रसाद मीना महेश शर्मा इत्यादि उपस्थित रहे।

जिला कारागृह का निरीक्षण कर बंदियों को बेहतर सुविधाएं एवं विधिक सहायता उपलब्ध करवाने के दिए निर्देश

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जयपुर के निर्देशानुसार देवेंद्र दीक्षित, अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण (जिला एवं सेशन न्यायाधीश) सवाई माधोपुर द्वारा बुधवार को जिला कारागृह, सवाई माधोपुर का मासिक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण का उद्देश्य कारागृह में निरुद्ध बंदियों को उपलब्ध कराई जा रही मूलभूत सुविधाओं, विधिक सहायता, स्वास्थ्य सेवाओं संबंधी व्यवस्थाओं का जायजा लेना रहा। निरीक्षण के दौरान देवेन्द्र दीक्षित ने कारागृह परिसर के विभिन्न बैरकों, रसोईघर एवं प्रिजन लीगल एड क्लीनिक का अवलोकन किया। उन्होंने रसोईघर में तैयार भोजन की गुणवत्ता एवं पोषण स्तर की जांच की तथा बंदियों से भोजन एवं उन्हें उपलब्ध करवाई जा रही अन्य सुविधाओं के संबंध में फीडबैक प्राप्त किया। साथ ही पेयजल की उपलब्धता, रसोईघर एवं बैरकों की साफ-सफाई की स्थिति का भी निरीक्षण किया। चिकित्सा व्यवस्थाओं का अवलोकन करते हुए उन्होंने डॉक्टर मनोज गर्ग से बंदियों का नियमित स्वास्थ्य परीक्षण, दवाओं की उपलब्धता एवं गंभीर रूप से बीमार बंदियों के उपचार की व्यवस्था के बारे में जानकारी ली। उन्होंने निर्देश दिए कि सभी बंदियों का समय-समय पर स्वास्थ्य परीक्षण सुनिश्चित किया जाए तथा किसी भी प्रकार की

लापरवाही न बरती जाए। देवेन्द्र दीक्षित ने बंदियों से सीधे संवाद स्थापित कर उनकी समस्याओं, शिकायतों एवं आवश्यकताओं को गंभीरता से सुना। कई बंदियों ने अपने प्रकरणों में विधिक सहायता, पैरोल, जमानत एवं शीघ्र सुनवाई से संबंधित मुद्दे उठाएं, जिस पर उन्होंने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्यवाही हेतु निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि आर्थिक रूप से कमजोर एवं जरूरतमंद बंदियों को निःशुल्क विधिक सहायता उपलब्ध कराना जिला विधिक सेवा प्राधिकरण का प्रमुख उद्देश्य है। इस अवसर पर उन्होंने कारागृह में संचालित विधिक सहायता क्लीनिक की कार्यप्रणाली की समीक्षा की तथा चीफ एलएडीसी राधेश्याम जोगी एवं पीएलवी गिर्राज रैगर को निर्देश दिए कि वे नियमित रूप से बंदियों से संपर्क में रहकर उन्हें उनके विधिक अधिकारों, सरकारी योजनाओं, उपलब्ध सुविधाओं एवं न्यायिक प्रक्रिया के बारे में जागरूक करें। साथ ही बंदियों के आश्रितों एवं अपराध पीड़ितों को नालसा स्पृहा योजना 2025 के तहत उपलब्ध विधिक सलाह एवं सहायता के संबंध में भी जानकारी प्रदान करते हुए उनकी समस्याओं को सुनकर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के माध्यम से उनकी समस्याओं के निस्तारण के लिए प्रभावी कदम उठाएं। देवेन्द्र दीक्षित ने कारागृह प्रशासन को निर्देशित किया कि बंदियों के सुधार हेतु संचालित कौशल विकास, शिक्षा एवं अन्य रचनात्मक गतिविधियों को और अधिक प्रभावी बनाया जाए, ताकि बंदी समाज की मुख्यधारा में पुनः सम्मानपूर्वक शामिल हो सकें। इस अवसर पर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव समीक्षा गौतम, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट आशुतोष सिंह आढ़ा, जेलर ताराचंद शर्मा, नर्सिंग ऑफिसर अशोक मीणा आदि उपस्थित रहे।

बीमा क्लेम घोटाले में सीबीआई पहुंची सुजानगढ़, आरोपी सर्वेयर से की 6 घंटे तक पूछताछ

-न्यू इंडिया एश्योरेंस कंपनी में हुआ था 27.68 लाख का घोटाला

सुजानगढ़ (रॉयल पत्रिका)। बीमा क्लेम घोटाले के एक मामले में जोधपुर से आई सीबीआई की टीम ने मंगलवार को सुजानगढ़ के नया बास में एक मकान पर रेड पर आरोपी से पूछताछ की। शहर का प्रतीक चोटिया सीकर स्थित न्यू इंडिया एश्योरेंस कंपनी लिमिटेड (NI-ACL) के डिविजनल ऑफिस में हुए बड़े बीमा क्लेम आरोपी है। मामले को लेकर सीबीआई टीम ने प्रतीक चोटिया से करीब 6 घंटे तक पूछताछ की। टीम वहां मिले दस्तावेजों को सील कर अपने साथ ले गई। टीम ने डिप्टी एसपी उमाकांत शर्मा के नेतृत्व में कार्रवाई की। जानकारी के अनुसार CBI की एंटी करप्शन ब्रांच जयपुर को मिली शिकायत के आधार पर करीब 27.68 लाख रुपए की धोखाधड़ी का मामला दर्ज हुआ था। शुरुआती जांच में सामने आया कि वर्ष 2021 से 2022 के बीच NIACL सीकर के अधिकारियों और कर्मचारियों ने आपसी मिलीभगत से 13 मोटर

वाहन बीमा क्लेम नियमों के विपरीत पास किए। आरोप है कि ये क्लेम फर्जी व कूटरचित दस्तावेजों और चेक के आधार पर उन लोगों के पक्ष में स्वीकृत किए गए, जो वास्तविक बीमित नहीं थे। इस पूरे मामले में तत्कालीन सीनियर डिविजनल मैनेजर शंकरलाल कुलदीप, डिप्टी मैनेजर सीताराम मीणा, प्रशासनिक अधिकारी अजय ओलखा व शेष नारायण रैगर, मैनेजर शरवन मीणा, असिस्टेंट मैनेजर पूजा जांगिड़ व सीताराम दानोंदिया, सीनियर असिस्टेंट सादूराम कृष्ण सहित अन्य कर्मचारियों की भूमिका सामने आई है। इसके अलावा सुजानगढ़ के अधिकृत सर्वेयर प्रतीक चोटिया और चूरू स्थित श्री गंगा व्हीकल्स प्राइवेट लिमिटेड के वर्कशॉप इंचार्ज शक्ति सिंह पर भी मिलीभगत का आरोप है। CBI के अनुसार, इस घोटाले से कंपनी को 27,68,344 रुपए का नुकसान हुआ, जबकि आरोपियों को अनुचित लाभ पहुंचा। CBI अब पूरे नेटवर्क, फर्जी दस्तावेज तैयार करने वाले लोगों और इसमें शामिल अन्य संदिग्धों की भूमिका की भी जांच कर रही है।

जश्ने यौमे दरूदे पाक व उर्से-पाक ताजुश्शरिया मनाया गया

-शिक्षा के साथ अच्छे अख्लाक (व्यवहार) बहुत जरूरी

जोधपुर (रॉयल पत्रिका)। ग़ुलामाने ग़ौस वेलफेयर सोसाइटी, जोधपुर व ग़ुलामाने हुज़ूर मोईने मिल्लत, जोधपुर के ज़ेरे एहतमाम होने वाले जश्ने यौमे दरूदे पाक व उर्से-पाक ताजुश्शरिया जालोरी गेट ईदगाह में आयोजित हुआ। मोलाना हाफ़िज़ जावेद ने बताया कि जालोरी गेट ईदगाह में जश्ने यौमे दरूदे पाक व उर्से-पाक ताजुश्शरिया मनाया गया जिसमें जोधपुर में पहली बार बग़दाद से मुफ्ती अश्शाह सय्यद उमर सलीम हुसैनी रिफाई तशरीफ़ लाए। उन्होने तकरीर में आम जनता से अपील की, कि शिक्षा के साथ अच्छे अखलाक भी होने बहुत जरूरी है। इनके अलावा बड़ौदा से तशरीफ़ लाए सय्यद अमीरुद्दीन बाबा ने अपने ख़ुतिब में सय्यद उमर सलीम हुसैनी का परिचय कराया। मुफ्ती-ए-राजस्थान मुफ्ती शेर मुहम्मद ने भी सामाजिक कुरीतियों के निस्तारण पर ज़ोर दिया। मुल्क के अन्य उल्माए अहले सुन्नत व सादाते किराम भी शरीक हुए प्रोग्राम के बाद लंगर तकसीम किया गया। इस मौके पर सोसाइटी के सदस्य व गणमान्य लोगों में हाफ़िज़ मुहम्मद हुसैन, रिज़वान भाई, बब्बन भाई, इन्साफ भाई, मास्टर हसनैन अशरफ़ी, इमदाद भाई, आदिल भाई व अन्य कई गणमान्य लोग एवं आमजन मौजूद रहे।

भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा शौर्य दिवस एवं संकल्प दिवस पर सभा स्थल तक रैली लेकर पहुंचे

मोहम्मद अली पठान

चूरू (रॉयल पत्रिका)। पूर्व प्रतिपक्ष नेता राजेंद्र सिंह राठौड़ के जन्मदिवस को संकल्प दिवस के रूप में मनाया गया जिसमें भाजपा जिला अल्पसंख्या मोर्चा द्वारा मिठाई बांटी गई और दरगाह सैय्यद तौकीर हसन चिश्ती स्थित सैनिक बस्ती से भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के (जिला संयोजक) हाजी शरीफ सोलंकी की टीम लोक प्रिय पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र सिंह राठौड़ के जन्म दिवस के अवसर पर "कृषि उपज मंडी" चूरु में आयोजित होने वाले लेफ्टिनेंट जनरल सगत सिंह राठौड़ मूर्ति अनावरण साथ ही 'संकल्प दिवस' के रूप में एक भव्य सभा का समारोह के लिये रैली के रूप में रवाना हुए जहां पर

राजस्थान के मुख्यमंत्री, लोकसभा अध्यक्ष एवं सिक्किम के राज्यपाल मूर्ति अनावरण करेंगे एवं सभा को संबोधित करेंगे। इस अवसर पर भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा चूरू के जिला संयोजक हाजी शरीफ सोलंकी, गुलाम हुसैन सोलंकी जावेद, इदरिश, इस्लाम सोलंकी, शोएब हुसैन, मो. नदीम हुसैन, मो. याकूब चौहान, आबिद मंडावरिया, सलीम भाटी, अब्दुल खान, मो. रफीक सोलंकी, मुनियाद नाई, जमील निर्बान, अलताफ निर्बान, मुस्लिम खान, अख़्तर हुसैन, समीर तवर, इमरान भाई, मुस्लिम निर्बान, रमजान खान, यूसुफ, साहिल चौहान, आसिफ खान, सतार खान आदी ने भाग लिया ।

महवा में परशुराम जयंती पर धूमधाम से निकाली कलश व शोभायात्रा

-ब्राह्मण समाज की प्रतिभाओं का किया सम्मान

-विधायक राजेंद्र मीणा ने महवा मंडावर में परशुराम सर्किल महवा में ब्राह्मण धर्मशाला के लिए जमीन आवंटन कराने की की घोषणा

शफीक अली

महवा (रॉयल पत्रिका)। उपखंड मुख्यालय के तहसील रोड बदेही जी के मंदिर के समीप स्थित ब्राह्मण धर्मशाला से मुख्य बाजार होते हुए बुधवार को भगवान श्री परशुराम जी के जन्म उत्सव पर ब्राह्मण समाज के अध्यक्ष ताराचंद शर्मा के नेतृत्व में भगवान परशुराम की विशाल कलश व शोभायात्रा दर्जनो जीवंत झांकियां के साथ बैंड बाजो के साथ निकाली गई। गोपुत्र अवधेश अवस्थी ने बताया कि भगवान परशुराम जी के जन्मोत्सव पर बुधवार को महवा में भगवान परशुराम जी की विशाल शोभायात्रा कलश यात्रा प्रातः 9:00 बजे ब्राह्मण धर्मशाला बदेही जी के मंदिर के पास महुवा से भगवान परशुराम सहित भगवान शिव बारात भगवान कृष्ण सहित अन्य जीवंत झांकियां के साथ कलश यात्रा बैंड बाजा व दर्जनो जीवंत झांकियां के साथ प्रारंभ होकर तहसील रोड, हिंडौन रोड, थाने के सामने, बोहरा धर्मशाला, सब्जी मंडी, गणेश चौक, सर्राफा बाजार, झंडे के नीचे, जैन मंदिर, गोपीनाथ जी का मंदिर, होते हुए श्री कृष्ण गोपाल गौशाला पुरानी तहसील के समीप स्थित अग्रवाल धर्मशाला पहुंची इस दौरान कलश यात्रा व शोभा यात्रा का जगह-जगह महवा के दर्जनों सामाजिक संगठनों सहित लोगों ने पुष्प वर्षा के साथ पेयजल जलपान कराकर तोरण द्वार लगाकर भव्य स्वागत सत्कार किया। अग्रवाल धर्मशाला में आयोजित ब्राह्मण समाज के प्रतिभावान छात्र-छात्राओं सम्मान समारोह में पहुंचे विधायक राजेंद्र मीणा, नगर पालिका अधिशासी अधिकारी प्रमोद कुमार शर्मा, आरएएस अधिकारी मयंक गोङ, संत सरजू दास जी महाराज, कुंड वाला बाग रसीदपुर के संत धर्मेश्वर दास जी महाराज, पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष विजय शंकर बोहरा, महवा बार एसोसिएशन के अध्यक्ष घनश्याम अवस्थी, मंडावर ब्राह्मण समाज के अध्यक्ष संतोष शर्मा, सोलंगा ब्राह्मण समाज के अध्यक्ष ओमप्रकाश मुदगल, पावटा ब्राह्मण समाज के अध्यक्ष नंदकिशोर शर्मा सहित अन्य अतिथियों द्वारा भगवान परशुराम के समक्ष दीप प्रज्वलित कर पुष्प माला अर्पित कर कार्यक्रम

का शुभारंभ के साथ ब्राह्मण समाज की कक्षा 10 व 12 वीं कक्षा के प्रतिभावान छात्र-छात्राओं सहित ब्राह्मण समाज की प्रतिभाओं का सम्मान समारोह आयोजित किया गया जिस में कार्यक्रम के मुख्य अतिथि क्षेत्रीय विधायक राजेंद्र मीणा सहित अन्य अतिथियों की उपस्थिति में प्रतिभावान छात्र-छात्राओं व समाज की प्रतिभाओं को अतिथियों द्वारा पुष्प माला पहनाकर प्रमाण पत्र व स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर विधायक राजेंद्र मीणा ने कहा कि राजस्थान की सबसे बड़ी पंचायत विधानसभा में पहुंचाने में ब्राह्मण समाज का अमूल्य योगदान मुझे मिला है जिसका एहसान में जीवन भर नहीं भूल सकता इस दौरान ब्राह्मण समाज द्वारा समाज की धर्मशाला की मांग पर विधायक राजेंद्र मीणा ने कहा कि शीघ्र ही आप की मांग के अनुसार ब्राह्मण धर्मशाला के लिए जमीन आवंटन के लिए प्रक्रिया शुरू कर जमीन आवंटन कर धर्मशाला बनवाने में तन मन धन से सहयोग किया जाएगा वही विधायक राजेंद्र मीणा ने महवा और मंडावर में परशुराम सर्किल बनाने की घोषणा की जिस पर सभी ब्राह्मण समाज बंधुओ ने विधायक राजेंद्र मीणा का धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर समाजसेवी अजय बोहरा, पावटा सरपंच प्रतिनिधि मुकेश शर्मा, हडिया सरपंच प्रतिनिधि दिनेश पंडित, ब्राह्मण समाज महवा के अध्यक्ष ताराचंद शर्मा, मंडावर ब्राह्मण समाज युवा के अध्यक्ष अवधेश शर्मा, एडवोकेट सत्यनारायणशर्मा, रतन वकील, महेश शर्मा कंडक्टर, पंडित राधा कृष्ण भारद्वाज, विनोद शर्मा दिवली वाले, महेश आचार्य, हरिओम हाडली, जगदीश भारद्वाज, रमाकांत गुलपहाड़िया मंत्र, गौ पुत्र अवधेश अवस्थी, पं राधामोहन हुडला, नरेंद्र पाली, राजकुमार शर्मा शिव कैटर्स, कन्हैया शर्मा, हंडिया सरपंच प्रतिनिधि प्रवीण शर्मा, पंकज जोशी, लोकेश अवस्थी, भगवान सहाय तिवारी, विष्णु दत्त पाराशर, हरिओम दिक्षित, राजेश जैमिनी, प्रिंसिपल चन्द्र कान्त शर्मा, अवधेश शर्मा पाली, दयानंद शर्मा, प्रियांशु झाडोलिया, लक्षी राम शर्मा, बनवारी शुक्ला, भूपेंद्र शर्मा, चंद्रकांत उपाध्यक्ष, रमेश महेश गोपाल अवस्थी कमालपुर वाले, जीपी शर्मा, हरि ओम अवस्थी दुल्हेपुरा वाले, पूरण लखपति, संतोष मनोज डंडा वाले, गोलू शर्मा सहित ब्राह्मण समाज के हजारों गणमान्य समाज बंधु, माता बहने मौजूद रहे।

श्रीगंगानगर: शिक्षा एवं पंचायत राज मंत्री से भाजपा पदाधिकारियों की मुलाकात, क्षेत्रीय समस्याओं पर हुई चर्चा

विनोद सोखल

श्रीगंगानगर/बींझबायला (रॉयल पत्रिका)। श्रीगंगानगर में बुधवार को मदन दिलावर के आगमन पर भाजपा मंडल बींझबायला के अध्यक्ष प्रेम झटवाल, महामंत्री उग्रसेन भूकर एवं मंडल केसरीसिंहपुर अध्यक्ष जसप्रीत सिंह बाबू ने शिष्टाचार भेंट कर उनका स्वागत किया। इस दौरान भाजपा पदाधिकारियों ने करणपुर विधानसभा क्षेत्र की विभिन्न जनसमस्याओं से मंत्री को अवगत कराया। मंत्री दिलावर ने सभी मुद्दों को गंभीरता से सुना और समस्याओं के शीघ्र समाधान का आश्वासन दिया। मुलाकात के दौरान मंत्री ने क्षेत्र में शिक्षा एवं पंचायत राज विभाग की कार्यप्रणाली की भी जानकारी ली। उन्होंने पदाधिकारियों को निर्देश दिए कि वे जनसमस्याओं

के समाधान के लिए निरंतर प्रयासरत रहें और आमजन के बीच रहकर कार्य करें। भाजपा नेताओं ने क्षेत्र की समस्याओं को प्राथमिकता से सुनने और समाधान का भरोसा दिलाने पर मंत्री मदन दिलावर का आभार व्यक्त किया।

सूचना

समाचार पत्र में प्रकाशित लेखों में लेखक के अपने विचार हैं, इनसे संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र जयपुर होगा।

मोबाइल झपटा और तीन हजार में बेचा, झुंझुनू से पुलिस ने किया बरामद

-लोकेशन ट्रैकिंग और सतर्क सूचना से खुला मामला, आरोपी की तलाश जारी

सरदारशहर (रॉयल पत्रिका)। शहर के अर्जुन क्लब क्षेत्र में 17 मार्च की रात करीब 7:30 बजे वार्ड नं. 20 में बच्चे से मोबाइल छीनकर फरार हुए झपटमार के मामले में सरदारशहर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए चोरी हुआ मोबाइल बरामद कर लिया। तकनीकी जांच और लोकेशन ट्रैकिंग के आधार पर पुलिस ने झुंझुनू से मोबाइल रिकवर कर पीड़ित को वापस सौंप दिया। इस कार्रवाई से पुलिस की सतर्कता और प्रभावी कार्यशैली सामने आई है। जानकारी के अनुसार, एक अज्ञात युवक मोटरसाइकिल पर सवार होकर आया और घर के बाहर खड़े बच्चे से बातचीत करने के बहाने मोबाइल मांग लिया। जैसे ही मोबाइल उसके हाथ में आया, वह तुरंत मौके से फरार हो गया। घटना के बाद पीड़ित परिवार ने सरदारशहर थाने में शिकायत दर्ज करवाई। मामले को गंभीरता से लेते हुए पुलिस ने आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले, जिसमें आरोपी बच्चे के हाथ से मोबाइल लेकर भागता हुआ दिखाई दिया। जांच की जिम्मेदारी कांस्टेबल राकेश गोदारा को सौंपी गई। तकनीकी टीम की मदद से मोबाइल की लोकेशन ट्रैक की गई, जो झुंझुनू में मिली। कांस्टेबल राकेश गोदारा के अनुसार, आरोपी ने मोबाइल मात्र तीन हजार रुपये में एक व्यक्ति को बेच दिया था। संबंधित व्यक्ति ने पुलिस को बताया कि एक युवक उसके पास आया और पैसों की जरूरत बताते हुए मोबाइल तीन हजार रुपये में दे गया, जिस पर उसने पैसे दे दिए। इसी दौरान सुधेश सोनी के पास चोरी हुए मोबाइल में नई सिम डालने से संबंधित एक मैसेज प्राप्त हुआ। उन्होंने तत्परता दिखाते हुए तुरंत पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने झुंझुनू से मोबाइल बरामद कर लिया। बरामद मोबाइल को पुलिस ने सुधेश सोनी को थाने बुलाकर सौंप दिया है। वहीं आरोपी की पुलिस तलाश कर रही है और उससे जुड़े अन्य पहलुओं की जांच की जा रही है। पुलिस की सराहनीय भूमिका इस पूरे घटनाक्रम में सरदारशहर पुलिस, विशेष रूप से कांस्टेबल राकेश गोदारा की त्वरित कार्रवाई और तकनीकी सटीकता काबिले-तारीफ रही। समय रहते लोकेशन ट्रैक कर मोबाइल बरामद करना पुलिस की सक्रियता को दर्शाता है। स्थानीय लोगों ने भी पुलिस की इस कार्रवाई की सराहना की है।

तपती धूप में उमड़ा जनसैलाब: चूरू में 'शौर्य दिवस' पर सगत सिंह की प्रतिमा अनावरण, राजेंद्र राठौड़ हुए गदगद

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर वीरभूमि चूरू में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, सिक्किम के राज्यपाल ओम प्रकाश माथुर, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा , केन्द्रीय कृषि राज्य मंत्री भागीरथ चौधरी एवं राजस्थान सरकार में सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री अविनाश गहलोत की गरिमामयी उपस्थिति में आयोजित लेफ्टिनेंट जनरल सगत सिंह की मूर्ति अनावरण कार्यक्रम 'शौर्य दिवस' एवं संकल्प दिवस कार्यक्रम में चूरू परिवार के अपार स्नेह और आशीर्वाद के बीच सहभागी बना। मैं बेहद सौभाग्यशाली हूं कि वीरता और शौर्य के प्रतीक सगत सिंह की प्रतिमा अनावरण जैसे ऐतिहासिक क्षण का साक्षी बना हूं। भीषण गर्मी और तपती धूप के बावजूद उमड़े जनसमूह के अद्‌त उत्साह और अटूट हौसले ने आज के इस कार्यक्रम को ऐतिहासिक बना दिया है, इसके लिए आप सभी का हृदय से आभार। चूरू की पावन धरती से मेरा रिश्ता केवल राजनीति का नहीं बल्कि आत्मा का रिश्ता है। इसलिए मैं दिल से कहता हूँ - चूरू मेरा पहला प्यार है। चूरू परिवार का यह प्यार ही मेरी ताकत है, यही मेरी प्रेरणा है और यही मेरा संकल्प है कि मैं अंतिम सांस तक आपकी सेवा में समर्पित रहूंगा। कार्यक्रम के अवसर पर चूरू विधायक हरलाल सारण, डीग-कुम्हेर विधायक डॉ. शैलेश सिंह, चूरू लोकसभा भाजपा प्रत्याशी देवेन्द्र झाझड़िया, पूर्व केन्द्रीय मंत्री सुभाष महरिया, राजस्थान सरकार में पूर्व मंत्री राजकुमार रिणवां, भाजपा जिलाध्यक्ष बसंत शर्मा, भाजपा के पूर्व प्रदेशमंत्री वासुदेव चावला, गौरीशंकर एंड निर्मला अग्रवाल फाउंडेशन के ट्रस्टी गौरीशंकर मंडावेवाला, सगत सिंह के पुत्र कर्नल रणविजय सहित चूरू जिले की विधानसभाओं के भाजपा प्रत्याशी, पूर्व विधायकगण एवं विभिन्न जनप्रतिनिधि सहित हजारों की संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय चरला में भामाशाह ने भेंट किया वाटर कूलर

सुजानगढ़/चरला (रॉयल पत्रिका)। सुजानगढ़ निवासी स्व. दुर्गेश सिंह राठौड़ की स्मृति में उनकी माताजी श्रीमती लक्ष्मी कंवर, भाई राजेन्द्र सिंह तथा भाभीसा श्रीमती आशा राठौड़ प्रधानाचार्य MGGS 9न. सुजानगढ़ ने अपने ननिहाल में स्थित राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय चरला में विद्यार्थियों के लिए वाटर कूलर सप्रेम भेंट किया। विद्यालय के प्रधानाचार्य राधेश्याम मीना एवं समस्त विद्यालय स्टाफ ने उनके इस नेक कार्य की सराहना करते हुए आभार व्यक्त किया।

श्री महावीरजी रेलवे स्टेशन पर बिजली लाइन कार्य के दौरान सुरक्षा में गंभीर लापरवाही, बड़ा हादसा होने का खतरा

-ऊंचाई पर बिना सुरक्षा उपकरण काम करते दिखे कर्मचारी, रेलवे प्रशासन पर उठे सवाल

हनीस शेख

हिण्डोन सिटी (रॉयल पत्रिका)। रेलवे स्टेशन श्री महावीरजी से एक चिंताजनक तस्वीर सामने आई है, जहां विद्‌त लाइन पर कार्य करते समय सुरक्षा नियमों की खुलेआम अनदेखी होती दिखाई दी। तस्वीर में साफ देखा जा सकता है कि एक कर्मचारी ऊंची विद्‌त लाइन पर सीढ़ी के सहारे चढ़कर काम कर रहा है, जबकि नीचे कुछ लोग बिना किसी सेफ्टी उपकरण के उसे सहारा दे रहे हैं। यह दृश्य न सिर्फ खतरनाक है बल्कि रेलवे सुरक्षा मानकों पर भी गंभीर सवाल खड़े करता है। इतनी ऊंचाई पर काम करते समय हेलमेट, सेफ्टी बेल्ट, ग्लव्स और अन्य जरूरी उपकरणों का इस्तेमाल अनिवार्य होता है, लेकिन यहां ऐसा कुछ नजर नहीं आया।

बड़ा सवालः

अगर इसी दौरान कर्मचारी का संतुलन बिगड़ जाए या विद्‌त करंट का झटका लग जाए, तो एक बड़ी दुर्घटना हो सकती है, जिसकी जिम्मेदारी कौन लेगा? स्थानीय लोगों का कहना है कि इस तरह की लापरवाही पहले भी देखी जा चुकी है, लेकिन अब तक कोई सख्त कार्रवाई नहीं हुई। यह स्थिति रेलवे प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़ा करती है। रेलवे प्रशासन से मांग की जा रही है कि इस मामले को गंभीरता से लिया जाए, जिम्मेदार अधिकारियों की जांच की जाए और भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए सख्त दिशा-निर्देश लागू किए जाएं।

संदेशः

सुरक्षा कोई विकल्प नहीं, पबसे पहली प्राथमिकता होनी चाहिए - एक छोटी रवाही किसी की जान पर भारी पड़ सकती है।

चारधाम यात्रा 2026: स्वास्थ्य विभाग ने जारी की हेल्थ एडवाइजरी

-यात्रियों के लिए सावधानी बरतना अनिवार्य

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका)। चारधाम यात्रा 2026 को लेकर स्वास्थ्य विभाग पूरी तरह सतर्क हो गया है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अनिल कुमार जेमिनी ने बताया कि यात्रियों के सुरक्षित सफर के लिए एक विस्तृत हेल्थ एडवाइजरी जारी की गयी है। उच्च हिमालयी क्षेत्रों में ऑक्सीजन की कमी और अत्यधिक ठंड को देखते हुए यात्रियों को यात्रा शुरू करने से पहले और यात्रा के दौरान विशेष सावधानी बरतने के निर्देश दिए गए हैं।

ऊंचाई पर कम ऑक्सीजन और ठंड बनती है चुनौती : -

सीएमएचओ के अनुसार, चारधाम के तीर्थ स्थल समुद्र तल से 2700 मीटर से भी अधिक ऊंचाई पर स्थित हैं। इन स्थानों पर यात्रियों को अत्यधिक ठंड, कम हवा का दबाव, कम ऑक्सीजन और हाई अल्ट्रा वॉयलेट रेडिएशन का सामना करना पड़ सकता है। इससे हाई एल्टीट्यूड सिकनेस (ऊंचाई की बीमारी) होने का खतरा रहता है। कुछ सावधानियां रख कर इन परेशानियों से बचा जा सकता है।

यात्रा से पूर्व करे स्वयं को तैयार :-

यदि यात्री की आयु 55 वर्ष से अधिक है या वे हृदय रोग, अस्थमा, उच्च रक्तचाप या मधुमेह से ग्रसित हैं, तो यात्रा पर निकलने से पहले स्वास्थ्य जांच अवश्य करवाएं। शारीरिक तैयारीः रोजाना 20-30 मिनट टहलें और 5-10 मिनट श्वास संबंधी व्यायाम (ब्रिदिंग एक्सरसाइज) का अभ्यास करें। अनुकूलन का समयः अपनी यात्रा की योजना कम से कम 7 दिनों के लिए बनाएं ताकि शरीर वातावरण के अनुरूप खुद को ढाल सके। जरूरी सामानः गर्म कपड़े (ऊनी स्वेटर, थर्मल, जैकेट), रेनकोट, पल्स ऑक्सीमीटर और थर्मामीटर साथ रखें। नियमित दवाएं लेने वाले यात्री अपने डॉक्टर का नंबर और पर्याप्त दवाएं साथ ले जाएं।

यात्रा के दौरान बरतें ये सावधानियां :-

पैदल ट्रैक के दौरान हर एक घंटे के बाद और गाड़ी से चढ़ाई के दौरान हर दो घंटे बाद 5 से 10 मिनट का ब्रेक लें। यात्रा के दौरान कम से कम 2 लीटर तरल पदार्थ पिएं और पौष्टिक आहार लें। शराब, कैफीनयुक्त ड्रिंक्स और धूम्रपान से पूरी तरह परहेज करें। यदि सीने में दर्द, सांस लेने में तकलीफ, लगातार खांसी, चक्कर आना, उल्टी या शरीर के एक तरफ कमजोरी महसूस हो, तो इसे नजरअंदाज न करें। यह गंभीर बीमारी का संकेत हो सकता है। आपातकालीन मदद के लिए 104 पर करें कॉल स्वास्थ्य विभाग ने स्पष्ट किया है कि किसी भी स्वास्थ्य संबंधी आपातकालीन स्थिति में यात्री तत्काल 104 हेल्पलाइन नंबर पर संपर्क कर सकते हैं। साथ ही यात्रा मार्ग पर उपलब्ध चिकित्सा राहत केंद्रों, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों और जिला अस्पतालों की पहचान के लिए इमारतों पर लगे बोर्डों पर नजर रखें।

सीएमएचओ की अपील :-

डॉ. जेमिनी ने अमजन से अपील की है कि यदि आपके निजी डॉक्टर यात्रा न करने की सलाह दे हैं, तो रिस्क न लें और अपनी सेहत को प्राथमिकता दें।

हनुती हनुमान मंदिर बावड़ी में आयुर्वेद एवं एलोपैथी का नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच परामर्श एवं रक्तदान शिविर होगा आयोजित

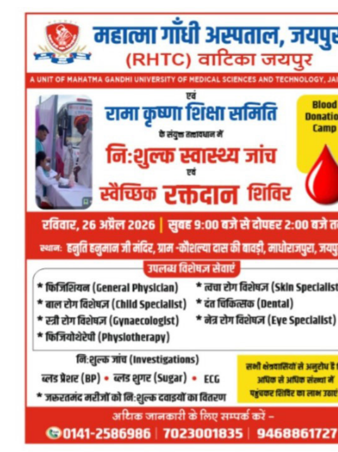

रेनवाल मांजी (रॉयल पत्रिका)। ग्राम पंचायत मोहब्बतपुरा के कौशल्या दास की बावड़ी में हनुती हनुमान मंदिर पर 26 अप्रैल 2026 रविवार को आयुर्वेद एवं एलोपैथी का निःशुल्क स्वास्थ्य जांच परामर्श एवं रक्तदान शिविर आयोजित किया जाएगा। शिविर का आयोजन राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान जयपुर, महात्मा गांधी अस्पताल वाटिका जयपुर एवं रामा कृष्णा समिति के संयुक्त तत्वावधान से आयोजित किया जा रहा है। शिविर प्रातः 9 बजे से दोपहर 2 बजे तक आयोजित होगा। डॉ. प्रतीक्षा शर्मा ने बताया कि शिविर में अनुभवी चिकित्सकों द्वारा परामर्श, विभिन्न प्रकार की जांच एवं दवाइयों एवं आयुर्वेद औषधियों का वितरण नि:शुल्क किया जाएगा एवं आमजन द्वारा स्वैच्छिक रक्तदान किया जाएगा। सुबह 9 से दोपहर 2 बजे तक आयुर्वेदाचार्यों एवं फिजिशियन, बाल रोग विशेषज्ञ, त्वचा रोग विशेषज्ञ, दंत चिकित्सक, स्त्री रोग विशेषज्ञ, फिजियोथैरिपी, नेत्र रोग विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा नि:शुल्क स्वास्थ्य परामर्श एवं जांच की जाएगी। शिविर में ब्लड प्रेशर (बीपी), ब्लड शुगर, ईसीजी की निःशुल्क जांच की जाएगी। समाजसेवी जितेन्द्र शर्मा ने नागरिकों से अधिकाधिक संख्या में उपस्थित होकर शिविर का लाभ उठाने की अपील की है।

अनिल अंबानी की पावर कंपनी को कर्ज-मुक्त का दर्जा

मुंबई, एजेंसी। अनिल अंबानी के मालिकाना हक वाली कंपनी रिलायंस पावर के शेयर रॉकेट सा उड़ रहे हैं। रिलायंस पावर के शेयर मंगलवार को 4 पर्सेंट से अधिक के उछाल के साथ 29.67 रुपये पर पहुंच गए हैं। 30 मार्च 2026 के बाद से रिलायंस पावर के शेयरों में तूफानी तेजी देखने को मिली है। रिलायंस पावर के शेयर तब से लेकर अब तक 45 पर्सेंट से अधिक चढ़ गए हैं। रिलायंस पावर के शेयर 30 मार्च 2026 को 20.23 रुपये पर जा पहुंचे थे और 52 हफ्ते का अपना नया निचला स्तर बनाया था। मिंट की एक रिपोर्ट में शेयर बाजार के एक्सपर्ट्स ने बताया है कि रिलायंस पावर के शेयरों में यह तेज उछाल यूं ही अचानक नहीं आया है। उनका कहना है कि अनिल अंबानी ग्रुप का यह शेयर मजबूत फंडामेंटल्स की वजह से रॉकेट बना हुआ है। कंपनी को हाल में कर्ज–मुक्त होने का दर्जा मिलना एक प्रमुख कारण है, जिसकी वजह से निचले स्तर पर कंपनी के शेयरों में वैल्यू बाइंग हो रही है। मार्केट एक्सपर्ट्स का कहना है कि अनिल अंबानी के मालिकाना हक वाली कंपनी रिलायंस पावर टेक्निकल और फंडामेंटल दोनों मोर्चों पर मजबूत दिख रही है। रिलायंस पावर के टेक्निकल चार्ट को लेकर आनंद राठी में टेक्निकल रिसर्च के सीनियर मैनेजर गणेश डोंगरे का कहना है कि वीकली चार्ट पर रिलायंस पावर ने साफ ट्रेंडलाइन ब्रेकआउट दिया है। कंपनी के शेयरों ने पहले ही 20 रुपये के स्तर के करीब मजबूत बेस बना दिया है, जो कि प्रमुख सपोर्ट जोन के रूप में काम करता है। 28 रुपये के करेंट मार्केट प्राइस पर, यह ब्रेकआउट लेवल के ऊपर ट्रेड कर रहा है जो कि पॉजिटिव मोमेंटम को दिखाता है।

पश्चिम एशिया में हलचल के बीच सरकार का बड़ा कदम, 25 लाख टन गेहूं से कनेक्शन

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत सरकार ने 25 लाख टन (एलएमटी) अतिरिक्त गेहूं के निर्यात को मंजूरी दी है। यह फैसला किसानों को उनकी उपज का सही दाम दिलाने और घरेलू बाजारों में स्थिरता बनाए रखने की सरकार की प्रतिबद्धता को और मजबूत करता है। मौजूदा उत्पादन, स्टॉक की उपलब्धता और कीमतों के रुझानों की पूरी समीक्षा के बाद यह कदम उठाया गया है। सरकार ने यह कदम ऐसे समय उठाया है जब पश्चिम एशिया में घमासान जारी है। सरकार निर्यात को बढ़ाने के रास्ते तलाश रही है।

इस कदम का मतलबः सरकार का यह फैसला भारत की मजबूत खाद्य सुरक्षा और किसानों की आय बढ़ाने की दोहरी रणनीति को दिखाता है।

अतिरिक्त 25 लाख टन गेहूं के निर्यात की अनुमति देने का मतलब है कि देश के पास अपनी जरूरतों से अधिक पर्याप्त भंडार उपलब्ध है।

इसका फायदा उठाकर अब अंतरराष्ट्रीय बाजार से विदेशी करेंसी हासिल की जाएगी।

घरेलू मंडियों में प्रतिस्पर्धा बढ़ने से किसानों को उनकी उपज का बेहतर दाम मिल सकेगा।

यह कदम उपभोक्ताओं के लिए कीमतों को स्थिर रखकर भारत को वैश्विक कृषि व्यापार में भरोसेमंद ताकत के रूप में स्थापित करने का प्रयास है।

बढ़ा है गेहूं खेती का रकबाः रबी 2026 सीजन के दौरान गेहूं की खेती का रकबा बढ़ा है। यह बढ़कर लगभग 334.17 लाख हेक्टेयर हो गया है। वहीं, पिछले साल यह 328.04 लाख हेक्टेयर था। यह बढ़ोतरी गेहूं की खेती में किसानों के मजबूत भरोसे को दिखाती है। किसानों का यह भरोसा न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की गारंटी और मजबूत खरीद व्यवस्था के कारण बना है। यह एक और अच्छी फसल होने की संभावना का संकेत देता है।

कृषि और किसान कल्याण विभाग ने 10 मार्च 2026 को दूसरे अग्रिम अनुमान जारी किए थे। इन अनुमानों के अनुसार, 2025-26 के लिए गेहूं का उत्पादन 1,202 एलएमटी होने का अनुमान है। उत्पादन की अच्छी संभावना और स्टॉक की ज्यादा उपलब्धता को देखते हुए अतिरिक्त निर्यात की अनुमति देना सही माना गया। इससे पहले डीएफपीडी ने जनवरी 2026 में 5 एलएमटी गेहूं उत्पादों के निर्यात को मंजूरी दी थी। इसके बाद फरवरी 2026 में 5 एलएमटी अतिरिक्त गेहूं उत्पादों और 25 एलएमटी गेहूं के निर्यात को और मंजूरी दी गई। मंजूरी के इस ताजा दौर के साथ, अब कुल 50 एलएमटी गेहूं और 10 एलएमटी गेहूं उत्पादों के निर्यात की अनुमति दी गई है। 25 एलएमटी अतिरिक्त गेहूं के निर्यात की अनुमति देने के इस ताजा फैसले से बाजार में नकदी बढ़ने, स्टॉक का बेहतर प्रबंधन करने और फसल की सबसे ज्यादा आवक के समय किसानों को अपनी उपज कम दाम पर बेचने से रोकने में मदद मिलने की उम्मीद है।

इससे घरेलू कीमतों को स्थिर रखने और किसानों की आय बढ़ाने में भी मदद मिलेगी। साथ ही यह भी सुनिश्चित होगा कि देश की खाद्य सुरक्षा पूरी तरह से सुरक्षित रहे।

सिबिल स्कोर अब भीम भुगतान ऐप पर उपलब्ध

मुंबई, एजेंसी। भारत की अग्रणी क्रेडिट सूचना कंपनी, ट्रांसयूनियन सिबिल ने आज भीम भुगतान ऐप में उपभोक्ता सिबिल स्कोर और क्रेडिट सूचना रिपोर्ट (सीआईआर) जोड़ने की घोषणा की। भीम भुगतान ऐप, एमपीसीआई भीम सर्विसेज़ लिमिटेड (एनबीएसएल) द्वारा विकसित भारत का स्वदेशी भुगतान ऐप है। इसके जुड़ने से भीम ऐप के उपयोगकर्ता अपने सिबिल स्कोर और क्रेडिट संबंधी प्रमुख जानकारी सीधे ऐप के भीतर ही सुरक्षित रूप से देख सकेंगे और इस पर नज़र रख सकेंगे, जिससे उन्हें अपनी क्रेडिट स्थिति के बारे में बेहतर जानकारी मिल सकेगी। नियामक दिशानिर्देशों के अनुरूप, यह एकीकरण %ग्राहक सहमति-आधारित मॉडल% पर परिचालन करता है, जिसमें क्रेडिट जानकारी केवल उपयोगकर्ता की मंजूरी के बाद ही देखी जा की जाती है, जिससे पारदर्शिता और नियंत्रण सुनिश्चित होता है। ट्रांसयूनियन सिबिल और एनबीएसएल दो ऐसे प्रमुख संस्थान हैं, जो भारत के वित्तीय तथा डिजिटल भुगतान परितंत्र के लिए बेहद महत्वपूर्ण हैं। भीम ऐप में सिबिल स्कोर को शामिल कर क्रेडिट जागरूकता को रोज़मर्रा की वित्तीय गतिविधियों के साथ जोड़ दिया गया है। इससे उपभोक्ता जाने-पहचाने माहौल में, क्रेडिट के संबंध में आसानी से और सुरक्षित रूप से विश्वसनीय जानकारी प्राप्त कर, सोच-समझकर वित्तीय निर्णय ले सकेंगे। भीम भुगतान ऐप को उपयोगकर्ताओं को उनकी रोज़मर्रा की वित्तीय ज़रूरतों के प्रबंधन में मदद करने के लिए तैयार किया गया है। भारतीय उपयोगकर्ताओं के लिए बनाया गया यह ऐप 15 से अधिक भारतीय भाषाओं का समर्थन करता है और सरल तथा आसानी से उपयोग किया जाने वाला इंटरफेस प्रदान करता है, जिससे यह शहरी, ग्रामीण और अर्ध-शहरी सभी क्षेत्रों में सुलभ हो जाता है। यह उपयोगकर्ताओं को %खर्च बांटें% (स्प्लिट एक्सपेंसेज़), %फैमिली मोड%, %खर्च विश्लेषण% (स्पेंड्स एनालिटिक्स) और %आवश्यक कार्रवाई% (एक्शन नीडेड) जैसे रिमाइंडर और सुविधाओं के ज़रिये धन का प्रबंधन करने में मदद करता है। सिबिल स्कोर के जुड़ने के साथ, भीम इस दिशा में एक और पहल करते हुए उपयोगकर्ताओं को न केवल लेन-देन करने में मदद करेगा, बल्कि उन्हें अपनी क्रेडिट प्रोफाइल के बारे में जानकारी से भी लैस करेगा। ट्रांसयूनियन सिबिल के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यकारी, श्री भावेश जैन ने इस साझेदारी पर अपनी टिप्पणी में कहा~ क्रेडिट परितंत्र में क्रेडिट संबधी जागरूकता और क्रेडिट समावेश का विशिष्ट स्थान है। भीम भुगतान ऐप अपने लाखों उपयोगकर्ताओं के लिए सिबिल स्कोर और क्रेडिट इन्फॉर्मेशन रिपोर्ट को आसानी से उपलब्ध कराएगा।

महंगा होने वाला है हेल्थ इंश्योरेंस, 10-15 प्रतिशत तक बढ़ सकते हैं प्रीमियम

क्यों महंगा हो सकता है हेल्थ इंश्योरेंस, क्लेम रेशियो 90 प्रतिशत के पार , कंपनियों पर बढ़ा दबाव

मुंबई, एजेंसी। हेल्थ इंश्योरेंस सेक्टर में प्रीमियम बढ़ोतरी अब एक अस्थायी नहीं बल्कि लॉन्ग ट्रेंड बनता दिख रहा है। मेडिकल महंगाई, बढ़ते क्लेम और बदलते रिस्क प्रोफाइल के चलते आने वाले वर्षों में भी प्रीमियम बढ़ते रह सकते हैं। भारत में हेल्थ इंश्योरेंस पॉलिसी रखने वालों के लिए यह खबर थोड़े परेशान करने वाली है। आने वाले समय में बीमा थोड़ा महंगा साबित हो सकता है। इंडस्ट्री एक्सपर्ट्स के मुताबिक, अगले 12 से 18 महीनों में हेल्थ इंश्योरेंस प्रीमियम में 10-15 प्रतिशत तक बढ़ोतरी हो सकती है। यह बढ़ोतरी एक साथ नहीं बल्कि रिन्यूअल के समय धीरे-धीरे लागू की जाएगी। एक्सपर्ट्स का कहना है कि उम्र, शहर, सम इंश्योर्ड और क्लेम हिस्ट्री के आधार पर यह बढ़ोतरी अलग-अलग हो सकती है। खासकर मेट्रो शहरों में रहने वाले और सीनियर सिटीजन को ज्यादा असर झेलना पड़ सकता है। इस बढ़ोतरी की सबसे बड़ी वजह तेजी से बढ़ती महंगाई है। भारत में हेल्थकेयर लागत हर साल करीब 14-15 प्रतिशत की दर से बढ़ रही है, जो सामान्य महंगाई से कहीं ज्यादा है। अस्पतालों के बढ़ते चार्ज, महंगे इलाज, एडवांस डायग्नोस्टिक टेस्ट और पोस्ट-कोविड बढ़े क्लेम्स ने इंश्योरेंस कंपनियों पर दबाव बढ़ा दिया है। इसके चलते कंपनियां अब प्रीमियम बढ़ाने को मजबूर हैं।

दिल, कैंसर जैसी बीमारियों का असरः भारत में तेजी से बढ़ती बुजुर्ग आबादी और दिल, कैंसर जैसी लाइफस्टाइल बीमारियों के मामलों में इजाफा भी प्रीमियम बढ़ने की बड़ी वजह है। इसके अलावा, पब्लिक हेल्थ सिस्टम की सीमाओं के कारण लोग निजी अस्पतालों पर ज्यादा निर्भर हो रहे हैं, जिससे इलाज का खर्च और बढ़ रहा है। इंडस्ट्री डेटा के मुताबिक, हाल के वर्षों में क्लेम रेशियो 90 प्रतिशत के पार पहुंच चुका है। इसका मतलब है कि कंपनियां जितना प्रीमियम ले रही हैं, उसका बड़ा हिस्सा क्लेम में चला जा रहा है। यही वजह है कि इंश्योरेंस कंपनियां अब कीमतों में 'स्ट्रक्चरल रीसेट' कर रही हैं, यानी लंबे समय के लिए प्रीमियम बढ़ाने की दिशा में कदम उठा रही हैं।

पिछले कुछ सालों में पहले ही बढ़ चुके हैं प्रीमियमः हाल के आंकड़े बताते हैं कि वित्तवर्ष 2023 से 2025 के बीच इंडिविजुअल हेल्थ पॉलिसी प्रीमियम करीब 23 प्रतिशत तक बढ़ चुके हैं। वहीं फैमिली फ्लोटर प्लान की औसत लागत 2021 में जहां करीब 15,000 थी, वह 2025 में बढ़कर 22,000 से ज्यादा हो गई है।

वामिका गब्बी

ने ऑफ शोल्डर ब्लैक ड्रेस में ढाया कहर

बॉलीवुड एक्ट्रेस वामिका गब्बी ने इंस्टाग्राम पर अपनी कुछ तस्वीरें फोटोज की हैं, जिसमें वो ऑफ शोल्डर ब्लैक ड्रेस पहने नजर आ रही हैं। उनकी ये तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हो रही हैं। बॉलीवुड की जानी-मानी एक्ट्रेस वामिका गब्बी इन दिनों फिल्म 'भूत बंगला' को लेकर चर्चा में हैं. इस हॉरर कॉमेडी फिल्म में उनके काम को खूब सराहा जा रहा है। अक्षय कुमार के साथ उनकी केमिस्ट्री लोगों को पसंद आ रही है। अब इस बीच वामिका गब्बी ने इंस्टाग्राम पर अपनी कुछ फोटोज शेयर की हैं, जिसमें वो ऑफ शोल्डर ब्लैक ड्रेस पहने दिख रही हैं. उनके ये तस्वीरें सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रही हैं। वामिका ने अपने लुक को पूरा करने के लिए हल्का मेकअप किया हुआ है। इसके साथ उन्होंने सिल्वर इयररिंग्स पहने हैं. खुले बालों में वो बेहद खूबसूरत लग रही हैं। वामिका ने फोटोज शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा, 'प्रेमी साथे चोखे चोखे कोठा बोलबे? अपने नजदीकी सिनेमाघरों में 'भूत बंगला' देखें' उनकी ये तस्वीरें सोशल मीडिया पर छाई हुई हैं। वामिका गब्बी अपनी कार और वैनिटी वैन के साथ एक से बढ़कर एक पोज देती नजर आ रही हैं. उनकी कालिताना अदाओं ने फैंस को दीवाना बना दिया है। वामिका गब्बी का ये अंदाज देखने लायक है। हर एक तस्वीर में उनकी खूबसरती साफ झलक रही है। वर्क फ्रंट की बात करें तो 'भूत बंगला' के बाद वामिका गब्बी को 'दिल का दरवाजा खोल ना डार्लिंग', 'टिकी टाका', 'पति पत्नी और वो दो' और 'कुकू की कुंडली' जैसी फिल्मों में देखा जाएगा. इसके अलावा उनके पास 'G2' और 'जिनी' भी हैं।

आखरी सवाल रचेगी इतिहास, इंडियन साइन लैंग्वेज के साथ 8 मई को रिलीज होने वाली होगी पहली फिल्म!

संजय दत्त स्टारर 'आखरी सवाल' सबसे प्रतीक्षित फिल्मों में से एक बनकर उभरी है, और दर्शक इसकी रिलीज का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। अपनी अनाउंसमेंट के साथ काफी चर्चा बटोरने के बाद, मेकर्स ने हनुमान जन्मोत्सव के मौके पर फिल्म का टीजर जारी किया, जो दुनिया के सबसे बड़े स्वैच्छिक संगठन, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (RSS) के इतिहास की एक ऐसी झलक दिखाता है जो पहले कभी नहीं देखी गई। 'आखरी सवाल' दर्शकों के लिए सिनेमा देखने के अनुभव को एक नई पहचान देने वाली है। सिनेमा को करोड़ों लोगों तक पहुँचाने की अहमियत को समझते हुए, मेकर्स ने इसे साइन लैंग्वेज (सांकेतिक भाषा) में रिलीज करने का एक बड़ा कदम उठाया है। यह ISL (इंडियन साइन लैंग्वेज) में आने वाली पहली हिंदी फीचर फिल्म बन गई है। भारत में लगभग 4 से 5 करोड़ लोग दृष्टिबाधित या सुन-बोल पाने में असमर्थ हैं, और यह फिल्म उन तक भी पहुँच पाएगी। पहले दिन से ही फिल्म ISL में उपलब्ध होगी, जिससे यह सुनिश्चित होगा कि यह ज्यादा से ज्यादा लोगों तक पहुँचे। 'आखरी सवाल' का निर्देशन नेशनल अवॉर्ड विनर फिल्ममेकर अभिजीत मोहन वारंग ने किया है। निखिल नंदा द्वारा पेश की गई इस फिल्म के प्रोड्यूसर निखिल नंदा और संजय दत्त हैं, जबकि पुनीत नंदा, डॉ. दीपक सिंह, गौरव दुबे और उज्जवल आनंद इसके को-प्रोड्यूसर हैं। फिल्म की कहानी, पटकथा और संवाद उत्कर्ष नैथानी ने लिखे हैं। यह फिल्म 8 मई 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है।

आयुष्मान खुराना

की पहली फिल्म विक्की डोनर ने पूरे किए 14 साल, मिला था राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार

निर्देशक शूजित सरकार ने सिनेमा में कई यादगार फिल्में दी हैं और ज्यादातर वे अपनी एक्सपेरिमेंटल फिल्मों को लेकर दर्शकों के बीच खास पहचान रखते हैं। इन्हीं में से एक 2012 में रिलीज फिल्म विक्की डोनर है, जिसने हास्य और मनोरंजन के साथ दर्शकों को एक गहरा सामाजिक संदेश भी दिया था। फिल्म ने रिलीज के 14 साल पूरे कर लिए हैं। इस मौके पर अभिनेता आयुष्मान खुराना ने इंस्टाग्राम के जरिए यादें ताजा कीं। उन्होंने स्टोरीज सेक्शन पर फिल्म की एक क्लिप शेयर की। इसके साथ उन्होंने लिखा, 'फिल्म विक्की डोनर के रिलीज के 14 साल पूरे।' यह फिल्म आयुष्मान और यामी गौतम के लिए इसलिए भी खास है, क्योंकि यह फिल्म दोनों की डेब्यू फिल्म थी। दोनों ने विक्की डोनर के जरिए हिंदी सिनेमा में कदम रखा था। दिल्ली की पृष्ठभूमि पर आधारित मनोरंजक और हल्की-फुल्की कॉमेडी-ड्रामा फिल्म ने बॉक्स ऑफिस में अच्छी कमाई की थी। इस फिल्म ने 'सर्वश्रेष्ठ लोकप्रिय फिल्म' के लिए राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार जीता था। फिल्म को इतना पसंद किया गया था कि इसे साल 18 अप्रैल 2025 में फिर से सिनेमाघरों में री-रिलीज किया गया था। हिंदी रोमांटिक कॉमेडी फिल्म स्पर्म डोनेशन जैसे सामाजिक टैबू विषयों पर आधारित थी। शूजित सरकार द्वारा निर्देशित इस फिल्म में अन्नू कपूर ने अहम भूमिका निभाई थी।

चोटों के बावजूद लद्दाख की पहाड़ियों में सलमान खान ने बहाया है पसीना

'मातृभूमिः मे वॉर रेस्ट इन पीस' के लिए किया है अब तक का सबसे मुश्किल ट्रांसफॉर्मेशन!

सुपरस्टार सलमान खान अपनी फिल्म 'मातृभूमिः मे वॉर रेस्ट इन पीस' के लिए एक बार फिर सीमाओं को पार कर रहे हैं। अपूर्व लाखिया के निर्देशन में बनी इस फिल्म के लिए सलमान ने लद्दाख की पहाड़ियों में बेहद कठिन ट्रेनिंग की है, जहाँ उन्होंने अपनी चोटों की परवाह किए बिना अपनी फिटनेस को एक नए स्तर पर पहुँचाया है। सलमान खान फिल्म्स द्वारा निर्मित यह फिल्म बहादुरी और बलिदान की एक दमदार कहानी पेश करने के लिए तैयार है। प्रोडक्शन से जुड़े एक करीबी सूत्र ने बताया है, 'सलमान खान ने इस फिल्म के लिए गजब का फिजिकल ट्रांसफॉर्मेशन किया है। उन्होंने लद्दाख की ऊंचाइयों पर ट्रेनिंग की है, जहाँ उन्होंने भारी वेट सेशन्स के साथ-साथ मुश्किल एंड्योरेंस ड्रिल्स भी कीं। यह पिछले कुछ सालों में उनके द्वारा अपनाए गए सबसे कठिन फिटनेस रूटीन में से एक है, जो इस रोल के लिए उनकी जबरदस्त कमिटमेंट को दिखाता है। लद्दाख के 45 दिनों के शेड्यूल के दौरान, सुपरस्टार ने अपनी फिजीक बनाए रखने के लिए कैलिस्थेनिक्स पर आधारित वर्कआउट रूटीन अपनाया, क्योंकि इतनी ऊंचाई वाली शूटिंग लोकेशन्स पर पूरा जिम सेटअप ले जाना काफी मुश्किल था। 'सूत्र ने आगे बताया, 'जो बात इसे और भी हैरान करने वाली बनाती है, वह यह है कि सलमान कई चोटों से जूझने के बावजूद यह सब कर रहे हैं। ऐसी परिस्थितियों में इतनी तीव्रता, अनुशासन और जुनून के साथ ट्रेनिंग करना... सच कहूँ तो, यह कुछ ऐसा है जिसे सिर्फ सलमान खान ही कर सकते हैं। ' 'मातृभूमिः मे वॉर रेस्ट इन पीस' का प्रोडक्शन सलमान खान फिल्म्स के बैनर तले सलमा खान द्वारा किया गया है, और अपूर्व लाखिया इसके डायरेक्टर हैं। यह फिल्म बहादुरी, बलिदान और जुझारूपन का एक बेबाक चित्रण पेश करने का वादा करती है। फिल्म में चित्रांगदा सिंह भी एक अहम भूमिका में नजर आएंगी।

मैन ऑफ द मासेज NTR फैंस के लिए डबल सेलिब्रेशन! 20 मई को बर्थडे के मौके पर आ रहा है #NTRNeel का 'फर्स्ट ग्लिम्स'

#NTRNeel 2027 की सबसे बड़ी फिल्मों में से एक होने वाली है। मनोरंजन की दुनिया की दो बड़ी ताकतें 'मैन ऑफ द मासेज' जूनियर एनटीआर और 'KGF' व 'सालार' के डायरेक्टर प्रशांत नील जब एक साथ आ रहे हैं, तो यह तय है कि दर्शकों को पर्दे पर एक अनोखा और भव्य सिनेमाई अनुभव देखने को मिलेगा! जब से #NTRNeel का ऐलान हुआ है, यह सबसे चर्चित फिल्मों में से एक बनी हुई है। भारतीय सिनेमा की दो सबसे बड़ी ताकतों, जूनियर एनटीआर और प्रशांत नील का साथ आना ही इसे 2027 की सबसे बड़ी फिल्मों की कतार में खड़ा कर देता है। बढ़ते उत्साह के बीच, मेकर्स ने एक बेहद रोमांचक पोस्टर जारी किया है और फिल्म की पहली झलक को लेकर बड़ी घोषणा की है, जो एनटीआर के जन्मदिन पर 20 मई को रिलीज होगी। पोस्टर में एनटीआर का स्टाइल और पावरफुल अवतार फिल्म को लेकर बनी चर्चा को और भी बढ़ा रहा है। 20 मई को आने वाली पहली झलक के साथ फिल्म का क्रेज सातवें आसमान पर पहुँच गया है। एनटीआर के जन्मदिन के मौके पर रिलीज होने वाली यह झलक उन लाखों फैंस के लिए एक खास तोहफा होगी जो उन्हें बड़े पर्दे पर देखने का बेसब्री से इंतज़ार कर रहे हैं। इसके अलावा, इस फिल्म के लिए एनटीआर के जबरदस्त ट्रांसफॉर्मेशन ने सबको हैरान कर दिया है। उनके इस नए लुक की तस्वीरें पहले ही वायरल हो चुकी हैं और फैंस के बीच तहलका मचा रही हैं। उन्हें इस तरह के लुक में पहले कभी नहीं देखा गया, जिसने दर्शकों की उत्सुकता को और बढ़ा दिया है। #NTRNeel को प्रशांत नील की अब तक की सबसे बड़ी और महत्वाकांक्षी फिल्म बताया जा रहा है, जो एक शानदार सिनेमाई अनुभव का वादा करती है। 'KGF' और 'सालार' जैसी बैक-टू-बैक ब्लॉकबस्टर फिल्में देने के बाद, फैंस यह देखने के लिए बेताब हैं कि प्रशांत नील अब क्या नया लेकर आएंगे। 'मैन ऑफ द मासेज' जूनियर एनटीआर के साथ उनका यह तालमेल भारतीय सिनेमा के सबसे ताकतवर मेल में से एक माना जा रहा है। फिल्म के ऐलान के बाद से ही इसे लेकर जबरदस्त हलचल है और फैंस हर छोटे अपडेट का इंतज़ार कर रहे हैं। दो इतने बड़े नामों के साथ आने से यह फिल्म साल की सबसे प्रतीक्षित फिल्मों में से एक बन गई है और हर कोई यह देखने को उत्सुक है कि यह मेगा कोलैबोरेशन बड़े पर्दे पर क्या कमाल दिखाता है। प्रशांत नील के निर्देशन में बन रही इस फिल्म में एनटीआर लीड रोल में हैं। फिल्म का निर्माण 'माइथ्री मूवी मेकर्स' और 'NTR आर्ट्स' के बैनर तले किया जा रहा है।

शौर्य, स्वाभिमान और स्वराज की कहानी फ़िल्म 'राजा शिवाजी' का दमदार ट्रेलर हुआ रिलीज

जियो स्टूडियोज और मुंबई फिल्म कंपनी ने अपनी फिल्म राजा शिवाजी का शानदार ट्रेलर रिलीज किया है, जो एक भव्य ऐतिहासिक फिल्म का अनुभव देने का वादा करता है। इस फिल्म का निर्देशन, लेखन, निर्माण और मुख्य भूमिका रितेश देशमुख ने निभाई है। यह फिल्म हिंदवी स्वराज्य के संस्थापक छत्रपति शिवाजी महाराज के जीवन और उनके सफर को दर्शाती है। फिल्म में दिखाया गया है कि कैसे एक साहसी बच्चा आगे चलकर भारत के महान योद्धा राजा बनता है। इसमें शिवाजी महाराज की कुछ कम जानी-पहचानी कहानियों को बड़े स्तर पर पेश किया गया है। फिल्म उनके नेतृत्व, रणनीति और वीरता को नए नजरिए से दिखाती है। इससे पहले रिलीज हुआ टीज़र और 'छत्रपति' एंथम लोगों को बहुत पसंद आया था, और अब ट्रेलर ने उत्साह और बढ़ा दिया है। ट्रेलर लॉन्च इवेंट में कई बड़े कलाकार शामिल हुए जैसे संजय दत्त, अभिषेक बच्चन, विद्या बालन, महेश मांजरेकर, बोमन ईरानी, भाग्यश्री, अमोल गुप्ते, जितेंद्र जोशी, ज्योति देशपांडे, जिनिलीया देशमुख और संगीतकार अजय-अतुल।रितेश देशमुख ने कहा कि छत्रपति शिवाजी महाराज जैसे महान व्यक्तित्व को शब्दों में बयां करना मुश्किल है। उन्होंने बताया कि वे पिछले 10 सालों से इस फिल्म को बनाने की कोशिश कर रहे थे और 2023 में इसका काम शुरू हुआ। उन्होंने जियो स्टूडियोज और ज्योति देशपांडे का धन्यवाद किया और कहा कि यह फिल्म उनकी तरफ से महाराज को एक श्रद्धांजलि है। जियो स्टूडियोज की प्रेसिडेंट ज्योति देशपांडे ने कहा कि राजा शिवाजी सिर्फ एक फिल्म नहीं, बल्कि भारत की पहचान, संस्कृति और इतिहास का उत्सव है। जिनिलीया देशमुख ने कहा कि यह फिल्म उनके लिए बहुत भावनात्मक है और पूरी टीम ने इसे दिल से बनाया है। उन्होंने कहा कि यह सिर्फ एक प्रोजेक्ट नहीं, बल्कि एक जिम्मेदारी और सम्मान है। यह फिल्म मराठी सिनेमा की सबसे बड़ी और भव्य फिल्मों में से एक मानी जा रही है। इसमें हिंदी और मराठी सिनेमा के कई बड़े कलाकार नजर आएंगे। राजा शिवाजी 1 मई 2026 को दुनिया भर के सिनेमाघरों में मराठी और हिंदी भाषा में रिलीज होगी। यह फिल्म भारत के इतिहास को भव्यता और भावना के साथ दर्शाएगी।

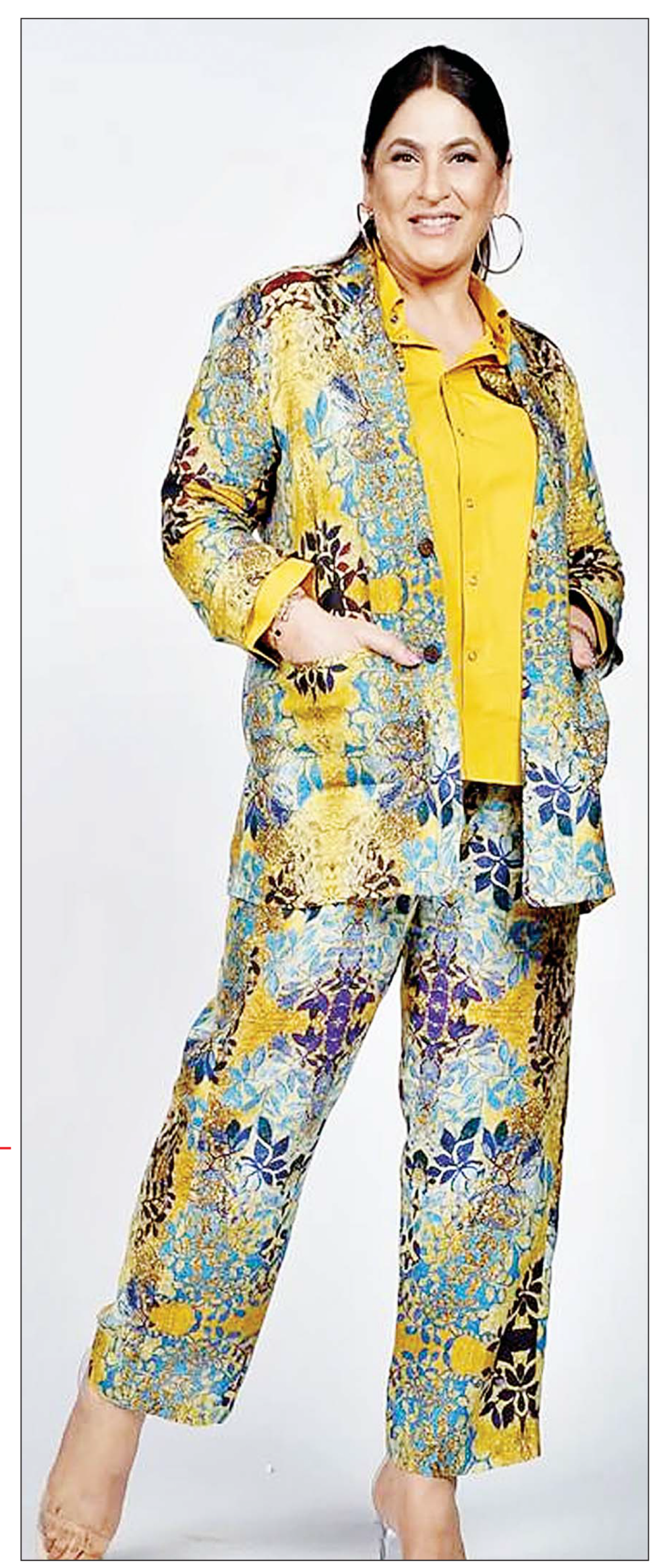

मुझे कोई रोल ऑफर नहीं कर रहा.. कपिल शर्मा शो के लिए छोड़ी फिल्में, अब अर्चना पूरन सिंह को हो रहा पछतावा

अर्चना पूरन सिंह पिछले कई सालों से कपिल शर्मा के शो में नजर आ रही हैं। हाल ही में उन्होंने फिल्में ना मिलने पर खुलकर बात की.अर्चना ने कहा कि उन्हें कोई एक्ट्रेस नहीं मानता है। अर्चना पूरन सिंह ने 1987 में जलवा फिल्म में लीड रोल निभाकर खूब पॉपुलैरिटी बटोरी थी। इस फिल्म के बाद उन्हें ज्यादातर सपोर्टिंग रोल्स ही मिलने लगे। कुछ फिल्मों में अर्चना पूरन सिंह को सिर्फ आइटम सॉन्ग करने का ही मौका मिला, तो कुछ फिल्मों में अपनी कॉमिक टॉइमिंग से लोगों का ध्यान खींचा। 2019 में अर्चना पूरन सिंह जब नवजोत सिंह सिद्धू की जगह जज बनी तो उनकी पॉपुलैरिटी और बढ़ गई। लेकिन, अर्चना के अनुसार इसका असर उनके करियर पर बिल्कुल भी नहीं पड़ा अर्चना ने कहा,'इतने सालों में मैं फिल्मों में काम नहीं कर पाई। एक बार मुझे कॉल आया था, जिसमें 25 दिनों के शूट के लिए स्कॉटलैंड जाना था।'अर्चना पूरन सिंह ने आगे बताया कि वो द कपिल शर्मा शो की शूटिंग छोड़कर कहीं और काम नहीं कर पाती थीं। उन्होंने कहा,'मेरे लिए कपिल के शो की शूटिंग छोड़कर बाहर जाकर फिल्म करना संभव नहीं था.पहले जब ये शो टीवी पर आता था, तो हम साल में करीब 100 एपिसोड शूट करते थे। इसी वजह से मुझे किसी और काम के लिए समय ही नहीं मिला। 'उन्होंने आगे कहा,'मुझे कई फिल्मों को मना करना पड़ा। जब मैंने बार-बार मना किया, तो लोगों ने मुझे एक्टिंग के लिए अप्रोच करना ही बंद कर दिया।' अर्चना पूरन सिंह को अब नई उम्मीद है क्योंकि द ग्रेट इंडियन कपिल शो नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम हो रहा है। उन्होंने कहा कि अब शो सीजन के हिसाब से शूट होता है, जिससे उन्हें पूरे साल भारत में रहने की जरूरत नहीं होती.' अर्चना पूरन सिंह ने आगे कहा,'अब मैं ट्रैवल कर सकती हूं और दूसरे प्रोजेक्ट्स की शूटिंग भी कर सकती हूं। इसी वजह से मैं बहुत खुश हूं कि अब ये शो नेटफ्लिक्स पर आ रहा है। वर्कफ्रंट की बात करें तो अर्चना हाल ही में टोस्टर में एक कॉमिक लेकिन अहम भूमिका निभाती हुई नजर आई. इस फिल्म में उन्होंने राजकुमार राव के संग दोबारा काम किया है।

(साभार एजेंसी)

डब्ल्यूटीए रैंकिंग

डब्ल्यूटीए रैंकिंग में शीर्ष पर काबिज आर्यना सबालेंका

नई दिल्ली, एजेंसी। बेलारूस की स्टार टेनिस खिलाड़ी आर्यना सबालेंका ने डब्ल्यूटीए रैंकिंग में अपना दबदबा बनाए रखा है। स्टटगार्ट ओपन में हिस्सा न लेने के बावजूद सबालेंका 'वर्ल्ड नंबर 1' बनी हुई हैं। वहीं, एलेना रिबाकिना ने एक और खिताब जीतकर दूसरे स्थान पर अपनी स्थिति और मजबूत कर ली है।

सबालेंका ने लगातार 79वें और कुल मिलाकर 90वें हफ्ते की शुरुआत टॉप पर की है। बीते साल स्टटगार्ट में रनर-अप रहने के कारण मिले प्वाइंट्स का बचाव न करने का फैसला लेने के बाद भी, सबालेंका ने रिबाकिना पर 2,395 प्वाइंट्स की बड़ी बढ़त बनाए रखी है। हालांकि, रिबाकिना के पोर्श टेनिस ग्रैंड प्रिक्स का खिताब जीतने के बाद यह अंतर थोड़ा कम हो गया। रिबाकिना ने फाइनल में कैरोलिना मुचोवा को शिकस्त देकर इस सीजन का अपना दूसरा और करियर का 13वां खिताब जीता।

टॉप-2 खिलाड़ियों के बाद, कोको गॉफ और इगा स्वियातेक दोनों ही स्टटगार्ट के क्वार्टर-फाइनल से बाहर होने के कारण रैंकिंग में ऊपर चढ़ने का मौका चूक गईं। खासकर स्वियातेक, टीनएज सनसनी मिरा एंड्रीवा से हारने के बाद गॉफ से आगे नहीं निकल पाईं। एंड्रीवा सेमीफाइनल में पहुंचीं और वर्ल्ड नंबर 8 पर पहुंच गईं। मुचोवा के फाइनल तक पहुंचने से उनकी रैंकिंग 11वें स्थान पर पहुंच गई है। टूर्नामेंट के दौरान गॉफ और एलिना स्वितोलिना जैसी खिलाड़ियों पर अहम जीत दर्ज करने के बाद, वह टॉप 10 में वापसी करने के बेहद करीब पहुंच गई हैं।रूएन में, यूक्रेन की मार्टा कोस्त्युक ने अपने ही देश की वेरोनिका पोड्रेज को शिकस्त देकर करियर का दूसरा खिताब जीता।

हॉकी इंडिया

सीनियर पुरुष राष्ट्रीय शिविर 36 संभावित खिलाड़ी घोषित

नई दिल्ली, एजेंसी। नई दिल्ली हॉकी इंडिया ने बंगलूरू के भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) केंद्र में 20 अप्रैल से नौ मई तक लगाए जाने वाले सीनियर पुरुष राष्ट्रीय कोचिंग शिविर के लिए सोमवार को 36 संभावित खिलाड़ियों की घोषणा की। इस कोचिंग शिविर में टीम संयोजन, फिटनेस और मैच की परिस्थितियों की तरह अभ्यास सत्र आयोजित करने पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा।

यह शिविर इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि भारत को इस साल एफआईएच प्रो लीग 2025-26 के यूरोपीय चरण, विश्व कप और एशियाई खेलों में भाग लेना है। इस शिविर में उन विभागों की पहचान की जाएगी जिनमें टीम को और बेहतर बनने की जरूरत है।

अभ्यास शिविर के लिए चुने गए 36 संभावित खिलाड़ी इस प्रकार हैं

गोलकीपर: कृष्ण बहादुर पाठक, पवन, सूरज करकेरा, मोहित होनेनहल्ली शशिकुमार, प्रिंसदीप सिंह

डिफेंडर: अमित रोहिदास, जरमनप्रीत सिंह,

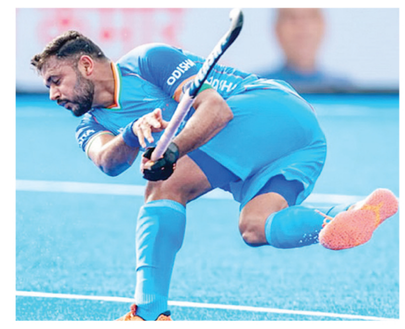

संजय, हरमनप्रीत सिंह, जुगराज सिंह, सुमित, पूवन्ना चंदूरा बॉबी, यशदीप सिवाच, नीलम संजीप जेस, अमनदीप लाकड़ा

मिडफील्डर: राजिंदर सिंह, मनमीत सिंह, हार्दिक सिंह, मोइरांगथेम रबीचंद्र सिंह, विवेक सागर प्रसाद, विष्णु कांत सिंह, राज कुमार पाल, नीलकांत शर्मा, रोसन कुजूर, मनप्रीत सिंह

फॉरवर्ड: अभिषेक, सुखजीत सिंह, शिलानंद लाकड़ा, मनदीप सिंह, अरजीत सिंह हुंदल, अंगद बीर सिंह, उत्तम सिंह, सेल्वम कार्थी, आदित्य अर्जुन लालगे, मनिंदर सिंह, दिलप्रीत सिंह।

बैंकॉक चेस ओपन

उपलब्धि: अरण्यक घोष बने भारत के 95वें ग्रैंडमास्टर

कोलकाता (एजेंसी)। भारतीय शतरंज के लिए हालिया हफ्ता ऐतिहासिक उपलब्धियों वाला रहा। आर. वैशाली के महिला वर्ल्ड चैम्पियनशिप के लिए क्वालिफाई करने और एएस श्रावणिका के अंडर-12 रैपिड खिताब जीतने के बाद, अब कोलकाता के अरण्यक घोष ने भारत का 95वां ग्रैंडमास्टर बनकर देश का गौरव बढ़ाया है।

नेशनल रैपिड चैम्पियन अरण्यक ने बैंकॉक चेस क्लब ओपन में 9 में से 7 अंक हासिल कर अपना तीसरा और अंतिम ग्रैंडमास्टर नॉर्म प्राप्त किया। अरण्यक को इस मुकाम तक पहुंचने के लिए कड़ा परिश्रम करना पड़ा। उन्होंने पहला नॉर्म 2023 (सैंट्स ओपन) और दूसरा 2024 (एनेमास मास्टर्स) में हासिल किया था। उन्होंने पिछले साल फिडे वर्ल्ड कप में पोलैंड के मातुस्ज बार्टेल को हराकर सबको चौंकाया था। अरण्यक वर्ल्ड रैंकिंग में 401वें स्थान पर मौजूद हैं।

अरण्यक जब साढ़े चार साल के थे, तब घर की सफाई में मां संचिता को पिता मृणाल घोष की पुरानी, धूल भरी शतरंज पेटी मिली। नन्हे अरण्यक गोटियां सजाकर खेलने लगे।

बेटे की रुचि देख पिता मृणाल घोष ने उन्हें ट्रेनिंग दिलवाई। कोच सौमेन मजूमदार ने अरण्यक की आर्थिक तंगी को देखते हुए उन्हें मुफ्त कोचिंग दी और अपने खर्च पर शीर्ष ग्रैंडमास्टर्स से ट्रेनिंग सत्र कराए। अरण्यक के पास कॉर्पोरेट स्पॉन्सर नहीं था, इसलिए इनामी राशि से ही अगले टूर्नामेंट की फीस देते और टिकट वगैरह का खर्च उठाते। साल 2019 में पिता ने फीस के लिए पुश्तैनी जमीन और संपत्तियां बेच दीं। अरण्यक जानते थे कि खराब प्रदर्शन का मतलब अगला मौका खत्म, इसलिए हर मैच को करियर बचाने की चुनौती मानकर खेला।

खराब प्रदर्शन: निशाने पर ये चार कप्तान!

नई दिल्ली, एजेंसी। आईपीएल 2026 में कई टीमों का प्रदर्शन उम्मीद के मुताबिक नहीं रहा है और इसका सीधा असर कप्तानों पर पड़ता दिख रहा है। हार्दिक पांड्या से लेकर ऋषभ पंत तक, चार ऐसे कप्तान हैं जिनकी कुर्सी आईपीएल 2027 से पहले छिन सकती है। इन सभी कप्तानों के सामने एक ही चुनौती है, अच्छा परिणाम देना, जो कि अभी तक उनकी टीम नहीं दे पाई है। फटाफट क्रिकेट की दुनिया में प्रदर्शन ही सब कुछ तय करता है और टीम के लचर प्रदर्शन का असर इनकी कप्तानी पर पड़ सकता है। अब यह देखने वाली बात होगी कि क्या इन खिलाड़ियों पर गाज गिरेगी या फिर अपनी कुर्सी बचाने में कामयाब रहेंगे।

हार्दिक पांड्या

मुंबई इंडियंस के कप्तान हार्दिक पांड्या 2024 में टीम में लौटे थे, लेकिन अब तक फैंस का भरोसा पूरी तरह जीत नहीं पाए हैं। घरेलू मैचों में उन्हें हूटिंग का सामना करना पड़ा और उनका प्रदर्शन भी उतार-चढ़ाव भरा रहा है। टीम को खिताब की दौड़ में आगे ले जाने में नाकाम रहने के कारण मैनेजमेंट आईपीएल 2027 से पहले नया चेहरा तलाश सकती है। सूर्यकुमार यादव खुद खराब फॉर्म में चल रहे हैं और उन्हें कप्तानी सौंपना खतरे से खाली नहीं होगा।

अजिंक्य रहाणे

कोलकाता नाइट राइडर्स ने 2024 में श्रेयस अय्यर की कप्तानी में खिताब जीता था, लेकिन उसके बाद अजिंक्य रहाणे के नेतृत्व में टीम वैसी सफलता दोहरा नहीं पाई। 2025 और 2026 में टीम के प्रदर्शन में गिरावट आई है, जिससे रहाणे की रणनीति और आक्रामकता पर सवाल उठ रहे हैं। रिंकू सिंह को संभावित विकल्प के तौर पर देखा जा रहा है। या फिर हो सकता है कि आईपीएल 2027 से पहले ऑक्शन में केकेआर का ध्यान एक अच्छे कप्तान को खरीदने पर हो।

इन सभी कप्तानों की एक ही समस्या

इन चारों कप्तानों में एक बात समान है, परिणाम की कमी। चाहे वह खराब रन चेज हो, अस्थिर बल्लेबाजी हो या रणनीतिक गलतियां, टीमें उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन नहीं कर पा रही हैं। आईपीएल जैसी प्रतिस्पर्धी लीग में यह स्थिति लंबे समय तक नहीं चल सकती। भले ही इन्हें टीम से न निकाला जाए, लेकिन कप्तानी से हटाया जा सकता है। अगर बदलाव होता है, तो केकेआर को छोड़कर बाकियों में विकल्प पहले से तैयार हैं। हार्दिक की जगह सूर्यकुमार यादव, रहाणे की जगह रिंकू सिंह, गायकवाड़ की जगह संजू सैमसन, पंत की जगह निकोलस पूरन या मिचेल मार्श को कमान सौंपी जा सकती है।

ऋतुराज गायकवाड़

चेन्नई सुपर किंग्स में एमएस धोनी के बाद कप्तानी संभालना आसान नहीं था। ऋतुराज गायकवाड़ ने कुछ अच्छे प्रदर्शन जरूर किए हैं, लेकिन टीम के लगातार खराब नतीजों ने उनकी कप्तानी पर सवाल खड़े कर दिए हैं। बड़े स्कोर का पीछा करने में नाकामी और मिडिल ऑर्डर की कमजोरी का दबाव सीधे कप्तान पर आ रहा है। ऐसे में उनकी कुर्सी भी खतरे में है।

ऋषभ पंत

लखनऊ सुपर जाएंट्स ने केएल राहुल के जाने के बाद ऋषभ पंत को 27 करोड़ रुपये देकर चुना था और कप्तान बनाया था। उनसे उम्मीद थी कि वह टीम को नई दिशा देंगे, लेकिन लगातार खराब प्रदर्शन और टीम का निचले पायदान पर रहना उनके लिए चिंता का विषय है। टीम की गेंदबाजी अच्छी हो रही है, लेकिन बल्लेबाजी पूरी तरह फ्लॉप है। हर मैच में प्लेइंग कॉम्बिनेशन और बैटिंग पोजिशन बदला जा रहा है।

रिटेंशन तय करेगा भविष्य

आईपीएल 2027 से पहले होने वाला रिटेंशन ही इन कप्तानों का भविष्य तय करेगा। टीमों को फैसला लेना होगा कि क्या मौजूदा कप्तान पर भरोसा रखें या नई शुरुआत करें। इतिहास गवाह है कि आईपीएल में ट्रॉफी नहीं आने पर फ्रेंचाइजी ज्यादा इंतजार नहीं करतीं।

चार कप्तान जिन पर गिर सकती है गाज

खिलाड़ी (टीम)	मैच	जीते	हारे
अजिंक्य रहाणे	21	5	16
हार्दिक पांड्या	34	15	19
ऋतुराज गायकवाड़	25	10	15
ऋषभ पंत	20	8	12

इम्पैक्ट प्लेयर बनकर अश्वनी कुमार ने बरपाया कहर, 4 विकेट लेकर मुंबई को दिलाई बड़ी जीत

मुंबई (एजेंसी)। आईपीएल 2026 में मुंबई इंडियनस के लिए एक नया सितारा उभरकर सामने आया है – अश्वनी कुमार। पंजाब के मोहाली जिले के झंझेरी गांव से आने वाले इस 24 वर्षीय बाएं हाथ के तेज गेंदबाज ने अपनी घातक गेंदबाजी से सबका ध्यान खींच लिया है।

जीटी के खिलाफ मचाया धमाल – गुजरात टाइट्स के खिलाफ आईपीएल 2026 के मुकाबले में अश्वनी कुमार 'इम्पैक्ट प्लेयर' के रूप में उतरे और मैच का रुख बदल दिया। उन्होंने 4 ओवर में सिर्फ 24 रन देकर 4 विकेट झटके, जिससे गुजरात की मजबूत बल्लेबाजी ताश के पत्तों की तरह बिखर गई और मुंबई ने बड़ी जीत दर्ज की।

कप्तान पांड्या की रणनीति बनी गेम चेंजर – अश्वनी ने अपनी सफलता का श्रेय कप्तान हार्दिक पांड्या और टीम प्लान को दिया। उन्होंने बताया कि पिच 'हार्ड लेंथ' और 'बैक ऑफ लेंथ' गेंदों के लिए मददगार थी, जिसके अनुसार उन्होंने शॉर्ट बॉल का शानदार इस्तेमाल किया।

टीम इंडिया के दरवाजे पर दस्तक – घरेलू क्रिकेट से आईपीएल तक का सफर तय करने वाले अश्वनी अब टीम इंडिया के लिए भी मजबूत दावेदार बनते जा रहे हैं। तिलक वर्मा के शतक और अश्वनी की गेंदबाजी के दम पर मुंबई पॉइंट्स टेबल में सातवें स्थान पर पहुंच गई है और प्लेऑफ की उम्मीदें जिंदा हैं।

मैड्रिड ओपन 2026

पांचवां मास्टर्स खिताब जीतने उतरे जानिक सिनर

स्पेन (एजेंसी)। स्पेन की राजधानी मैड्रिड में होने वाले मैड्रिड ओपन में दुनिया के नंबर 1 खिलाड़ी जानिक सिनर लगातार पांचवां एटीपी मास्टर्स 1000 खिताब जीतने के इरादे से उतरेंगे। सिनर अपने अभियान की शुरुआत एक क्वालिफायर के खिलाफ करेंगे और तीसरे राउंड में गैब्रियल डायलो से भिड़ सकते हैं।

सिनर का संभावित रास्ता

तीसरा राउंड – गैब्रियल डायलो

चौथा राउंड- टॉमी पॉल

क्वार्टर फाइनल- एलेक्स डी मिनौर

हालांकि, उनके सेक्शन में युवा खिलाड़ी जोआओ फोंसेका और राफेल जोदार भी मौजूद हैं, जो उलटफेर कर सकते हैं।

युवा खिलाड़ियों पर रहेंगी नजरें

19 वर्षीय राफेल जोदार शानदार फॉर्म में हैं और हाल ही में माराकेच में खिताब जीत चुके हैं। वहीं जोआओ फोंसेका का मुकाबला जिजो बर्ग्स या मारिन सिलिच से हो सकता है।

सेमीफाइनल में कड़ी टक्कर संभव

सिनर के संभावित सेमीफाइनल विरोधियों में बेन शेल्टन, लोरेंजो मुसेटी, आर्थर फिल्समिल्स हैं। ये सभी खिलाड़ी शानदार फॉर्म में हैं और मुकाबला कड़ा होने की उम्मीद है।

दूसरे हाफ में दिग्गजों की भिड़ंत

ड्रॉ के बॉटम हाफ में एलेक्जेंडर ज्वेरेव, दानिल मेदवेदेव के बीच क्वार्टर फाइनल मुकाबला देखने को मिल सकता है। मेदवेदेव हेड-टू-हेड में 14-8 से आगे हैं, जिससे मुकाबला और रोचक हो जाता है।

अल्काराज़ और जोकोविच नहीं लेंगे हिस्सा

इस बार टूर्नामेंट में कार्लोस अल्काराज़ और नोवाक जोकोविच हिस्सा नहीं ले रहे हैं, जिससे खिताब की दौड़ और खुली नजर आ रही है।

कब से शुरू होगा टूर्नामेंट?

एटीपी मास्टर्स 1000 सीजन का यह बड़ा टूर्नामेंट बुधवार से शुरू होगा, जबकि फाइनल मुकाबला 3 मई को खेला जाएगा।

खेल ने ले ली जान, तैराकी के दौरान गायब हुई

ब्राजीलियाई एथलीट, घंटों बाद झील की गहराई में मिला शव

नई दिल्ली (एजेंसी)। खेल की दुनिया से एक बेहद दुखद खबर सामने आई है। ब्राजील की मशहूर ट्रायथलीट और सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर मारा फ्लेविया की शनिवार, 18 अप्रैल को आयरनमैन टेक्सास प्रतियोगिता के दौरान डूबने से मौत हो गई। 38 वर्षीय यह एथलीट अपनी फिटनेस और खेल के प्रति जुनून के लिए जानी जाती थीं। पूरी दुनिया में उनकी फैन फॉलोइंग काफी ज्यादा थी।

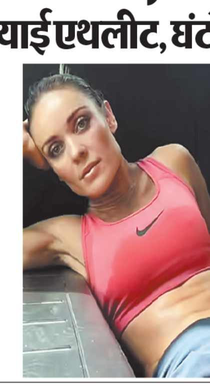

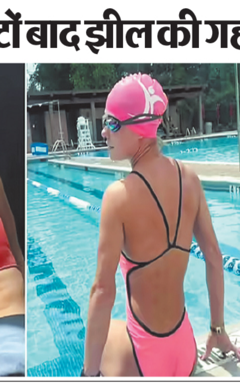

यह दर्दनाक हादसा लेक वुडलैंड्स में हुआ, जो 140 मील लंबी इस इंड्यूरेंस रेस का पहला चरण था। शनिवार सुबह करीब 6 बजे अधिकारियों को एक तैराक के लापता होने की सूचना मिली। इसके बाद मोंटगोमरी काउंटी शेरिफ कार्यालय और वुडलैंड्स फायर विभाग ने तुरंत रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया। लापता होने के करीब डेढ़ घंटे बाद, सुबह 7:30 बजे औपचारिक रूप से खोए हुए तैराक की रिपोर्ट दर्ज की गई और सर्च ऑपरेशन तेज कर दिया गया।

आईपीएल के तुरंत बाद अफगानिस्तान से भिड़ेगी टीम इंडिया

- गिल-बुमराह को मिल सकता है आराम, टेस्ट में नए खिलाड़ियों को मिल सकता है मौका

मुंबई (एजेंसी)। अफगानिस्तान के खिलाफ इकलौते टेस्ट में शुभमन गिल और जसप्रीत बुमराह को आराम दिया जा सकता है। 31 मई को आईपीएल 2026 का फाइनल है और भारतीय टीम का इंटरनेशनल कैलेंडर व्यस्त है। वर्कलोड मैनेजमेंट के चलते कुछ खिलाड़ियों को आराम मिल सकता है। वहीं, हर्ष दुबे, आकिब नबी और देवदत्त पडिक्कल को मौका मिल सकता है। ऑलराउंडर नीतीश कुमार रेड्डी ने गेंदबाजी में सुधार किया है, जिससे उनके नाम पर चर्चा है। चयन समिति जल्दबाजी के बजाय मेडिकल टीम की सलाह पर फैसला करेगी।

आईपीएल फाइनल और टेस्ट मैच के बीच सिर्फ 6 दिन का अंतर – आईपीएल 2026 का फाइनल 31 मई को है, जबकि अफगानिस्तान के खिलाफ टेस्ट 6 जून से शुरू होगा। दोनों के बीच सिर्फ 5-6 दिन हैं। मैनेजमेंट खिलाड़ियों की थकान और इंजरी रिस्क को लेकर गंभीर है। चयनकर्ता देखेंगे कि रेगुलर टेस्ट खिलाड़ियों की आईपीएल टीम किस स्टेज तक पहुंचती है।

डब्ल्यूटीसी पॉइंट्स टेबल का दबाव नहीं, सीनियर बाहर हो सकते हैं – अफगानिस्तान के खिलाफ इस इकलौते टेस्ट में डब्ल्यूटीसी के कोई पॉइंट्स दांव पर नहीं हैं। सूत्रों के मुताबिक, सिलेक्टर्स और मैनेजमेंट स्टार खिलाड़ियों को वनडे या इंग्लैंड सीरीज के लिए फ्रेश रखना चाहते हैं। मैनेजमेंट मानता है कि बुमराह जैसे अहम गेंदबाज को ऐसे मैच में उतारना जोखिम होगा।

- **मुल्लनपुर टेस्ट में नए चेहरे दिख सकते हैं** – 6 जून से मुल्लनपुर में शुरू होने वाले टेस्ट के लिए चयनकर्ता घरेलू सर्किट पर नजर रख रहे हैं। सीनियर खिलाड़ियों को आराम मिला तो युवा खिलाड़ियों को डेब्यू मिल सकता है। इंडिया-ए के तेज गेंदबाज गुरनूर बराड़ और बाएं हाथ के स्पिनर मानव सुथार रेस में आगे हैं।
- **जून से जुलाई तक लगातार सीरीज** – भारतीय टीम का जून महीना पैक है। अफगानिस्तान के खिलाफ टेस्ट और वनडे के बाद टीम आयरलैंड के खिलाफ टी-20 सीरीज खेलेगी। इसके बाद इंग्लैंड दौरा होगा, जहां 3 टी-20 और 3 वनडे होंगे। इसके बाद 23 जुलाई से जिम्बाब्वे के खिलाफ 3 टी-20 मैच शुरू होंगे।
- **अफगानिस्तान ने टेस्ट करियर भारत के खिलाफ ही शुरू किया** – अफगानिस्तान ने टेस्ट करियर की शुरुआत टीम इंडिया के खिलाफ की थी। 2018 में बेंगलुरु में भारत ने पारी और 262 रन से मैच जीता था। तब से अफगानिस्तान ने 13 टेस्ट खेले, 4 जीते, 7 हारे और 2 ड्रॉ रहे।

अमेरिकी सेना ने ईरानी तेल की तस्करी के लिए पूर्व में प्रतिबंधित पोत पर कब्जा किया : पेंटागन

» वाशिंगटन, भाषा।

रक्षा विभाग ने मंगलवार को बताया कि अमेरिकी सेना के जवान एक तेल टैंकर पर धावा बोलकर उसपर सवार हो गए और उसे अपने कब्जे में ले लिया है। इस टैंकर पर पहले एशिया में ईरानी कच्चे तेल की तस्करी के आरोप में प्रतिबंध लगाया गया था। पेंटागन ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा कि अमेरिकी सेना ने यात्रा के अधिकार के तहत समुद्री अवरोध उत्पन्न किया और एमाटी टिफानी नामक टैंकर पर उसके जवान बिना किसी प्रतिरोध के सवार हो गए। जहाज ट्रैकिंग डेटा से पता चला कि टिफानी श्रीलंका और इंडोनेशिया के बीच हिंद महासागर में था। पेंटागन अमेरिका के रक्षा विभाग का मुख्यालय है।

ईरान के खिलाफ अमेरिका की जंग में यह नवीनतम कदम है, जिसके तहत तेहरान से जुड़े किसी भी जहाज या उन जहाजों को रोका जा रहा है जिन पर तेहरान सरकार की मदद करने वाली सामग्री, जैसे हथियार, तेल, धातु और इलेक्ट्रॉनिक्स ले जाने का संदेह है। यह घोषणा अमेरिका और ईरान के बीच पहले से जारी नाजुक युद्धविराम की समाप्ति से कुछ घंटे पहले आई है। फिलहाल वाशिंगटन और तेहरान के बीच बातचीत कराने की कोशिश पाकिस्तान कर रहा है। पेंटागन ने टिफानी को देशविहीन बताया, हालांकि यह बोत्सवाना का ध्वज वाला जहाज है। घोषणा में यह स्पष्ट नहीं किया गया कि मंगलवार को जहाज पर ठीक कहां और किस समय धावा बोला गया। पेंटागन की घोषणा में ट्रंप प्रशासन के अधिकारियों के पिछले बयानों को दोहराते हुए कहा गया, जैसा कि हमने स्पष्ट किया है, हम अवैध नेटवर्क को बाधित करने और ईरान को सामग्री पहुंचाने में सहायता प्रदान करने वाले प्रतिबंधित जहाजों को रोकने के लिए वैश्विक समुद्री प्रवर्तन प्रयास जारी रखेंगे चाहे वे कहीं भी संचालित हों। अंतरराष्ट्रीय जलक्षेत्र प्रतिबंधित जहाजों के लिए शरणस्थल नहीं है। ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ के अध्यक्ष जनरल डैन केन ने पिछले सप्ताह कहा था कि अमेरिकी नाकाबंदी ईरानी जलक्षेत्र और अमेरिकी केंद्रीय कमान के नियंत्रण वाले युद्ध क्षेत्र से आगे तक विस्तारित होगी। पेंटागन में पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि अन्य जिम्मेदारी वाले क्षेत्रों में अमेरिकी सेनाएं ईरान के ध्वज वाले किसी भी जहाज या ईरान को सामग्री पहुंचाने में सहायता प्रदान करने का प्रयास करने वाले किसी भी जहाज का सक्रिय रूप से पीछा करेंगी। घोषणा के अनुसार यह घटना रात में घटित हुई। उन्होंने विशेष रूप से प्रशांत क्षेत्र में चलाए जा रहे अभियानों का जिक्र किया और बताया कि अमेरिका उन जहाजों को निशाना बनाएगा जो नाकाबंदी शुरू होने से पहले होर्मुज जलडमरूमध्य के बाहर से रवाना हुए थे। होर्मुज जलडमरूमध्य ऊर्जा और अन्य माल ढुलाई के लिए एक महत्वपूर्ण जलमार्ग है। सेना ने उन वस्तुओं की एक विस्तृत सूची भी जारी की जिन्हें वह अवैध मानती है और घोषणा की कि वह व्यापारिक जहाजों पर स्थान की परवाह किए बिना चढ़कर उनकी तलाशी लेगी और उन्हें जब्त कर लेगी।

अमेरिकी उपराष्ट्रपति वेंस मंगलवार को देर रात जा सकते हैं इस्लामाबाद

वाशिंगटन, भाषा। अमेरिकी उपराष्ट्रपति जे.डी. वेंस ईरान के साथ जारी युद्ध को समाप्त कराने के लिए शांति वार्ता के वास्ते मंगलवार को इस्लामाबाद जा सकते हैं। मीडिया की खबर में यह जानकारी दी। सोमवार को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने न्यूयॉर्क पोस्ट से कहा कि वेंस के नेतृत्व वाला प्रतिनिधिमंडल इस्लामाबाद के लिए रवाना हो चुका है, जबकि कुछ अन्य खबरों में उपराष्ट्रपति के वाशिंगटन में ही मौजूद होने की बात कही गई है। वेंस का यह संभावित दौरा ऐसे समय में हो रहा है, जब आठ अप्रैल को अमेरिका और ईरान के बीच हुए दो सप्ताह के युद्धविराम की अवधि खत्म होने वाली है और ट्रंप ने चेतावनी दी है कि यदि समझौता नहीं हुआ तो ईरान में पुलों और बिजली संयंत्रों पर भीषण हमले किए जा सकते हैं। वेंस के मंगलवार देर रात इस्लामाबाद पहुंचने की संभावना है। अमेरिकी समाचार वेबसाइट एक्सियोस ने तीन अमेरिकी सूत्रों के हवाले से खबर में कहा, वेंस युद्ध को समाप्त कराने के लिए ईरान के साथ संभावित शांति वार्ता के वास्ते मंगलवार सुबह तक इस्लामाबाद रवाना हो सकते हैं।

ईरान और अमेरिका के बीच जारी युद्ध वैश्विक समुद्री परिवहन के लिए खतरा बना हुआ

होर्मुज जलडमरूमध्य में नौवहन की स्वतंत्रता का समर्थन कर रहे देश सही संदेश दे रहे हैं : आईएमओ प्रमुख

» सिंगापुर, भाषा।

अंतरराष्ट्रीय समुद्री संगठन (आईएमओ) के प्रमुख आर्सेनियो डोमिनगेज ने कहा है कि होर्मुज जलडमरूमध्य में आवागमन की स्वतंत्रता के समर्थन में खड़े देश सही संदेश दे रहे हैं। डोमिनगेज ने यह टिप्पणी ऐसे समय में की है जब ईरान और अमेरिका के बीच जारी युद्ध वैश्विक समुद्री परिवहन के लिए खतरा बना हुआ है। आईएमओ के महासचिव डोमिनगेज ने सोमवार को सिंगापुर के मीडिया से बातचीत में भू-राजनीतिक संघर्षों में दबाव बनाने के साधन के रूप में समुद्री परिवहन के बढ़ते इस्तेमाल को लेकर भी आगाह किया। डोमिनगेज ने कहा कि आईएमओ ने फारस की खाड़ी में अब भी फंसे 1,600 से अधिक पोतों पर सवार करीब 20,000 समुद्री कर्मियों को निकालने की योजना तैयार की है।

द स्ट्रेट्स टाइम्स ने मंगलवार को आईएमओ प्रमुख के हवाले से कहा कि संगठन ने कुछ देशों के समूह के साथ मिलकर ऐसी व्यवस्थाएं की हैं ताकि जब समुद्री यातायात अंततः फिर शुरू हो तो होर्मुज जलडमरूमध्य को बारूदी सुरंगों और अन्य खतरों से मुक्त कराया जा सके। अमेरिका एवं ईरान के बीच युद्धविराम बुधवार को समाप्त होगा। इसके आगे बरकरार रहने को लेकर अनिश्चितता के बीच सोमवार को होर्मुज से वाणिज्यिक नौवहन लगभग ठहर गया। पाकिस्तान में वार्ता के दूसरे दौर को लेकर भी अनिश्चितता की स्थिति है। डोमिनगेज ने कहा, हकीकत यह है कि हमें वैश्विक समुदाय के संघर्ष कम करने के प्रयासों के समर्थन में एकजुट होने की जरूरत है ताकि हम सामान्य तरीके से व्यापार कर सकें। आईएमओ महासचिव ने कहा कि होर्मुज जलडमरूमध्य में आवागमन की स्वतंत्रता के समर्थन में खड़े देश सही संदेश दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि संगठन ईरान और ओमान जैसे पड़ोसी देशों के संपर्क में है ताकि यह चर्चा की जा सके कि संघर्ष समाप्त होने के बाद होर्मुज जलडमरूमध्य से सुरक्षित व्यापार फिर कैसे शुरू किया जा सकता है। समाचार पत्र ने डोमिनगेज के हवाले से कहा, यह युद्ध जितना लंबा खिंचेगा, वैश्विक अर्थव्यवस्था पर उतने ही अधिक नकारात्मक असर दिखेंगे। डोमिनगेज ने अंतरराष्ट्रीय नौवहन के लिए इस्तेमाल होने वाले जलमार्गों पर शुल्क या भुगतान व्यवस्था के विचार को भी खारिज कर दिया। उन्होंने कहा, मैं सिंगापुर सरकार के रुख को रेखांकित करना चाहता हूं, जिसने बहुत स्पष्ट और जोरदार ढंग से कहा कि वह इन शर्तों पर बातचीत नहीं करेगी।

वार्ता उम्मीद के अनुरूप आगे नहीं बढ़ी तो ईरान पर फिर से बमबारी करने के लिए तैयार हैं : ट्रंप

वाशिंगटन, भाषा। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि अगर वार्ता उम्मीद के अनुरूप आगे नहीं बढ़ती है तो वह ईरान पर बमबारी फिर से शुरू करने के लिए तैयार हैं। सीएनबीसी के स्क्वॉक बॉक्स कार्यक्रम में ट्रंप से सीधे तौर पर पूछा गया कि क्या इस्लामाबाद में होने वाली आगामी वार्ता में कोई प्रगति न होने पर वह हमले फिर से शुरू करेंगे। ट्रंप ने कहा, हां, मुझे लगता है कि बमबारी करनी पड़ेगी क्योंकि यही बेहतर रुख है। लेकिन, आप जानते हैं, हम तैयार हैं। मतलब, सेना पूरी तरह से तैयार है। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं हो सका है कि युद्धविराम असल में कब समाप्त होगा। दो हफ्ते पहले जब युद्धविराम की घोषणा की गई थी, तब मंगलवार रात तक की समय सीमा निर्धारित की गई थी, लेकिन ट्रंप ने ब्लूमबर्ग न्यूज़ को बताया कि युद्धविराम बुधवार रात को समाप्त हो जाएगा।

बांग्लादेश से आए प्रतिनिधिमंडल ने चीनी उपराष्ट्रपति से मुलाकात की

बीजिंग, भाषा। सत्ताधारी बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के एक प्रतिनिधिमंडल ने मंगलवार को यहां चीन के उपराष्ट्रपति हान झेंग से मुलाकात की। इस प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व बीएनपी के महासचिव मिर्जा फखरुल इस्लाम आलमगीर ने किया। बांग्लादेश में नई सरकार के सत्ता में आने के बाद दोनों देशों के बीच यह पहला राजनीतिक संपर्क था। यहां के आधिकारिक मीडिया ने बताया कि बीएनपी प्रतिनिधिमंडल के साथ अपनी बातचीत में हान ने मैत्रीपूर्ण पड़ोसियों के बीच गहरे संबंधों की बात की और बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव को संयुक्त रूप से बनाने तथा चीन-बांग्लादेश व्यापक रणनीतिक सहकारी साझेदारी को आगे बढ़ाने जैसे क्षेत्रों में सहयोग को मजबूत करने का आह्वान किया। उन्होंने चीन की सत्ताधारी कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीसी) की बीएनपी के साथ आदान-प्रदान और सहयोग को मजबूत करने की इच्छा भी व्यक्त की।आलमगीर स्थानीय सरकार, ग्रामीण विकास और सहकारिता मंत्री भी हैं और उन्होंने चीन को बांग्लादेश का एक भरोसेमंद मित्र और साझेदार बताया। उन्होंने कहा कि नई सरकार एक-चीन सिद्धांत और बीजिंग के साथ मित्रता की परंपरा का पालन करेगी।

ईरान का कोई प्रतिनिधिमंडल इस्लामाबाद नहीं गया : ईरानी सरकारी टीवी चैनल

दुबई, भाषा। ईरान के सरकारी टेलीविजन चैनल ने मंगलवार को स्क्रीन पर एक अलर्ट जारी कर कहा कि ईरान का कोई प्रतिनिधिमंडल अब तक इस्लामाबाद नहीं गया है। यह बयान ऐसे समय में आया है जब अमेरिका के साथ संभावित वार्ता को लेकर अटकलें लगाई जा रही हैं। स्क्रीन पर जारी यह अलर्ट ईरान की धर्मतांत्रिक व्यवस्था के भीतर संभवतः जारी उस आंतरिक बहस को दर्शाता है जिसमें वह सप्ताहांत में अमेरिकी नौसेना द्वारा एक ईरानी कंटेनर पोत पर कब्जा किए जाने पर अपनी प्रतिक्रिया को लेकर विचार कर रहा है। ईरान की धर्म आधारित व्यवस्था में कट्टरपंथी नेता सरकारी टेलीविजन को लंबे समय से नियंत्रित करते रहे हैं। अब तक किसी अधिकारी ने यह स्वीकार नहीं किया है कि कोई प्रतिनिधिमंडल इस्लामाबाद जाएगा। पाकिस्तान के इस्लामाबाद में संभावित वार्ता के लिए अधिकारियों ने पहले से तैयारी कर ली है। यदि युद्धविराम के लिए दूसरे दौर की वार्ता होती है तो अमेरिका के उपराष्ट्रपति जे डी वेंस के इन वार्ताओं के लिए अमेरिकी दल का नेतृत्व करने की संभावना है। पिछली बार ईरानी पक्ष का नेतृत्व संसद अध्यक्ष मोहम्मद बगेर गालिबफ ने किया था।

न्यूज ब्रीफ

इराक-सीरिया सीमा मार्ग एक दशक से अधिक समय बाद पुनः खुला

» बगदाद, भाषा।

इराक और सीरिया के बीच एक अहम सीमा पार मार्ग एक दशक से अधिक समय तक बंद रहने के बाद सोमवार को पुनः खोल दिया गया, जिससे अधिकारी क्षेत्रीय व्यापार और तेल निर्यात को नई गति मिलने की उम्मीद जता रहे हैं। सीरिया ने इस मार्ग को तेल निर्यात के लिए सुरक्षित जमीनी विकल्प के रूप में पेश किया है, खासकर ऐसे समय में जब ईरान युद्ध के कारण होर्मुज जलडमरूमध्य पर अनिश्चितता बनी हुई है। इराक में राबिया और सीरिया में यारुबियाह के नाम से जाना जाने वाला यह सीमा पार मार्ग 2011 में सीरियाई गृहयुद्ध शुरू होने के बाद बंद कर दिया गया था। बाद में 2014 में इस क्षेत्र पर इस्लामिक स्टेट के लड़ाकों ने कब्जा कर लिया, जिसे इराकी कुर्द बलों ने फिर से अपने नियंत्रण में ले लिया।

सीरिया की सरकारी समाचार एजेंसी एसएएनए के अनुसार, दोनों देशों के अधिकारियों ने इस सीमा पार मार्ग को लेकर आपसी समन्वय बढ़ाने और साझा हितों के अनुरूप आवाजाही तथा व्यापार को सुगम बनाने के उपायों पर चर्चा की। इराक के नीनवेह प्रांत परिषद सदस्य नादिया अल-जुबौरी ने उद्घाटन समारोह में कहा कि इस मार्ग के पुनः खुलने से व्यापारिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा और इसी रास्ते तेल के परिवहन को भी नई गति मिलेगी। इराक की अर्थव्यवस्था काफी हद तक तेल पर निर्भर है, जहां उसकी लगभग 90 प्रतिशत बजटीय आय इसी से आती है। उसका अधिकांश तेल निर्यात होर्मुज जलडमरूमध्य के जरिए होता है।

न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री लक्सन चुनाव से कुछ महीने पहले पार्टी नेतृत्व के लिए हुए मतदान में सफल रहे

» वेलिंगटन, भाषा।

न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन ने मंगलवार को कहा कि वह अपनी पार्टी के सांसदों के बीच उनके नेतृत्व को लेकर हुए मतदान में जीत गए हैं। हाल में हुए जनमत सर्वेक्षणों में लक्सन की पार्टी की लोकप्रियता में गिरावट के बाद ए अटकलें लगाई जा रही थीं कि उन्हें पद से हटाया जा सकता है। लक्सन की नेशनल पार्टी के सांसदों की नियमित बैठक के दौरान यह मतदान गोपनीय तरीके से हुआ। लक्सन ने मतदान के बाद संवाददाताओं से कहा कि उन्होंने अपने नेतृत्व को लेकर विश्वास मत कराया था जिसमें उन्हें जीत मिली।

नेशनल पार्टी न्यूजीलैंड में 2023 के चुनाव के बाद से दक्षिणपंथी गठबंधन सरकार का नेतृत्व कर रही है। लक्सन 2021 से पार्टी का नेतृत्व कर रहे हैं। उनकी पार्टी के सांसदों के बीच यह मतदान न्यूजीलैंड के अगले आम चुनाव से महज करीब छह महीने पहले हुआ। आम चुनाव सात नवंबर को होना है। हाल के जनमत सर्वेक्षणों में नेशनल पार्टी की लोकप्रियता में गिरावट के बाद विश्लेषक अटकलें लगा रहे थे कि लक्सन को नेतृत्व संबंधी चुनौती का सामना करना पड़ सकता है।

पाकिस्तान ने देश में विकसित जहाज-रोधी हथियार प्रणाली का सफल परीक्षण किया

» इस्लामाबाद, भाषा।

पाकिस्तान की नौसेना ने स्वदेशी रूप से विकसित जहाज-रोधी हथियार प्रणाली का सफल परीक्षण किया। सेना ने मंगलवार को यह जानकारी दी। सेना के मुताबिक, ये प्रणाली लंबी दूरी से समुद्री खतरों को बेअसर कर सकती है। सेना की मीडिया शाखा इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) ने एक बयान में बताया कि हवा में दागी जाने वाली क्रूज मिसाइल तैमूर सटीक हमले की क्षमता और अभियानगत तत्परता का एक सशक्त प्रदर्शन है। बयान के मुताबिक, हवा में दागी जाने वाली क्रूज मिसाइल ने असाधारण सटीकता के साथ अपने मिशन को अंजाम दिया।

जिससे लंबी दूरी से दुश्मन के समुद्री खतरों का पता लगाने, उन्हें निशाना बनाने और निर्णायक रूप से बेअसर करने की पाकिस्तान नौसेना की युद्धक क्षमता प्रमाणित हुई। बयान में बताया गया कि यह सफलता राष्ट्रीय रक्षा क्षमता में एक महत्वपूर्ण वृद्धि का प्रतीक है, जिससे पाकिस्तान सशस्त्र बलों की बहुआयामी समन्वित आक्रमण क्षमता और पारंपरिक क्षेत्र में उनकी क्षमताओं को अधिक मजबूती मिलती है। बयान के मुताबिक, राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी, प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ, रक्षा बलों के प्रमुख और सेना प्रमुख आसिम मुनीर और अन्य सेना प्रमुखों ने वैज्ञानिकों और इंजीनियरों को इस महत्वपूर्ण उपलब्धि पर बधाई दी।

चीन ने ईरानी मालवाहक जहाज से संबंध होने से किया इनकार

» बीजिंग, भाषा।

चीन ने खाड़ी क्षेत्र में अमेरिका द्वारा जब्त किए गए ईरानी मालवाहक जहाज से किसी भी तरह का संबंध होने से मंगलवार को इनकार किया। जहाज पर, कथित तौर पर मिसाइल निर्माण के लिए रासायनिक सामग्री लदी हुई है। चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता गुओ जियाकुन ने संयुक्त राष्ट्र में अमेरिका की पूर्व राजदूत निक्की हेली द्वारा लगाए गए आरोपों पर प्रतिक्रिया देते हुए यहां संवाददाता सम्मेलन में कहा, मेरी जानकारी के अनुसार, यह एक विदेशी ध्वज वाला मालवाहक जहाज है। चीन बढ़ा-चढ़ा कर किए जाने वाले किसी भी दावे का विरोध करता है।

हेली ने एक्स पर एक पोस्ट में दावा किया कि अमेरिका द्वारा जब्त किया गया जहाज चीन से ईरान जा रहा था और उस पर मिसाइल निर्माण के लिए रासायनिक सामग्री लदी हुई थी। हेली ने कहा, इसने रुकने के लिए कई बार दिए गए आदेश को मानने से इनकार कर दिया। यह एक और सबूत है कि चीन ईरान के शासन को मजबूत करने में मदद कर रहा है - एक ऐसी सच्चाई जिसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। ईरान के बंदरगाहों की ओर जाने वाले जहाजों की नाकाबंदी लागू कर रहे अमेरिकी नौसैनिक जहाज ने मालवाहक जहाज पर उस वक्त गोलाबारी की, जब उसने कथित तौर पर रुकने के आदेश को अनसुना कर दिया। बाद में, अमेरिकी मरीन सैनिकों ने जहाज को अपने कब्जे में लिया। ईरानी सेना ने चेतावनी दी है कि वह कंटेनर जहाज के खिलाफ अमेरिका की कार्रवाई का जवाब देगी। सीएनएन ने ईरान की सेना के हवाले से कहा, आक्रमणकारी अमेरिका ने युद्धविराम का उल्लंघन करते हुए और समुद्री डकैती में लिप्त होकर ओमान सागर के जलक्षेत्र में एक ईरानी वाणिज्यिक जहाज पर हमला किया। ईरानी सेना ने कहा कि अमेरिका ने जहाज के नौवहन उपकरण नष्ट कर दिए और उसपर सैनिक तैनात कर दिए, जो जहाज के खिलाफ आक्रामक गतिविधि थी। इस घटना के बाद, ईरान ने इस सप्ताह पाकिस्तान में अमेरिका के साथ होने वाली शांति वार्ता के दूसरे दौर में अपनी भागीदारी की पुष्टि करने से भी इनकार कर दिया। पिछले सप्ताह चीन ने ईरान की सेना को रक्षा और उपग्रह सहायता प्रदान करने से इनकार किया। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भी ईरान को हथियार आपूर्ति करने पर चीन पर भारी शुल्क लगाने की धमकी दी है। आरोपों का जवाब देते हुए, गुओ ने पिछले सप्ताह कहा कि चीन सैन्य उत्पादों के निर्यात पर हमेशा विवेकपूर्ण और जिम्मेदाराना तरीके से कार्य करता है तथा निर्यात नियंत्रण और उचित अंतरराष्ट्रीय दायित्वों से संबंधित चीन के कानूनों और विनियमों के अनुसार सख्त नियंत्रण रखता है। शुल्क की धमकी पर उन्होंने कहा, यदि अमेरिका इन आरोपों के आधार पर चीन पर टैरिफ बढ़ाता है, तो चीन जवाबी कार्रवाई करेगा।

श्रीलंका में मादक पदार्थ जब्त किए जाने के बाद भारतीय नागरिक गिरफ्तार

कोलंबो, भाषा। श्रीलंका में मंगलवार को 35 वर्षीय एक भारतीय नागरिक के पास से कथित तौर पर एक किलोग्राम से अधिक मादक पदार्थ जब्त किए जाने के बाद उसे गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने यह जानकारी दी। अदादेराना डॉट एलके की खबर के अनुसार, आरोपी को कटुनायका स्थित बांदारनायके अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे (बीआईए) पर पकड़ा गया। उसकी पहचान सार्वजनिक नहीं की गई है। खबर में कहा गया है कि आरोपी के पास से एक किलोग्राम से अधिक कुश नामक मादक पदार्थ बरामद किया गया। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार व्यक्ति की पहचान भारतीय नागरिक के रूप में हुई है।

जापान ने घातक हथियारों के निर्यात पर लगे प्रतिबंध को हटाने को मंजूरी दी

» तोक्यो, भाषा।

जापान ने मंगलवार को घातक हथियारों के निर्यात पर लगे प्रतिबंध को हटाने का समर्थन किया क्योंकि देश अपने हथियार उद्योग को मजबूत करना चाहता है और रक्षा भागीदारों के साथ सहयोग को गहरा करना चाहता है। इसे जापान की युद्धोत्तर शांतिवादी नीति में एक बड़ा बदलाव माना जा रहा है। प्रधानमंत्री साने ताकाइची के मंत्रिमंडल की ओर से नए दिशा-निर्देशों को मंजूरी मिलने के साथ ही जापान के युद्धोत्तर हथियार निर्यात के रास्ते में मौजूद अंतिम बाधाएं भी दूर हो गई हैं। यह कदम ऐसे समय में उठाया गया है, जब क्षेत्र में बढ़ती सुरक्षा चुनौतियों के बीच देश अपनी सैन्य क्षमता को तेजी से मजबूत करने में जुटा है। जहां इस नीति बदलाव की चीन ने आलोचना की है, वहीं ऑस्ट्रेलिया जैसे जापान के रक्षा सहयोगी देशों ने इसका स्वागत किया है, और दक्षिण-पूर्व एशिया तथा यूरोप के देशों में भी इसके प्रति रुचि देखी जा रही है।

विरोधियों का कहना है कि यह बदलाव जापान के शांतिवादी संविधान की भावना के खिलाफ है और इससे वैश्विक तनाव बढ़ सकता है, साथ ही जापानी नागरिकों की सुरक्षा पर भी खतरा हो सकता है। मुख्य कैबिनेट सचिव मिनोरु किहारा ने संवाददाताओं से कहा, तेजी से बदलते सुरक्षा परिदृश्य के बीच नई नीति जापान की सुरक्षा सुनिश्चित करेगी और क्षेत्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय शांति व स्थिरता में भी अहम योगदान देगी। उन्होंने कहा, सरकार रक्षा उपकरणों के निर्यात को रणनीतिक रूप से बढ़ावा देगी, ताकि जापान के लिए अनुकूल सुरक्षा वातावरण तैयार किया जा सके और ऐसी औद्योगिक क्षमता विकसित की जा सके, जो किसी भी संघर्ष की स्थिति में देश की मजबूती को सहारा दे सके। द्वितीय विश्व युद्ध के बाद बने अपने शांतिवादी संविधान के तहत जापान लंबे समय तक अधिकांश हथियारों के निर्यात पर रोक लगाए रहा। हालांकि, हाल के वर्षों में वैश्विक और क्षेत्रीय तनाव बढ़ने के कारण इसमें कुछ ढील दी गई, लेकिन निर्यात को केवल पांच क्षेत्रों-बचाव, परिवहन, सतर्कता, निगरानी और बारूदी सुरंग हटाने तक सीमित रखा गया था। नए दिशा-निर्देश इन सीमाओं को समाप्त करते हैं और लड़ाकू विमान, मिसाइल और विध्वंसक जैसे उपकरणों के निर्यात को अनुमति देते हैं। फिलहाल, यह निर्यात केवल उन 17 देशों तक सीमित रहेगा, जिन्होंने जापान के साथ रक्षा उपकरण और तकनीक हस्तांतरण से जुड़े समझौते किए हैं।

जर्मनी के गुरुद्वारे में झड़प में चार घायल, पुलिस ने जांच शुरू की

लंदन, भाषा। जर्मनी के मोर्स शहर में एक गुरुद्वारे में दो गुटों के बीच झड़प में चार लोग घायल हो गए, जिसके बाद विशेष बलों सहित सुरक्षा बल को बड़े पैमाने पर तैनात किया गया। जर्मनी के अधिकारियों और खबरों में यह जानकारी दी गई। वेसेल जिला पुलिस ने एक प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि यह घटना रविवार को स्थानीय समयानुसार दोपहर करीब 2:20 बजे सिख सामुदायिक केंद्र में प्रार्थना के समय तब हुई, जब वहां मौजूद दो समूहों के बीच कहासुनी हुई। पुलिस ने रविवार को जारी बयान में कहा, चार लोगों को मामूली चोटें आई हैं। बयान में गया कि कुछ लोगों को गिरफ्तार किया गया है। बयान में यह भी कहा गया है, चूंकि प्रत्यक्षदर्शियों ने गोलियों की आवाज सुनाई देने की जानकारी दी थी, इसलिए विशेष बलों को बुलाया गया। कुछ समय के लिए पुलिस हेलीकॉप्टर भी तैनात किया गया था। पुलिस ने झगड़े के सही कारण या गोलीबारी के बारे में जानकारी नहीं दी है। बयान के अनुसार पुलिस और लोक अभियोजक कार्यालय जांच कर रहा है। जर्मनी के प्रसारक टैगेशचाउ के अनुसार, यह टकराव शायद सिख समुदाय के सदस्यों के बीच आंतरिक विवाद के कारण हुआ था। जर्मन समाचार पोर्टल एनआरजेड ने बताया कि गुरुद्वारे में एक उत्सव के दौरान सिख समुदाय के सदस्यों के बीच झड़प हुई, जिसके परिणामस्वरूप भारी पुलिस तैनात करनी पड़ी। प्रत्यक्षदर्शियों ने एनआरजेड को बताया कि कई पुलिस वाहन, एम्बुलेंस और पुलिस अधिकारी, घटनास्थल पर पहुंचे, जबकि एक विशेष अभियान इकाई इमारत में दाखिल हुई। सिख समुदाय के लोगों ने आरोप लगाया कि गुरुद्वारे के अंदर गोलियां चलाई गईं और कुछ लोगों पर चाकू और मिर्च स्प्रे से हमला किया गया।

प्रधानमंत्री केयर स्टार्मर ने पिछले हफ्ते रॉबिन्स को बर्खास्त कर दिया

मैंडलसन को अमेरिकी राजदूत नियुक्त करने के लिए राजनीतिक दबाव बनाया गया : पूर्व अधिकारी

» लंदन, भाषा।

पीटर मैंडलसन को अमेरिका में ब्रिटेन के राजदूत के रूप में नियुक्त करने का निर्णय लेने वाले एक पूर्व अधिकारी ने कहा कि सुरक्षा चिंताओं के बावजूद उन पर नियुक्ति प्रक्रिया शीघ्र पूरी करने का राजनीतिक दबाव बनाया गया। विदेश कार्यालय के पूर्व प्रमुख ऑली रॉबिन्स ने कहा कि ये चिंताएं यौन अपराधी जेफरी एप्स्टीन के साथ मैंडलसन के संबंधों से संबंधित नहीं थीं। सांसदों द्वारा पूछे जाने पर उन्होंने यह बताने से इनकार कर दिया कि सरकारी जांच एजेंसी ने मैंडलसन को संभावित सुरक्षा जोखिम के रूप में क्यों चिह्नित किया।

रॉबिन्स ने कहा कि जांच एजेंसी ने मैंडलसन को संदिग्ध मामला माना और उसका मत उन्हें सुरक्षा मंजूरी देने के खिलाफ सिफारिश करने का था। विदेश कार्यालय ने फिर भी उन्हें मंजूरी देने का फैसला किया। इस फैसले को लेकर प्रधानमंत्री केयर स्टार्मर ने पिछले हफ्ते रॉबिन्स को बर्खास्त कर दिया। स्टार्मर को इस नियुक्ति को लेकर अपने फैसले पर सवालों का सामना करना पड़ रहा है और उनसे इस्तीफे की मांग भी की जा रही है। रॉबिन्स ने मंगलवार को हाउस ऑफ कॉमन्स की विदेश मामलों की समिति को बताया कि स्टार्मर के कार्यालय से दबाव का माहौल बनाया जा रहा था। उन्होंने कहा कि यह बहुत प्रबल अपेक्षा थी कि

मैंडलसन को जल्द से जल्द पदभार ग्रहण करके अमेरिका में होना चाहिए। प्रधानमंत्री का कहना है कि जेफ्री एप्स्टीन के मित्र मैंडलसन को इस पद के लिए चुनना उनकी गलती थी। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि अगर उन्हें सुरक्षा जांच के बारे में पता होता तो वे नियुक्ति रद्द कर देते। स्टार्मर ने इसका पूरा दोष विदेश कार्यालय के अधिकारियों पर मढ़ दिया और कहा कि उन्होंने उन्हें सुरक्षा संबंधी चिंताओं के बारे में नहीं बताया और मैंडलसन की नियुक्ति को मंजूरी दे दी। उन्होंने इसे सचमुच चौंकाने वाला बताया कि अधिकारियों ने उन्हें जनवरी 2025 में हुई असफल जांच प्रक्रिया के बारे में नहीं बताया। स्टार्मर का कहना है कि उन्हें इसके बारे में पिछले सप्ताह ही पता चला। स्टार्मर ने एप्स्टीन के साथ दोस्ती के बारे में नए विवरण सामने आने के बाद मैंडलसन को सितंबर में बर्खास्त कर दिया था। उन्होंने राजदूत रहते हुए मैंडलसन की संवेदनशील जानकारी तक पहुंच से उत्पन्न होने वाली किसी भी सुरक्षा संबंधी चिंताओं की जांच का आदेश दिया है। आलोचकों का कहना है कि प्रधानमंत्री ने अपने कर्मचारियों की उस चेतावनी के बावजूद मैंडलसन को राजदूत चुना कि एप्स्टीन के साथ मैंडलसन की दोस्ती सरकार को प्रतिष्ठा को जोखिम में डाल सकती है। मैंडलसन के रूस और चीन के साथ व्यापारिक संबंधों ने भी चिंताएं बढ़ा दीं। लेकिन यूरोपीय संघ के पूर्व व्यापार प्रमुख के रूप में उनकी विशेषज्ञता और वैश्विक अभिजात वर्ग के बीच उनके संपर्कों को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन के साथ कामकाज करने में एक महत्वपूर्ण कारक माना गया।

मुद्रक, प्रकाशक व स्वत्वाधिकारी आरपी न्यूज़ नेटवर्क प्राईवेट लिमिटेड के लिये श्रीराम ऑफसेट, 14, शॉपिंग सेंटर, ज़ोरावरसिंह गेट के बाहर, आमेर रोड, जयपुर से मुद्रित तथा रॉयल पत्रिका कार्यालय: 4312, मोहल्ला नायकान, नाहरवाड़ा, जगन्नाथ शाह का रास्ता, रामगंज, जयपुर से प्रकाशित। पीआरबी एक्ट के अनुसार खबरों के चयन के लिए उत्तरदायित्व संपादक मुन्ना खान मोबाइल नंबर 9772552446, 8058969180 ई-मेल: rpnewsnetworkpvt.ltd@gmail.com